कई राज्यों में चुनाव से पहले आक्रामक... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

'ओ रोमियो' के किरदार ने मुझे... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 314 | गाजियाबाद / रविवार 15 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

● *ब्रह्मपुत्र पर 6-लेन पुल की सौगात देकर असम में बोले पीएम मोदी*

नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी

कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था

गुवाहाटी (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी गुवाहाटी में जनसभा कर रहे हैं। इस दौरान पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था। असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं। जो कांग्रेस असम के विकास के लिए पैसे देने से बचती हो वो कांग्रेस क्या असम का विकास कभी नहीं कर सकती है।

इससे पहले पीएम पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे। इसके बाद वे वायुसेना के सी-130 एयरक्राफ्ट से डिब्रूगढ़ पहुंचे। प्लेन ने यहां मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर लैंडिंग की। पीएम ने इसके बाद ब्रह्मपुत्र नदी पर बने भास्कर वर्मा सेतु और आईआईएम गुवाहाटी के टेंपरेरी कैंपस का उद्घाटन किया।

16 लड़ाकू विमानों ने एरियल शो किया- मोरन हाईवे पर पीएम की मौजूदगी में राफेल, सुखोई समेत 16 लड़ाकू विमान एरियल शो किया। इस दौरान विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ करके दिखाया। डेमो 30 मिनट तक चला।पीएम मोदी का यह पिछले तीन महीने में तीसरा असम दौरा है।

असम में बनी पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी- मोरन एयरस्ट्रिप एनएच-127 के 4.4 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बनाई गई है। यह भारत की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी है, जो सेना और सिविल विमानों दोनों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। ईएलएफ का मतलब है कि युद्ध और इमरजेंसी जैसे हालात में हवाई जहाजों को हाईवे पर ही उतारा जाए और यहीं से उड़ान भरने की व्यवस्था हो।

केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले

पीएम ने कहा– कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था। असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं।उन्होंने कहा– जो कांग्रेस असम के विकास के लिए पैसे देने से बचती हो वो कांग्रेस क्या असम का विकास कर सकती है। कभी भी नहीं कर सकती है। आपका भला कर सकती है युवाओं का भला , किसानों का गांव का भला कर सकती है।

नॉर्थ ईस्ट को आत्मनिर्भर बनाना है– पीएम मोदी ने कहा– बजट के बाद असम का नार्थ ईस्ट का मेरा ये पहला दौरा है, जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने हमेशा नजर अंदाज किया उसकी हम सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा– नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। बजट में ज्यादा फोकस नार्थ ईस्ट को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है,

भाजपा संगठन की ताकत में विश्वास करती है– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी जिस मुकाम पर पहुंची है, उसका पूरा श्रेय पार्टी के कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन की ताकत में विश्वास करती है। उनका मानना है कि देश के जीवन में बदलाव लाने की असली ताकत संगठन से ही आती है।

महाशिवरात्रि पर्व आज, मंदिरों में उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब

उज्जैन (एजेंसी)। महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का अत्यंत पवित्र पर्व है, जिसे भगवान शिव की आराधना और रात्रि जागरण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। वर्ष 2026 में महाशिवरात्रि के दिन लगभग 12 घंटे तक भद्रा का प्रभाव रहने की संभावना है, जिसके कारण श्रद्धालुओं के मन में यह प्रश्न उठ रहा है कि शिव पूजा किस समय करना शुभ रहेगा।

महाशिवरात्रि पर पूजा के 6 मुहूर्त

सुबह के मुहूर्त

चर	सुबह 8.24	सुबह 9.48
लाभ	सुबह 9.48	सुबह 11.11
अमृत	सुबह 11.11	दोपहर 12.35

शाम का मुहूर्त

शुभ	शाम 6.11	रात 7.47
अमृत	शाम 7.47	रात 9.23
चर	रात 9.23	रात 10.59

मुंबई में बड़ा हादसा

मुलुंड में मेट्रो पिलर का हिस्सा गिरा, ऑटो और कार के उड़े परखच्चे

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मुलुंड (पश्चिम) इलाके में शनिवार दोपहर को एक बड़ा हादसा हुआ। इस हादसे में एक निर्माणाधीन मेट्रो पिलर का बड़ा हिस्सा गिरने से ऑटो और कार चकनाचूर हो गए। हादसे में 4 लोगों घायल हुए हैं। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 12.20 बजे हुआ जब यातायात सामान्य रूप से चल रहा था। अचानक पिलर का एक हिस्सा ढह गया, जिसकी चपेट में आकर ऑटो रिक्शा पूरी तरह पिचक गया। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका उपचार जारी है। हादसे की जानकारी मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस और मेट्रो प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं। मलबे को हटाने के लिए क्रेन की मदद ली गई।

रोहतक की एमडीयू में पहुंचे सीजेआई सूर्यकांत

● बोले- मेरा प्रोफेशनल करियर यहीं से शुरू हुआ, युवा अपनी क्षमता पर भरोसा करें

रोहतक (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को रोहतक पहुंचे। उनका हेलिकॉप्टर बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी में उतरा। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के जजों और डीसी ने यहां पर उनका स्वागत किया। बाद में वे कारों के काफिले में एमडीयू में पहुंचे और यहां एक गेट का उद्घाटन किया। इस दौरान सीजेआई ने युवाओं को संदेश दिया कि मेहनत और ईमानदारी से किसी भी शिखर को छुआ जा सकता है।

बता दें कि सूर्यकांत हरियाण के हिसार के गांव के रहने वाले हैं और उन्होंने एमडीयू से एलएलबी की है। वे आज यहां आकर उत्साहित दिखे। सीजेआई सूर्यकांत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कियह मेरी यूनिवर्सिटी है, जहां से मैंने लॉ (विधि) में एडमिशन लिया और लॉ पास करके मेरा जो लाइफ का प्रोफेशनल करियर था, उसकी शुरुआत इसी यूनिवर्सिटी से हुई।मुझे इस बात की बहुत ही प्रसन्नता है कि मैं आज इस यूनिवर्सिटी में भारत का मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद आ पाया हूं और कुछ पुरानी यादें यहां ताज़ा कर पाया हूं।

इमाम बोले-जहां वंदे मातरम् अनिवार्य, वहां से बच्चों को निकालें

उज्जैन (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 28 जनवरी को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक, अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम्' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा।मप्र उज्जैन के इमाम मुफ्ती सैय्यद नासिर अली नदवी ने इस आदेश को इस्लाम विरोधी बताया है। उन्होंने कहा- यह आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है। वंदे मातरम् में कहा गया है कि हिंदुस्तान की भूमि की हम पूजा करते हैं, लेकिन मुसलमान के लिए यह बिल्कुल भी सही नहीं है कि वह अल्लाह के साथ किसी और को शरीक कर अपनी पूजा में शामिल करे। वहां से अपने बच्चे निकाल लें।

केंद्र सरकार की बड़ी सौगात

दिल्ली-हरियाणा समेत 4 राज्यों में बिछेगा 389 किमी का नया रेल नेटवर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय के तीन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिनकी लागत लगभग 18,509 करोड़ रुपये है। इन प्रोजेक्ट्स में कसारा-मनमाड, दिल्ली-अंबाला और बल्लारी-होसपेटे के बीच तीसरी और चौथी लाइन बनाना शामिल है। केंद्र सरकार ने दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों को कवर करने वाली तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत 18,509 करोड़ रुपये है। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 389 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान– परियोजनाओं की योजना पीएम-गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान पर बनाई गई है, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

सीसीईए के बयान के अनुसार, ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क भी प्रदान करेंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 3,902 गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, जिनकी कुल आबादी लगभग 97 लाख है। बढ़ी हुई लाइन कैपेसिटी से मोबिलिटी में काफी बढ़ोतरी होगी, जिससे

भारतीय रेलवे की ऑपरेशनल एफिशिएंसी और सर्विस रिलायबिलिटी में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव ऑपरेशन को आसान बनाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए तैयार हैं।

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट के अवसर– सीसीईए ने एक बयान में कहा, ये प्रोजेक्ट्स पीएम मोदी के न्यू इंडिया के विजन के मुताबिक हैं, यह इलाके के लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे इलाके में बड़े पैमाने पर डेवलपमेंट होगा, जिससे उनके रोजगार/सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट के मौके बढ़ेंगे।

खास टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स पर भी फोकस

ये प्रोजेक्ट्स लोगों, सामान और सर्विस के आने-जाने के लिए आसान कनेक्टिविटी देंगे। प्रस्तावित कैपेसिटी बढ़ाने से देश भर के कई खास टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स तक रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिनमें भावली डैम, श्री घाटनदेवी, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, कटरा, श्रीनगर में श्री माता वैष्णो देवी, और हम्पी (एक यूनोस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट), बल्लारी फोर्ट, दारोजी स्लॉथ बेयर सैंक्चुरी, तुंगभद्रा डैम, केंचनगुड्डा, और विजया विट्ठल मंदिर जैसे खास अट्रैक्शन्स शामिल हैं।

माल धुलाई का ट्रैफिक होगा कम– सरकार के मुताबिक, प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स कोयला, स्टील, आयरन ओर, सीमेंट, लाइमस्टोन/बॉक्साइट, कंटेनर, अनाज, चीनी, फर्टिलाइजर और पीओएल वगैरह जैसी चीजों के ट्रांसपोर्टेशन के लिए जरूरी रास्ते हैं। इसके अलावा, कैपेसिटी बढ़ाने के काम से 96 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति साल) का एक्स्ट्रा माल ढुलाई ट्रैफिक होगा।

हिमाचल में बड़ा सड़क हादसा

कार खाई में गिरी, दो महिलाओं समेत चार की मौत, एक घायल

देहरादून (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के भावानगर उपमंडल में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल है। घायल का छोल्टू अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 7-00 बजे जानी संपर्क मार्ग पर हादसा हुआ। टापरी से जानी जा रही कार अचानक जानी संपर्क मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के समय गाड़ी में पांच लोग सवार थे, जिनमें से चार की मौके पर ही मौत हो गई। एक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

वेलेंटाइन-डे पर प्रेमी ने प्रेमिका की गोली मारकर हत्या की,फिर खुद जान दी

नोएडा में कार के अंदर मिलीं लाशें

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में वेलेंटाइन-डे के दिन प्रेमी ने प्रेमिका की कार में गोली मारकर हत्या कर दी, फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। देखा तो कार अंदर से लॉक थी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने टाटा अल्ट्रोज कार का शीशा तोड़कर देखा तो आगे की सीट पर दोनों के शव पड़े थे। दोनों के सिर में गोली लगी थी। युवक के हाथ में पिस्टल थी। बगल में दो खोखे पड़े थे। प्रेमी-प्रेमिका शुक्रवार से घर से लापता थे। 26 साल की प्रेमिका रेखा नोएडा के सलारपुर की रहने वाली थी, जबकि 32 साल का प्रेमी सुमित दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला था। वह मंडल स्तर का क्रिकेटर था। बताया जा रहा है कि दोनों का 15 साल से अफेयर चल रहा था। शादी करने वाले थे, लेकिन किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया।

इसके बाद शुक्रवार को सुमित ने रेखा को मैसेज भेजा- मैं मरने जा रहा हूं। इसकी जिम्मेदार रेखा है। वह मेरे साथ 15 साल रही। वादा किया था कि मुझसे शादी करेगी, लेकिन अब वह किसी और से शादी करने जा रही है। मुझे रेखा ने

धोखा दिया है। इसलिए मैं सुसाइड कर रहा हूं।

इसके बाद वह कार लेकर घर से लापता हो गया। लड़की भी घर से लापता हो गई। उसके परिजनों ने शुक्रवार को सेक्टर-58 थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। आज दोपहर डेढ़ बजे दोनों के शव थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में मिले।

प्रेमिका के लिए 1 करोड़ का फ्लैट खरीदा था

सुमित के पिता राजीव दिल्ली एमसीडी में कार्यरत हैं। रेखा और सुमित की स्कूलिंग साथ हुई थी। रेखा का सुमित के घर आना–जाना था। लड़के के परिजनों का कहना है कि दोनों का 15 साल से अफेयर चल रहा था और वे जल्द ही शादी करने वाले थे। सुमित ने रेखा के लिए एक फ्लैट भी खरीदा था, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। परिजनों का आरोप है कि लड़की के परिजनों ने उसे बेटे के खिलाफ भड़का दिया था, जिसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई थी। कल दोपहर 3-39 बजे सुमित ने लड़की के मोबाइल पर मैसेज भेजा था, जिसमें लिखा था कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। इसके बाद वह कार लेकर घर से निकल गया। रात तक वापस नहीं आया। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। आज दोपहर उन्हें सूचना मिली कि उसका शव मिला।

यूपी में एक करोड़ महिलाओं की पेंशन राशि बढ़ेगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानमंडल में बजट सत्र का आज 5वां दिन है। राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए सीएम योगी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम 1.06 करोड़ निराश्रित महिलाओं को पेंशन दे रहे हैं। अभी उन्हें 12 हजार सलाना मिलता है। जल्द ही हम इसे बढ़ाने वाले हैं। परसों (आज 15 फरवरी) इसका ऐलान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना कर देंगे। सीएम के इस ऐलान के बाद महिलाओं, वृद्धों और दिव्यांगजनों की पेंशन 1000 हजार रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपए होगी। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में भी इसकी घोषणा की थी।इससे पहले सीएम ने वंदे मातरम का जिक्र किया। कहा- सपा और कांग्रेस के सांसदों ने वंदे मातरम का विरोधा किया। लेकिन वंदे मातरम का अपमान कोई नहीं कर सकता। ये हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे। ऐसे लोगों को यहां रहने का अधिकार नहीं है। जो इसका विरोध करता है, उसका कान पकड़कर बाहर करना चाहिए।

धमतरी में हाईवे पर कार की ट्रक से भीषण टक्कर

चार जवानों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

धमतरी (एजेंसी)। धमतरी जिले के नेशनल हाईवे-30 पर खपरी के पास एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई है। वहीं, एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। बताया गया कि मृतक और घायल जवान 201 कोबरा बटालियन के हैं। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। मिली जानकारी के अनुसार, सभी जवान कार में सवार होकर जगदलपुर से रायपुर की ओर जा रहे थे। तभी आज सुबह खपरी के पास जवानों की कार पहुंची और सड़क किनारे खड़ी ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पूरी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क हादसा होते देख आसपास के लोगों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी।

दिल्ली की युवा शक्ति के आत्मविश्वास और सामर्थ्य का उत्सव है दिल्ली खेल महाकुंभ : रेखा गुप्ता

–दिल्ली में शुरू हुआ 'खेलो दिल्ली–दिल्ली खेल महाकुंभ', युवाओं को मिलेगा बड़ा मंच

–राजधानी को देश की स्पोर्ट्स कैपिटल बनाने की दिशा में एक जनआंदोलन है : आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार द्वारा राजधानी के खेल इतिहास में एक भव्य और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ा गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज छत्रसाल स्टेडियम में 'खेलो दिल्ली- दिल्ली खेल महाकुंभ' का भव्य शुभारंभ किया। यह दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित पहला राज्य स्तरीय मेगा स्पोर्ट्स फेस्टिवल है, जिसे राजधानी की सबसे बड़ी जमीनी स्तर की खेल पहल के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली खेल महाकुंभ के आधिकारिक मैस्कॉट का नाम 'रनवीर' रखा गया है, का भी अनावरण किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न से प्रेरित यह मेगा स्पोर्ट्स फेस्टिवल 'खेलो इंडिया मिशन' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' की तर्ज पर दिल्ली सरकार की दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना और दिल्ली को एक सशक्त स्पोर्ट्स हब के रूप में स्थापित करना है। यह आयोजन दिल्ली में खेल संस्कृति के पुनर्जागरण का महापर्व है और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। युवाओं को प्रेरित करने और खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए ओलंपिक पदक विजेता एवं खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित दहिया, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरशिखर धवन और पैरा ओलंपिक पदक विजेताशरद कुमार को 'दिल्ली खेल महाकुंभ' का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य गणमान्य अतिथियों ने ओपन जीप में स्टेडियम का दौरा कर खिलाड़ियों और उपस्थित दर्शकों का अभिवादन किया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक क्षण तब आया जब सीडब्ल्यूएसएन खिलाड़ी, स्कूल बैंड, नासिक ढोल और दिल्ली के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं खेल संघों के 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने भव्य मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत भी किया गया। साथ ही सिंगर परमिश वर्मा की शानदार प्रस्तुति ने भी पूरे वातावरण को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्रीआशीष सूद, डिप्टी स्पीकरमोहन सिंह बिष्ट , खेल जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राजधानी के युवाओं की ऊर्जा, सपनों और संभावनाओं का महोत्सव है।यह आयोजन दिल्ली के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें सही मंच देने की आवश्यकता थी। दिल्ली खेल महाकुंभ उस दिशा में ऐतिहासिक कदम है, जो आने वाले समय में लाखों खिलाड़ियों के भविष्य को नई दिशा देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के गठन के बाद दिल्ली को विकास की नई दिशा देने के साथ-साथ लाखों युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि लगभग तीन दशकों से लंबित खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि, जिसे पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा जारी नहीं किया गया था, वर्तमान सरकार ने वितरित करते हुए अब तक लगभग रू.33 करोड़ की राशि खिलाड़ियों को प्रदान की है।

उन्होंने यह भी बताया कि सरकार की नई खेल नीति के अंतर्गत ओलंपिक या पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को रू.7 करोड़, रजत पदक पर रू.5 करोड़ तथा कांस्य पदक पर रू.3 करोड़ की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले

खिलाड़ियों को प्रति वर्ष रू.20 लाख की सहायता प्रदान की जाएगी। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे विद्यार्थियों को रू.5 लाख की आर्थिक सहायता तथा रू.10 लाख तक का जीवन बीमा भी उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार दिल्ली में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत नए स्टेडियमों का निर्माण, आधुनिक खेल मैदानों का विकास, उन्नत उपकरणों की उपलब्धता, प्रशिक्षित कोचों की नियुक्ति और बेहतर सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह है कि दिल्ली के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेते समय किसी भी प्रकार की संसाधन संबंधी कमी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्रीआशीष सूद ने कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ 2025-26 राष्ट्रीय राजधानी को देश की स्पोर्ट्स कैपिटल बनाने की दिशा में एक जनआंदोलन है। उन्होंने इसे दिल्ली के खेल जगत में ÷नए सवेरा÷ की शुरुआत बताते हुए कहा कि अब हर स्थानीय अखाड़ा और प्रत्येक मोहल्ला स्टेडियम वैश्विक स्तर के चैंपियनों की तैयारी का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली केवल खेलों में वापसी नहीं कर रही है, बल्कि खेलों में नेतृत्व करने की तैयारी कर रही है। सरकार खेल तंत्र, स्टेडियम अवसंरचना और खिलाड़ियों के समर्थन तंत्र को मिलकर सुदृढ़ कर रही है, ताकि दिल्ली फिर से खेले, प्रतिस्पर्धा करे और विजयी बने। उन्होंने आगे कहा कि खेल संस्कृति एक सशक्त शहर का निर्माण करने के लिए महत्वपूर्ण स्तम्भ होता है। सरकार फिटनेस, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना में निवेश कर रही है, और उन्हें विश्वास है कि दिल्ली की वापसी अब हर खेल मैदान पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।

खेलो दिल्ली: दिल्ली खेल महाकुंभ- एक झलक

एक माह तक चलने वाला यह भव्य खेल महोत्सव दिल्ली के 17 प्रमुख स्टेडियमों और खेल परिसरों में आयोजित किया जाएगा, जिनमें छत्रसाल स्टेडियम, राजीव गांधी स्टेडियम (बवाना एवं सिंघु), प्रह्लादपुर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, त्यागराज स्टेडियम, ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नजफगढ़, विकासपुरी, द्वारका, पीतमपुरा, कैर, पूठ कलां, मुंडेला, बख्तावरपुर, मित्राऊं तथा नेशनल स्टेडियम सहित अन्य प्रमुख स्थल शामिल हैं। यह आयोजन न केवल प्रतियोगिताओं का मंच बनेगा, बल्कि दिल्ली की खेल अवसंरचना के समग्र आकलन का अवसर भी प्रदान करेगा।

सात प्रमुख खेल, हजारों प्रतिभाएं

एथलेटिक्स, फुटबॉल, कुश्ती, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी और स्क्वैश–इन सात खेलों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। स्कूलों, कॉलेजों, दिल्ली विश्वविद्यालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, खेल अकादमियों, पंजीकृत क्लबों और ओपन कैटेगरी के खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। अब तक 16,000 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जिसे बढ़ाकर 30,000 और भविष्य में प्रतिवर्ष एक लाख ग्रासरूट खिलाड़ियों तक ले जाने का लक्ष्य है।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर

महिला खिलाड़ियों की भागीदारी को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उनकी सुरक्षा और सुविधाओं के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक बेटियाँ खेलों में आगे बढ़ें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नई मिसाल स्थापित करें।

खेल प्रतिभाओं को योग्य सम्मान

इस खेल महोत्सव की एक और विशेषता इसका आकर्षक पुरस्कार ढांचा है, जो देश के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार संरचनाओं में से एक है। टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक विजेता को रू.1,75,000, रजत पदक विजेता को 1,51,000 रुपये और कांस्य पदक विजेता को रू.1,31,000 की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जबकि व्यक्तिगत स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः रू.11,000, रू.9,000 और रू.7,000 की राशि प्रदान की जाएगी।

एक वर्ष में कोई वादा पूरा नहीं, सरकार जश्न की तैयारी में : भारत सिंह राघव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजादपुर ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष भारत सिंह राघव ने आरोप लगाया कि रेखा गुप्ता सरकार अपने एक वर्ष के कार्यकाल का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है, जबकि विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों में से एक भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि यह उत्सव किस उपलब्धि के लिए मनाया जा रहा है।भारत सिंह राघव ने कहा कि बीते एक सप्ताह में दो बड़े हादसों में दो लोगों की जान गई, जिसे उन्होंने सरकार की लापरवाही का परिणाम बताया। उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में जश्न की तैयारी करना जनता की भावनाओं के साथ न्याय नहीं है।उन्होंने आरोप लगाया कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद रेखा गुप्ता दिल्ली की महिलाओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिलाओं को मासिक सहायता राशि, रसोई गैस सिलेंडर कम कीमत पर उपलब्ध कराने तथा पर्वों पर नि :शुल्क सिलेंडर देने जैसे वादे किए गए थे, किंतु एक वर्ष बीतने के बाद भी कोई वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली में महिलाओं के विरुद्ध अपराध की घटनाओं में कमी आने के बजाय वृद्धि हो रही है और कानून व्यवस्था कमजोर पड़ गई है। भारत सिंह राघव ने कहा कि सरकार बीते एक वर्ष से विकास परियोजनाओं और कल्याणकारी योजनाओं को लेकर बयान देती रही है, परंतु ऐसी कोई ठोस योजना लागू नहीं हुई जो सीधे जनता तक पहुंची हो।उनका आरोप है कि राजधानी का आधारभूत ढांचा कमजोर हो चुका है और स्वास्थ्य, शिक्षा तथा परिवहन जैसी प्राथमिक सेवाएं प्रभावित हैं। अस्पतालों में इलाज के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है, शिक्षा का स्तर गिर रहा है और सड़कों पर बसों की संख्या कम होने से लोगों को लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और दिल्ली सरकार महंगाई तथा बेरोजगारी पर नियंत्रण करने में असफल रही है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों को भी प्रभावित किया है।

जहांगीरपुरी के खुले नालों की सफाई और ढकने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आई एवं जे ब्लॉक के अध्यक्ष तथा जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम.एल. भास्कर ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को पत्र लिखकर जहांगीरपुरी क्षेत्र की गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया है।श्री भास्कर ने पत्र में उल्लेख किया है कि जहांगीरपुरी लाल बत्ती से बाबू जगजीवन राम अस्पताल तक स्थित बड़े नाले लंबे समय से खुले पड़े हैं।इन खुले नालों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। आवारा पशु और राहगीर नालों में गिरकर घायल हो रहे हैं, जिससे उनकी जान को खतरा बना रहता है। उन्होंने जनहित में मांग की है कि इन नालों की शीघ्र सफाई कर समुचित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सुरक्षा की दृष्टि से नालों को तत्काल ढकने की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना रोकी जा सके और क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 7 मार्च से

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता प्रशिक्षण महाअभियान सात मार्च से दिल्ली सहित देशभर में प्रारंभ होगा।इस संदर्भ में दिल्ली भाजपा की शनिवार को एक व्यवस्था बैठक प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अध्यक्षता में की गई।बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि देशभर में भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 प्रारंभ होगा। इसका ध्येय है सक्षम कार्यकर्ता सशक्त संगठन। शिवप्रकाश ने प्रशिक्षण की आवश्यकता व कार्यकर्ताओं से संगठन की अपेक्षाओं को अपेक्षित श्रेणियों के 132 कार्यकर्ताओं को समझाया।बैठक के विभिन्न सत्रों को प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, जम्मू-कश्मीर में विधायक देवेन्द्र कुमार मणियाल ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि भाजपा ने 14 विषयों पर कार्यकर्ता प्रशिक्षण निश्चित किया है।सचदेवा ने कहा कि केंद्रीय दल की योजना के अंतर्गत 7 मार्च से 14 अप्रैल के बीच दिल्ली के सभी 256 संगठन मंडलों में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन होगा।इसके बाद सभी जिलों व प्रदेश स्तर पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित होंगे।

विशेषाधिकार समिति ने पंजाब से 20 तक मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने नेता प्रतिपक्ष की कथित अपमानजनक टिप्पणी मामले में सख्त रुख अपनाया है।समिति ने पंजाब सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, पुलिस आयुक्त, जालंधर को निर्देश दिया है कि वे आतिशी से संबंधित कथित टिप्पणियों के मामले में अपना लिखित उत्तर 20 फरवरी तक अनिवार्य रूप से पेश करें। समिति ने स्पष्ट किया है कि यह तिथि अंतिम अवसर के रूप में मानी जाएगी। इसके बाद कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। समिति ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह), पंजाब सरकार से इस प्रकरण से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज भी मांगे हैं। इनमें शिकायत की प्रति एवं उसके संलग्नक, एफआईआर की प्रति, पंजाब की फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की रिपोर्ट शामिल हैं। समिति ने निर्देश दिया है कि सभी जवाब और दस्तावेज निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत किए जाएं, ताकि नियमों के अनुसार उन पर विचार किया जा सके। समय पर जानकारी उपलब्ध न कराने की स्थिति में इसे विशेषाधिकार हनन एवं अवमानना के रूप में देखा जा सकता है।क्या है मामला ज्ञात हो कि दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सिख गुरुओं को लेकर की गई कथित टिप्पणी पर जमकर हंगामा हुआ था।इस संबंध में एक वीडियो भी सोशल माध्यमों पर जारी किया गया था।जिसे लेकर पंजाब के जलंधर में एफआईआर दर्ज की गई थी।पंजाब पुलिस ने फोरेंसिक जांच के बाद कहा था कि वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई थी।इस पूरे मामले को लेकर दिल्ली विधानसभा की ओर से पंजाब पुलिस और अधिकारियों से जवाब मांगा गया था। जल्द उत्तर देने का आश्वासन दिया उल्लेखनीय है कि 12 फरवरी को पंजाब सरकार के कार्यालय की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया कि 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा सचिवालय से भेजे गए पत्र से पहले इस मामले में कोई प्रत्यक्ष संप्रेषण प्राप्त नहीं हुआ था।

मूंडका में 52 महिलाओं को उज्ज्वला योजना के गैस कनेक्शन वितरित

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत मूंडका विधानसभा क्षेत्र में जिला अध्यक्ष गुरु चरण एवं राजबाला के सहयोग से विधायक गजेंद्र दराल के कार्यालय में 52 पात्र महिलाओं को रसोई गैस कनेक्शन, चूल्हा, नियामक, पाइप तथा भरा हुआ गैस सिलेंडर प्रदान किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व उपमहापौर एवं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अध्यक्ष राजकुमार ढिल्लो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार और देश के अमर शहीदों के सपनों को साकार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जब तक देश की बहनें स्वस्थ और आत्मनिर्भर नहीं होंगी, तब तक भारत के विकसित और सशक्त बनने का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता। रसोई को धुएं से मुक्त कर महिलाओं के स्वास्थ्य की रक्षा करना और उन्हें स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं गरीबों के हित में बनाई जा रही हैं, ताकि प्रत्येक नागरिक आत्मनिर्भर बन सके। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश प्रजापति ने भी संदेश भेजकर लाभार्थी महिलाओं को शुभकामनाएं दीं और पर्वों पर मिलने वाले निःशुल्क भरे हुए गैस सिलेंडर के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर राम मोहन, सुनील कश्यप, मुख्य स्वयंसेवक खुशबू शर्मा, विधायक प्रतिनिधि अनिल दराल, सुनीता, संगीता शर्मा, आशा तिवारी, मंडल अध्यक्ष योगेश वर्मा, अंजना, गैस एजेंसी संचालक परम राठी, सविता सिंह, रक्षा शर्मा, पिंकी, बनिता जेना सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री से निगम के एमटीएस कर्मियों ने की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से आज दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) कर्मियों ने मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में मुलाकात की। इस अवसर पर कर्मियों ने वेतन वृद्धि के निर्णय पर सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार 'कर्मयोगी के सम्मान' को सुशासन का मूल मंत्र मानकर कार्य कर रही है। हमारे लिए हर कर्मचारी केवल व्यवस्था का हिस्सा नहीं, बल्कि विकसित दिल्ली के निर्माण का आधार स्तंभ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सेवा में समर्पित इन कर्मयोगियों का सम्मान और सशक्तिकरण, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस अवसर पर दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, स्टैंडिंग कमेटी की अध्यक्ष सत्या शर्मा, एमसीडी के नेता सदन प्रवेश वाही उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है एमसीडी ने अपने बजट से एक दिन पहले गुरुवार को सभी एमटीएस कर्मचारियों के लिए समान वेतन को मंजूरी दी। इस फैसले से लगभग 4,000 कर्मचारियों को लाभ होगा। इसके लिए 50 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। निगम के 12 जोन में से छह जोन में काम करने वाले कर्मियों को प्रति माह 27,000 मिलते हैं, जबकि शेष जोन में काम करने वालों को न्यूनतम मजदूरी मानदंडों के अनुसार 17,000 और 19,000 के बीच भुगतान किया जाता है। इस फैसले के बाद अब सभी को एक समान वेतन मिलेगा।

हरित क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए डीडीए ने किए कई करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सतत शहरी विकास के अगले चरण को आकार देने और हरित दिल्ली के प्रति प्रतिबद्धता दिखाने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शनिवार को बांसेरा में पहले डीडीए ग्रीन एक्सपो का उद्घाटन किया। दो दिवसीय एक्सपो, जिसका विषय 'बियॉन्ड ग्रोथ÷ रीइमेजिनिंग अर्बन फ्यूचर्स' है, वरिष्ठ सरकारी नेता, शहरी योजनाकार, जलवायु विशेषज्ञ और उद्योग हितधारक सब एक ही मंच पर हैं। इसके अलावा, विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो दिल्ली के सार्वजनिक स्थानों के भविष्य में एक परिवर्तनकारी क्षण का प्रतीक है। राष्ट्रीय राजधानी में हरित क्षेत्रों को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए एलजी ने डीडीए ग्रीन्स लोगो और डीडीए ग्रीन्स ईयर बुक 2026 का भी अनावरण किया। ग्रीन एक्सपो का उद्घाटन करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि 'यह एक्सपो दिल्ली के लिए हरित, स्वस्थ और अधिक आशाजनक भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है उन्होंने कहा कि यह एक्सपो न केवल सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के बारे में है, बल्कि लोगों के बारे में भी है। यह हजारों दिल्ली निवासियों को सम्मानित करता है, जो अपने घरों के बाहर छोटे ग्रीन पैच का पोषण करते हैं, जो अपने बच्चों को स्थानीय पक्षियों के बारे में सिखाते हैं, जो पौधे लगाते हैं और उनकी देखभाल करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'वे हमारी पर्यावरणीय यात्रा के दैनिक नायक हैं। उन्होंने कहा कि 3 साल पहले किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह खराब और प्रदूषित स्थल 'ग्रीन एक्सपो' की मेजबानी करेगा और दिल्ली के लिए एक स्थायी भविष्य के निर्माण हेतु एक मंच बन जाएगा। उन्होंने कहा कि यह ग्रीनिंग का और खराब भूमि को पुन÷प्राप्त करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, बांसेरा लचीलेपन और प्रयास का प्रमाण है, उन्होंने यह भी कहा कि यह एक्सपो दिल्ली की पर्यावरणीय चुनौतियों पर विचार करता है और व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है। डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवन कुमार ने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण की भूमिका को अक्सर मास्टर प्लानर, डेवलपर और रेगुलेटर के रूप में देखा जाता है। हालांकि, इन जिम्मेदारियों के साथ-साथ, डीडीए की दिल्ली के पर्यावरणीय ट्रस्टी होने की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और जवाबदेह भूमिका भी है। जबकि दो दिवसीय एक्सपो सतत शहरी विकास पर विचार-विमर्श करने के लिए नीति निर्माताओं, योजनाकारों, जलवायु विशेषज्ञों और उद्योगपतियों को एक साथ लाता है, इसका मुख्य आकर्षण कार्यनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर करना था जो यह फिर से परिभाषित करेगा कि डीडीए पार्क शहर में कैसे कार्य करते हैं।

शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट बंद, सरकार पर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिसंबर 2025 से शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट बंद पड़ी है, जबकि 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं निकट हैं।वेबसाइट बंद होने से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम सहित आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं हो पा रही है और अतिथि शिक्षकों को पिछले तीन महीनों से वेतन नहीं मिला है।उन्होंने आशंका जताई कि निजी विद्यालयों में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के प्रवेश में गड़बड़ी को छिपाने के लिए भी वेबसाइट बंद रखी गई हो सकती है, क्योंकि प्रवेश सूची शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी की जाती है।देवेन्द्र यादव ने कहा कि वेबसाइट ठप होने से अतिथि शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति, विद्यालयों के खर्चों का वित्तीय सत्यापन, प्रशासनिक और वित्तीय कार्य पूरी तरह बाधित हैं।आधिकारिक परिपत्र, आदेश और नीतिगत निर्णय भी उपलब्ध नहीं हैं।कर्मचारियों की उपस्थिति से लेकर बजट स्वीकृति तक की पूरी प्रक्रिया वेबसाइट के माध्यम से होती है, ऐसे में इसके बंद रहने से सरकारी विद्यालयों का कामकाज प्रभावित हो रहा है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 10 फरवरी को दिलशाद गार्डन और मानसरोवर गार्डन स्थित सर्वोदय विद्यालयों में नए शैक्षणिक खंडों तथा 101 अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं का उद्घाटन करते हुए शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और डिजिटल बनाने की बात कही थी, लेकिन लंबे समय से वेबसाइट बंद रहना सरकार के डिजिटल विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि दिल्ली की सरकार ने लगभग 23 से 24 हजार अतिथि और अनुबंधित शिक्षकों के भरोसे शिक्षा व्यवस्था छोड़ रखी है। सरकारी विद्यालयों में 10 हजार पदों की आवश्यकता बताई गई, किंतु केवल 6787 पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की गई, जो प्रशासनिक कारणों से बाधित है।उन्होंने कहा कि हजारों अतिथि शिक्षक स्थायी कर्मचारियों के समान कार्य कर रहे हैं, फिर भी उन्हें नाम मात्र का मानदेय दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पिछली आम आदमी पार्टी सरकार और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी सरकार, दोनों ने अनुबंधित शिक्षकों को स्थायी करने का वादा किया था, लेकिन अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में एक भी अस्थायी शिक्षक को स्थायी नहीं किया गया।देवेन्द्र यादव ने मांग की कि रेखा गुप्ता सरकार अपने वादे को निभाते हुए अनुबंधित शिक्षकों को स्थायी नियुक्ति दे, क्योंकि वे लंबे समय से कर्तव्यनिष्ठा के साथ विद्यार्थियों को शिक्षा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से कारीगरों को मिलेगा नया संबल : विनीत जैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिला के मीडिया संयोजक विनीत जैन ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार प्रत्येक वर्ग के लिए लाभकारी योजनाएं निरंतर बना रही है, जिनसे लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।इसी क्रम में सरकार ने खादी, हस्तकरघा, कुटीर उद्योग तथा असंगठित क्षेत्र से जुड़े हजारों कारीगरों के लिए 'मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना' को स्वीकृति प्रदान की है।विनीत जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मानना है कि दिल्ली के कारीगर वर्षों से अपने हुनर से समाज को समृद्ध करते आए हैं, किंतु बदलते समय के साथ उन्हें आधुनिक प्रशिक्षण और बाजार से सीधा जुड़ाव आवश्यक है। यह योजना सुनिश्चित करेगी कि कारीगर आधुनिक कौशल और डिजिटल बाजार तक पहुंच के माध्यम से न केवल अपने कार्य को जारी रखें, बल्कि उन्नति भी करें।योजना को दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के माध्यम से लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में लगभग साढ़े तीन हजार लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके लिए सरकार ने 8.95 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।वहीं वर्ष 2026-27 के लिए 57.50 करोड़ रुपये की अनुदान राशि प्रस्तावित किए जाने की संभावना है।योजना की शुरुआत ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत लगभग 18 हजार दर्जियों से की जाएगी और बाद में अन्य पारंपरिक व्यवसायों तक इसका विस्तार होगा।इसमें दर्जी, कढ़ाईकार, परिधान निर्माता, कुम्हार, बढ़ई, मोची, टोकरी व चटाई निर्माता, इत्र निर्माता, बांस उत्पाद निर्माता, नाई, माला बनाने वाले, धोबी, मछली जाल निर्माता और कालीन बुनकर सहित अनेक पारंपरिक व्यवसाय शामिल होंगे। प्रशिक्षण के उपरांत लाभार्थियों को पैर से चलने वाली सिलाई मशीन सहित आवश्यक औजार उपलब्ध कराए जाएंगे।प्रत्येक कारीगर की जानकारी, चित्र और उत्पाद विवरण के साथ एक ई-कैटलॉग तैयार कर उसे मुक्त डिजिटल वाणिज्य नेटवर्क मंच पर अपलोड किया जाएगा, जिससे उनके उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक बाजार तक पहुंच मिल सकेगी।विनीत जैन ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को 12 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें दो दिन का उद्यमिता विकास कार्यक्रम भी शामिल होगा। प्रत्येक बैच में लगभग 35 से 45 प्रशिक्षु शामिल किए जाएंगे।उन्होंने कहा कि यह योजना कारीगरों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने आईजीआई हवाई अड्डा पर 120 मिस्ट स्प्रे सिस्टम का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट परिसर में जीएमआर द्वारा स्थापित 120 मिस्ट स्प्रे सिस्टम का उद्घाटन किया। यह पहल राजधानी में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और यात्रियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, बिजवासन के विधायक कैलाश गहलोत, जीएमआर ग्रुप के निदेशक नारायण राव काड़ा मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार पहले ही राजधानी की प्रमुख सड़कों और 143 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम स्थापित कर चुकी है। साथ ही, रियल-टाइम मॉनिटरिंग नेटवर्क का विस्तार 46 मेट्रो स्टेशनों तक किया गया है, जो देश में किसी भी शहर का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इसके अलावा, 'वायु रक्षक' पहल के माध्यम से प्रदूषण मानकों के सख्त अनुपालन को सुनिश्चित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली एयरपोर्ट को देश का सबसे व्यस्त राष्ट्रीय राजधानी एयरपोर्ट बताते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में 100 मिलियन यात्रियों का आंकड़ा पार कर यह विश्व के पांचवें सबसे बड़े एयरपोर्ट के रूप में स्थापित होगा। एयरपोर्ट पर स्थापित मिस्ट सिस्टम यात्रियों को बेहतर वायु गुणवत्ता का अनुभव कराएगा और राजधानी की पर्यावरणीय छवि को मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मिस्ट सिस्टम का विस्तार 600 पोल्स तक किया जाएगा, जिससे एयरपोर्ट और उसके आसपास के क्षेत्रों में धूल नियंत्रण और अधिक प्रभावी होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार 2029 तक सार्वजनिक बस बेड़े को पूरी तरह इलेक्ट्रिक करने, मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, शहरभर में 1,000 से अधिक वाटर स्प्रिंकलर तैनात करने और निर्माण स्थलों पर एआई आधारित डस्ट मॉनिटरिंग लागू करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से न केवल प्रदूषण में प्रभावी कमी आएगी, बल्कि दिल्ली को देश के सबसे रहने योग्य शहरों में शामिल करने का लक्ष्य भी साकार किया जा सकेगा। उन्होंने दोहराया कि दिल्ली को साफ हवा, ग्रीन ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल ग्रोथ के मार्ग पर आगे बढ़ाना ही सरकार का लक्ष्य है और इस दिशा में निरंतर कार्य जारी रहेगा।

हर हर महादेव के उद्घोष से आज गूंजेंगे शिवालय, एडिशनल सीपी राज करन ने किया श्रीदूधेश्वरनाथ मन्दिर का निरिक्षण

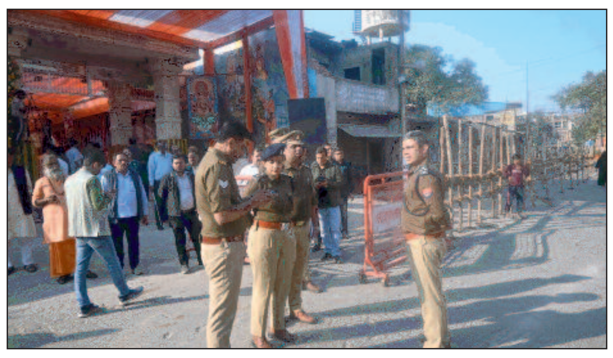

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महाशिवरात्रि को लेकर शिवालियों में तैयारियां पूरी हो चुकी है। गाजियाबाद के प्रसिद्ध श्रीदूधेश्वर नाथ मंदिर में महाशिवरात्रि को लेकर कई दिन पहले से ही तैयारी शुरू हो चुकी थी। मंदिर में लाखों की तालाब में श्रद्धालु जलाभिषेक करने के लिए पहुंचते है। उनकी सुरक्षा को लेकर पुलिस के आला अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे है। शनिवार को राज करन नैय्यर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं यातायात ने पुलिस बल के साथ श्रीदूधेश्वरनाथ मन्दिर का निरिक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को अलर्ट रहने के आदेश दिए। मंदिर परिसर में सुरक्षा को लेकर 550 पुलिस कर्मियों की तनाती की गई है। इसके अलावा एसीपी, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर भी सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए 58 सीसीटीवी कैमरे भी मंदिर के अंदर और बाहर लगाए गए है। सीसीटीवी की मॉनिटरिंग पुलिस और मंदिर समिति की टीम कर रही है। श्रीदूधेश्वरनाथ मन्दिर में रात्रि 12 बजे से जलाभिषेक होना शुरू हो जाएगा। सबसे पहले श्रीदूधेश्वरनाथ मन्दिर के महंत श्री नारायण गिरी जी महाराज जलाभिषेक करेंगे और उसके बाद भक्त भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकेंगे। मंदिर में भक्तों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ड्रोन कैमरे से भी निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा मंदिर परिसर के आसपास के क्षेत्र में डॉग स्क्वॉड के साथ एसीपी कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय और थाना अध्यक्ष कोतवाली सचिन कुमार ने निरीक्षण किया। वही जाम की समस्या को देखते हुए मंदिर के रास्तों पर रुड डायवर्जेंट किया गया है, जिससे मंदिर जाने वाले रास्तों को जाम मुक्त रखा जा सके।

भक्तिरस और रंगोत्सव में डूबा होली महोत्सव, हनुमान बाबा के पदों पर देर तक झूमते रहे श्रद्धालु

मुरादनगर (शिखर समाचार) नगर में श्याम परिवार सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे भक्तमाल कथा उत्सव के चतुर्थ दिवस पर भव्य होली महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पूरा कथा पंडाल भक्ति, रंग और उल्लास के वातावरण से सराबोर दिखाई दिया। भजन, पद और होली रसिया के गायन के साथ श्रद्धालु देर तक झूमते रहे और जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। कथावाचक हनुमान बाबा बरसाना धाम ने होली के रसपूर्ण पदों और ब्रज की परंपरागत होली गायन से भक्तों को भावविभोर कर दिया। उन्होंने आज बिरज में होली रे रसिय, जानकी खेलन होरी पिय के संग चली, लाडली ललचत है मन मेरो, ब्रज के नंदलाला, राधाजू के सांवरिया, सब दुख दूर हुए, जब तेरा नाम लिया, ऐसो चटक मटक सो ठाकुर, तीनों लोकन में हु नाय, मेरो मन लगा बरसाने में, जहां बिराजे राधा रानी और नाथ मोहे ब्रज की कीजो मोर जैसे पदों का भावपूर्ण गायन किया। जैसे ही पदों की धुन तेज हुई, श्रद्धालु खड़े होकर नृत्य करने लगे और भक्ति में लीन नजर आए। कथा स्थल पर राधे राधे और श्याम के जयघोष लगातार गूंजते रहे। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने रंग गुलाल के साथ भक्ति होली का आनंद लिया। मंच के सामने श्रद्धालुओं की भीड़ देर तक डटी रही और सभी ने पदों के साथ सुर मिलाया। आयोजन स्थल को फूलों और रंगों से सजाया गया था, जिससे वातावरण और अधिक आकर्षक बन गया। अपने प्रवचन में हनुमान बाबा ने कहा कि ब्रज की होली केवल रंग खेलने का पर्व नहीं है, बल्कि प्रेम, भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश देने वाला उत्सव है। होली हमें मन के विकारों को दूर कर प्रेम और भक्ति के रंग में रंगने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि राधा कृष्ण की लीलाओं का स्मरण और नाम संकीर्तन से जीवन में सकारात्मकता आती है और मन निर्मल होता है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि भक्तमाल कथा उत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम, भजन संध्या और प्रसाद वितरण किया जा रहा है। दूर-दराज से भी श्रद्धालु कथा सुनने पहुंच रहे हैं। समिति ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए अंत में भंडारे का प्रसाद वितरित किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

मोदीनगर में राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप का समापन, सीनियर महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट ट्रॉफी से सम्मानित हुईं ओलंपियन मीराबाई चानू

मोदीनगर (शिखर समाचार) मोदीनगर में आयोजित राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप के समापन दिवस पर सीनियर महिला वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर ओलंपियन मीराबाई चानू को सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उनके शानदार प्रदर्शन ने प्रतियोगिता का आकर्षण बढ़ा दिया और दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। मंच पर उपस्थित अतिथियों ने उन्हें ट्रॉफी और प्रशस्ति चिह्न देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए बेहतर परिणाम दर्ज किए। सीनियर महिला वर्ग में मुकाबले बेहद प्रतिस्पर्धी रहे, लेकिन सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट के आधार पर मीराबाई चानू ने शीर्ष स्थान प्राप्त कर विशेष सम्मान हासिल किया। उनके तकनीकी कौशल और संतुलित लिफ्ट को निर्णायकों ने सबसे बेहतर माना। चैंपियनशिप में यूथ, जूनियर और सीनियर वर्गों में टीम स्पधाएं भी आयोजित की गईं, जिनमें अलग-अलग राज्यों और खेल बोर्डों की टीमों ने भाग लिया। यूथ पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र विजेता और तमिलनाडु उपविजेता रहा। यूथ महिला वर्ग में आंध्र प्रदेश विजेता तथा महाराष्ट्र उपविजेता घोषित किया गया। जूनियर पुरुष और जूनियर महिला दोनों वर्गों में आंध्र प्रदेश ने विजेता स्थान हासिल किया, जबकि क्रमशः पंजाब और महाराष्ट्र उपविजेता रहे। सीनियर पुरुष वर्ग में रेलवे खेल प्रोत्साहन बोर्ड विजेता और सर्विस खेल नियंत्रण बोर्ड उपविजेता रहा। सीनियर महिला वर्ग की टीम स्पर्धा में भी रेलवे खेल प्रोत्साहन बोर्ड ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि मणिपुर उपविजेता रहा। सभी विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मोदीनगर में आयोजित राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में ओलंपिक मीराबाई चानू बेस्ट लिफ्ट ट्रॉफी से नवाजे जाने के बाद अपने कोच द्रोणाचार्य अवार्ड विजय शर्मा के साथ

समापन अवसर पर द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त कोच विजय शर्मा ने आयोजन की सफलता पर खुशी जताते हुए खिलाड़ियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव, उत्तर प्रदेश भारोत्तोलन संगठन की अध्यक्ष सबीना यादव, भाजपा विधायक डॉ मंजू सिवाच सहित अनेक गणमान्य लोग, खेल अधिकारी और खिलाड़ी मौजूद रहे। आयोजन समिति ने कहा कि इस तरह की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का मजबूत मंच प्रदान करती हैं।

धक्का मुक्की में गिरे वृद्ध की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (शिखर समाचार) नहटौर क्षेत्र के जोगीपुरा गांव में मामूली कहासुनी के बाद हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें मारपीट और धक्का मुक्की के दौरान गिरे 65 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार जोगीपुरा गांव में एक ही बिरादरी के दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। पहले यह विवाद मौखिक बहस तक सीमित रहा, लेकिन कुछ ही देर में मामला मारपीट और धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान एक पक्ष द्वारा दिए गए जोरदार धक्के से रमेश (65 वर्ष) जमीन पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोट आई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया। इसके बाद दोनों पक्ष अपने-अपने घर चले गए। बताया गया कि घायल वृद्ध को घर ले जाकर प्राथमिक उपचार दिया गया, लेकिन रात में उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई। शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक के परिजनों का आरोप है कि शुक्रवार शाम हुई मारपीट में आई चोटों के कारण ही रमेश की जान गई है और यह साधारण हादसा नहीं बल्कि हत्या का मामला है। परिजनों ने नामजद लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय अधिकारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और दोनों पक्षों के लोगों से अलग-अलग बातचीत कर घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। तनाव की स्थिति को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी प्रकार की दोबारा झड़प न हो। धामपुर क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला धक्का लगने से गिरकर चोट आने का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा। साथ ही घटना में शामिल लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। ग्रामीणों से भी पूछताछ कर तथ्य जुटाए जा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

जेवर में अवैध मिट्टी खनन का आरोप, अधिवक्ता को वाहन चढ़ाकर जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज

जेवर (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र के मौहल्ला सल्लियान में रहने वाले एक अधिवक्ता ने क्षेत्र के ही एक व्यक्ति पर अवैध मिट्टी खनन करने, ट्रैक्टर से नाली तोड़ने तथा विरोध करने पर वाहन चढ़ाकर जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मौहल्ला सल्लियान निवासी अधिवक्ता रोहताश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मौहल्ला बुंदेलखंड का रहने वाला ललित कुमार अवैध रूप से मिट्टी खनन का काम करता है। आरोप है कि करीब दो माह पहले आरोपी ने ट्रैक्टर चलाते समय उनके घर के सामने बनी नाली को तोड़ दिया था। जब इस बारे में आपत्ति जताई गई तो आरोपी ने गाली गलौज और अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद पीड़ित ने अपने खर्चे से नाली का दोबारा निर्माण कराया था। शिकायत के अनुसार शुक्रवार सुबह लगभग 7 बजकर 50 मिनट पर आरोपी फिर अवैध रूप से मिट्टी ले जाते समय ट्रैक्टर लेकर निकला और दोबारा उसी नाली को क्षतिग्रस्त कर दिया। विरोध करने पर आरोपी ने दुर्व्यवहार किया और धमकी दी कि वह किसी भी अधिकारी से शिकायत कर ले, उसका कुछ नहीं बिगड़ेगा। आरोप है कि उसने यह भी कहा कि वह समय से पहले पुलिस को पैसे दे देता है और पहले भी उच्च अधिकारियों तथा मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत होने के बावजूद उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने उसे ट्रैक्टर के नीचे डालने और थार गाड़ी से कुचलकर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है और संबंधित तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

प्रज्ञान इंटरनेशनल स्कूल का वार्षिकोत्सव 'संवर्धन' भव्यता, सांस्कृतिक प्रस्तुति और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के साथ सम्पन्न

जेवर (शिखर समाचार) प्रज्ञान इंटरनेशनल स्कूल डुढ़ेरा में वार्षिकोत्सव संवर्धन का आयोजन अत्यंत भव्य, सुव्यवस्थित और उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। पूरे परिसर को आकर्षक सज्जा से सजाया गया था तथा विद्यार्थियों, अभिभावकों और अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दिनेश कुमार सिंह, कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, उपस्थित रहे। कजाकिस्तान से शैक्षिक भ्रमण पर आई टीम की सहभागिता से कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली।

कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के पारंपरिक स्वागत से हुआ। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा तथा कोषाध्यक्ष अमोल कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों को पुष्पगुच्छ, पौधा स्मृति-चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इसके उपरांत सभी अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। प्रारंभिक प्रस्तुतियों में वाद्यवृंद, गणेश वंदना और स्वागत गीत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि सर्वधर्म प्रार्थना ने सामाजिक एकता और सौहार्द का संदेश दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में विविधता में एकता विषय पर आधारित समूह नृत्य ने देश के अलग अलग प्रांतों की संस्कृति, वेशभूषा और लोक परंपराओं की झलक प्रस्तुत की। महिला सशक्तिकरण पर आधारित नृत्य नाटिका ने समाज में नारी की भूमिका और सम्मान को प्रभावशाली ढंग से दशार्या। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण ह्ययुगांतरह्व विषय पर आधारित नृत्य नाट्य प्रस्तुति रही, जिसमें सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर और कलियुग की सांस्कृतिक अवधारणाओं को सशक्त अभिनय और मंच संयोजन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। योग और ताइक्वांडो प्रदर्शन ने विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता, संतुलन, अनुशासन

और आत्मविश्वास को प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर सभी विषयों और कौशल विकास पर आधारित एक भव्य शैक्षणिक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, हिन्दी, सामाजिक विज्ञान, भाषाएँ, सूचना प्रौद्योगिकी, कला तथा व्यावसायिक कौशल से जुड़े नवाचारपूर्ण नमूने और कार्य आधारित परियोजनाएँ प्रदर्शित की गईं। विद्यार्थियों ने प्रत्येक नमूने के उद्देश्य, कार्यप्रणाली और सामाजिक उपयोगिता को विस्तार से समझाया। उनकी प्रस्तुति शैली, व्यवहारिक समझ और समस्या समाधान क्षमता ने आगंतुकों को प्रभावित किया। कजाकिस्तान से आई शैक्षिक टीम ने प्रदर्शनी का गहन अवलोकन कर विद्यार्थियों की मौलिक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की खुलकर सराहना की और इसे वैश्विक शैक्षिक मानकों के अनुरूप पहल बताया।

समारोह में सहोदया परिसर एनसीआर ईस्ट से जुड़े अनेक शिक्षाविद भी उपस्थित रहे। इनमें अल्पाइन पब्लिक स्कूल के निदेशक संदीप मित्तल, नोएडा एजुकेशनल एकेडमी के निदेशक नवीन त्यागी, प्रवर्तक जी. डी. कपूर, अल्पाइन पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या निधि गुलाटी, डिवाइन मदर इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या गुंजन बंसल, आजाद पब्लिक स्कूल के निदेशक वासिक आजाद, सेंट हुड कान्वेंट स्कूल की प्रधानाचार्या आशा, होराइजन प्रतियोगिता स्कूल आगरा की प्रधानाचार्या गायत्री वासवानी, अयान नेशनल स्कूल गौतमबुद्ध नगर के प्रधानाचार्य आविद तथा सरदार पटेल विद्यालय की प्रधानाचार्या हरविंदर कौर सहित कई शिक्षाविद मौजूद रहे। मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

मुख्य अतिथि दिनेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम की सुव्यवस्थित व्यवस्था, विद्यार्थियों की प्रतिभा और विद्यालय की समग्र शिक्षा पद्धति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में नेतृत्व, आत्मविश्वास और सामाजिक समझ का विकास करते हैं। प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि ह्यसंवर्धनह्व केवल वार्षिकोत्सव नहीं बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का उत्सव है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और मानवीय मूल्यों का निर्माण है।

अंत में प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, कजाकिस्तान की शैक्षिक टीम, अभिभावकों और सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक परिश्रम को विद्यालय की वास्तविक शक्ति बताया। कार्यक्रम का समापन यूनेस्को प्रमाण पत्र वितरण, अंतिम समूह नृत्य और राष्ट्रगान के साथ हुआ। क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया।

महाशिवरात्रि : श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर के पास नगर निगम ने बनवाई महादेव की पेंटिंग

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महाशिवरात्रि को लेकर नगर निगम का अमला कई दिन पहले से ही तैयारी में जुट गया था। जहां शिवालियों पर साफ सफाई के अलावा डस्टबिन की व्यवस्था नगर निगम ने की है तो वहीं दूसरी तरफ शिव भक्तों के लिए गंगाजल की व्यवस्था भी श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर पर नगर निगम ने करवा दी है। गाजियाबाद को महाशिवरात्रि पर भक्ति मय बनाने के लिए नगर निगम ने दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर को जाने वाले मार्ग पर 12 ज्योतिर्लिंग के नाम के मंदिरों की पेंटिंग बनवाई है' ठाकुरद्वारा फ्लाई ओवर से दूधेश्वर नाथ मंदिर को जाने

वाले मार्ग पर नगर निगम टीम ने 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों की पेंटिंग तथा 4 शिव धाम की पेंटिंग फ्लाई ओवर पिलर पर बनाई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि महाशिवरात्रि को ध्यान में रखते हुए नगर निगम की पूरी टीम कई दिन पहले से ही तैयारी में जुट गई थी। नगर निगम सीमा के अंतर्गत पड़ने वाले सभी शिवालियों पर साफ सफाई करवाते हुए डस्टबिन लगवाए गए है। श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर पर गंगाजल की व्यवस्था भी कराई गई है। उन्होंने बताया कि भक्तों की सुरक्षा को देखते हुए बलिया लगाकर रास्ता बनाया गया। बलियों के माध्यम से पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग लाइन बनाई गई है। श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर के पास फ्लाईओवर पर अद्भुत और आकर्षक पेंटिंग का कार्य किया गया है, जिसमें चार धाम यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ, 12 ज्योतिर्लिंग सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ, भीमाशंकर त्रंबकेश्वर घृष्णेश्वर, वैद्यनाथ, रामेश्वरम, नागेश्वर की पेंटिंग बनाई गई है। शहर में अन्य जगह भी इसी तरह आकर्षक पेंटिंग बनाने का कार्य चल रहा है।

शामली में पुलवामा शहीद अमित कोरी की सातवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

शामली (शिखर समाचार) वर्ष 2019 में जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जिले के वीर सपूत अमित कोरी की सातवीं पुण्यतिथि पर कुड़ाना रोड स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला अधिकारी अरविन्द कुमार चौहान, अपर जिला अधिकारी सत्येन्द्र सिंह सहित अनेक अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे और शहीद को नमन किया। जिला अधिकारी अरविन्द कुमार

चौहान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सेवा अनेक लोग करते हैं, लेकिन अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूत बहुत कम होते हैं। ऐसे वीरों का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज रहता है। उन्होंने कहा कि देश के सैनिक विषम परिस्थितियों में दिन-रात सीमाओं की रक्षा करते हैं, तभी देशवासी सुरक्षित वातावरण में जीवन यापन कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक का हौसला कभी कम नहीं होता, क्योंकि उसके भीतर राष्ट्र सेवा का अटूट जज्बा होता है और देश सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। उन्होंने शहीद के परिजनों को नमन करते हुए कहा कि वीर सपूत को जन्म देने वाला परिवार भी समान रूप से सम्मान का अधिकारी है। उन्होंने कहा कि जनपद के युवाओं में राष्ट्र सेवा की भावना प्रबल है और बड़ी संख्या में युवा सेना व अर्द्धसैनिक बलों में शामिल होकर देश की सेवा कर रहे हैं। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है और देशभक्ति की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन, शहीद के पिता सोहनपाल सिंह, माता उर्मिला देवी, पुनीत द्विवेदी, विजय कौशिक, विनय कुमार शर्मा, कमांडेंट, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल बटालियन से राकेश कुमार शर्मा, सरदार राजेन्द्र सिंह, अनुराग शर्मा, बिजेन्द्र सिंह अधिवक्ता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

टोल प्लाजा कर्मचारियों को कार से कुचलने की कोशिश, 240 रुपये के विवाद में चालक गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) टोल शुल्क को लेकर हुए विवाद में एक कार चालक द्वारा टोल प्लाजा कर्मचारियों को कार से कुचलने की कोशिश करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति कार लेकर अमरोहा से हापुड़ की ओर जा रहा था। गढ़ कोतवाली क्षेत्र स्थित टोल प्लाजा पर कार का फास्टैग स्कैन नहीं हो सका, जिससे बैरियर नहीं खुला और वाहन टोल बूथ पर रुक गया। इसी दौरान पीछे वाहनों की लंबी कतार लग गई। टोल कर्मचारियों ने चालक से वाहन साइड में लगाने और नकद टोल शुल्क जमा करने को कहा। इस बात पर चालक भड़क गया और टोल कर्मचारियों से उसकी तीखी बहस होने लगी। जाम की स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों ने उसे आगे बढ़ने के लिए कहा, लेकिन आरोप है कि चालक ने गुस्से में कार तेज गति से कर्मचारियों की ओर दौड़ा दी और उन्हें कुचलने का प्रयास किया। दोनों कर्मचारी किसी तरह मौके से हटकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। टोल प्रबंधक अशोक ने बताया कि पूरा विवाद 240 रुपये के भुगतान को लेकर हुआ। एक तरफ का टोल 120 रुपये है, लेकिन नियम के अनुसार फास्टैग में शेष राशि कम होने पर दोगुना शुल्क लिया जाता है, जो 240 रुपये बनता है। चालक यह राशि देने को तैयार नहीं था और इसी बात पर विवाद बढ़ गया। कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ठ ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। वीडियो के आधार पर आरोपी चालक की पहचान गोविंद उर्फ जीशान निवासी मनी माजरा, इंदिरा कॉलोनी, आईटीआई रोड के रूप में हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

22 साल से फरार बलात्कार आरोपी गिरफ्तार, सिंभावली पुलिस को बड़ी सफलता

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढमुक्तेश्वर क्षेत्र से जुड़े बलात्कार प्रकरण में सिंभावली पुलिस ने करीब 22 वर्ष से फरार चल रहे आरोपी सरफराज को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। लंबे समय से कानून से बचते घूम रहे आरोपी को पुलिस टीम ने राजधानी दिल्ली से पकड़ने में सफलता हासिल की है। इस गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी पिछले कई वर्षों से अलग पहचान बनाकर रह रहा था और लगातार अपनी लोकेशन बदलते हुए गिरफ्तारी से बचता रहा। वह जांच एजेंसियों को गुमराह करता रहा, लेकिन लगातार निगरानी और खुफिया सूचना के आधार पर सिंभावली पुलिस ने उसका ठिकाना चिन्हित कर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि आरोपी के खिलाफ गढमुक्तेश्वर

क्षेत्र में दर्ज बलात्कार मामले में वह वांछित चल रहा था। पुलिस टीम ने कई दिनों तक तकनीकी और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई, जिसके बाद कार्रवाई को अंजाम दिया गया। गिरफ्तारी में शामिल कांस्टेबल सचिन पवार और कांस्टेबल उदय कुमार ने लगातार प्रयास कर आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई दशार्ती है कि कानून की पकड़ से कोई भी अपराधी स्थायी रूप से बच नहीं सकता। वर्षों से फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

एसपी अनुज चौधरी ने कहा- राजपाल यादव बेहतरीन कलाकार

मुसीबत में उनका साथ देना हमारा फर्ज; दिया इतना पैसा

फिरोजाबाद, एजेंसी। चर्चित पुलिस अधिकारी एसपी अनुज चौधरी ने जेल में बंद अभिनेता राजपाल यादव को आर्थिक मदद भेजी है। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट कर दी। अपनी बेबाक कार्यशैली के लिए चर्चित एसपी अनुज चौधरी ने बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। बृहस्पतिवार रात

अनुज चौधरी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर राजपाल यादव को अपना समर्थन दिया और 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। फिरोजाबाद के एसपी देहात अनुज चौधरी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि राजपाल यादव एक बेहतरीन कलाकार हैं और उन्होंने दशकों तक जनता का मनोरंजन किया है। आज जब वे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, तो एक प्रशंसक और नागरिक के नाते हमारा फर्ज बनता है कि हम उनके साथ खड़े हों। अनुज चौधरी ने राजपाल यादव के संघर्षों का जिक्र करते हुए उनके जल्द संकट से बाहर आने की कामना की है। बता दें कि अभिनेता राजपाल यादव वर्तमान में एक पुराने चेक बाउंस और कर्ज अदायगी के मामले में कानूनी पेचीदगियों में फंसे हुए हैं।

चर्चा में रहा है अनुज चौधरी का कार्यकाल- बता दें कि अनुज चौधरी इससे पहले संभल में सीओ के पद पर रहते हुए भी काफी चर्चा में रहे थे। वे एक अंतरराष्ट्रीय पहलवान भी रह चुके हैं और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित हैं।

ऋतु समझौता के लिए तैयार, आस्था एफआईआर पर अड़ीं, पुलिस ने मुंबई हेडक्वार्टर से मांगी फुटेज

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में पनकी के निजी बैंक में दो महिला कर्मियों के बीच कहासुनी जातिवादी टिप्पणी में एक पक्ष समझौता तो दूसरा एफआईआर पर अड़ा है। गुरुवार को पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाया था, जिसमें ऋतु त्रिपाठी आई थीं। उन्होंने पुलिस से कहा कि पहले आस्था सिंह माफी मांगें वह शिकायत वापस लेने के लिए तैयार हैं। वहीं, आस्था सिंह ने पुलिस से कहा कि उनके साथ अभद्रता हुई है। उनकी छवि

धूमिल की गई। वह एफआईआर कराएंगी। पुलिस एक दो दिन में बैंक स्टाफ के बयान ले सकती है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का भी इंतजार किया जा रहा है। पांच से छह दिन पहले सोशल मीडिया पर पनकी के निजी बैंक की महिला कर्मी आस्था सिंह का वीडियो वायरल हुआ। दो दिन बाद उनका दूसरा वीडियो आया जिसमें उन्होंने अपने साथ हुई घटना बताई। उनका कहना था कि वीडियो छह जनवरी 2026 का है। उनके साथ अभद्रता की गई थी, जिस पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी थी।

मुंबई स्थित हेडक्वार्टर से सीसीटीवी फुटेज मांगे- आस्था सिंह ने बुधवार को पनकी थाने में तहरीर दी जबकि ऋतु त्रिपाठी ने आईजीआरएस में शिकायत की। पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि दोनों को बातचीत के लिए बुलाया गया था। गुरुवार को ऋतु त्रिपाठी आई थीं। उन्होंने कहा है कि आस्था सिंह अगर माफी मांगती हैं तो वह समझौते के लिए तैयार हैं। वहीं, आस्था सिंह का कहना है कि वह इस मामले में कार्रवाई चाहती हैं। उनकी छवि धूमिल हुई है। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर आ गई है। अधिकारियों के निर्देश पर एफआईआर कराई जाएगी। बैंक के मुंबई स्थित हेडक्वार्टर से सीसीटीवी फुटेज मांगे गए हैं। स्टाफ के एक-दो दिन में बयान लिए जाएंगे।

आईपीएस नवनीत सिकेरा को ब्रज रत्न अवार्ड, गीतकार संतोष आनंद समेत 12 विभूतियों को भी किया सम्मानित

आगरा, एजेंसी। आईपीएस नवनीत सिकेरा फिरोजाबाद के शिकोहाबाद के रहने वाले हैं। उन्होंने आगरा में पढ़ाई के बाद आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग की। वर्ष 1996 में भारतीय पुलिस सेवा में आए। गोरखपुर से अपने ड्यूटी की शुरुआत की।

ब्रज की धरती पर अपनी प्रतिभा, कला और समर्पण से राष्ट्र को गौरवान्वित करने वाली 12 विभूतियों को बृहस्पतिवार को एक मंच पर सम्मानित किया गया। इनमें आईपीएस नवनीत सिकेरा और गीतकार संतोष आनंद भी शामिल रहे। मौका था इंक्रेडिबल इंडिया फाउंडेशन की ओर से नौवें ब्रज रत्न अवार्ड समारोह का।

आयोजन फतेहाबाद रोड स्थित एक होटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, फाउंडेशन के चेयरमैन पूरन डावर, उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राकेश गर्ग और स्क्वाड्रन लीडर एके सिंह ने किया। ब्रज रत्न अवार्ड से प्रख्यात गीतकार संतोष आनंद को सम्मानित करने के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान खुद उनकी व्हीलचेयर को चलाकर उन्हें दीर्घा तक पहुंचाया। राज्यपाल ने कहा कि ब्रजभूमि वह पावन धरती है, जहां से भगवान श्रीकृष्ण का दिया गया गीता का संदेश पूरे विश्व में गुंजायमान है। उसमें त्याग, समर्पण और सेवा का संदेश निहित है, जिसे युवा पीढ़ी को आत्मसात करना चाहिए।

'अवार्ड जनता के भरोसे का प्रतीक'

आईपीएस नवनीत सिकेरा ने कहा कि आगरा की गलियों ने उनके जीवन में बड़ी भूमिका निभाई है। यहां की मंडियों के चक्कर लगाते हुए लोहामंडी, राजा की मंडी, रुई की मंडी और हींग की मंडी तक पहुंचे। तलाश तब पूरी हुई जब जीवनी मंडी पहुंचे, वहीं पर जीवनसाथी मिल गया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा में मिलने वाला हर अवार्ड केवल एक पदक नहीं, बल्कि जनता का वह भरोसा है जो खाकी पर जाता है। नवनीत सिकेरा फिरोजाबाद के शिकोहाबाद के रहने वाले हैं। उन्होंने आगरा में पढ़ाई के बाद आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग की। वर्ष 1996 में भारतीय पुलिस सेवा में आए। गोरखपुर से अपने ड्यूटी की शुरुआत की। वर्तमान में एडीजी हैं। उन्हें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहा जाता है। उन्होंने यूपी में वुमेन पावर लाइन की शुरुआत की। उन पर आधारित एक वेब सीरीज भौकाल बनी है।

इन्हें भी मिला सम्मान

गोसेवा के लिए राष्ट्र गौरव सम्मान से पद्मश्री फ्रेडरिक इरिना ब्रूनिंग, पुलिस सेवा के लिए राष्ट्र गौरव सम्मान से नवनीत सिकेरा, गीतकार के लिए अमरत्व सम्मान से स्व. शैलेंद्र कुमार (मरणोपरांत), ब्रज रत्न अवार्ड से गीतकार संतोष आनंद, पैराशूटर के लिए सोनिया शर्मा, गायन के लिए हेमंत बृजवासी, टीवी अभिनय के लिए ब्रज रत्न अवार्ड पंकज कालरा को दिया गया। चिकित्सा के क्षेत्र में ब्रज विशिष्ट सम्मान डॉ. आरसी. मिश्रा, ब्रिगेडियर अमरजीत सिंह, साहित्यकार एवं कवयित्री प्रो. शशि तिवारी, कथक एवं तबला वादन में डॉ. नीलू शर्मा, भागवताचार्य पंडित मृदुलकांत शास्त्री को सम्मानित किया गया।

निर्णायक मंडल में रहे 36 विशेषज्ञ

सलाहकार समिति के चेयरमैन स्क्वाड्रन लीडर एके सिंह ने कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ 36 विशेषज्ञों की निर्णायक मंडली की ओर से की गई। कार्यक्रम के दौरान सम्मानित विभूतियों के जीवन संघर्ष पर आधारित लघु फिल्में भी दिखाई गई, जिन्हें सुधीर नारायण ने स्वर दिया। फाउंडेशन के चेयरमैन पूरन डावर ने कहा कि हमारी कोशिश ब्रज की समृद्ध संस्कृति और यहां के हीरो को दुनिया के सामने लाना है। कारवां साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। संचालन डॉ. तरुण शर्मा ने किया। इस दौरान राजेश गर्ग, डॉ. सुशील गुप्ता, किशोर खन्ना, गोपाल गुप्ता, डॉ. नरेंद्र मल्होत्रा, डॉ. तरुण शर्मा, अजय शर्मा, बृजेश शर्मा, मधुसूदन भट्ट, डॉ. गिरधर शर्मा, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. पंकज नगाइच आदि मौजूद रहे।

शराब बिक्री को लेकर प्रदेश में बड़े फैसले

लखनऊ, एजेंसी। कैबिनेट द्वारा बुधवार को नई आबकारी नीति और आबकारी निर्यात नीति को मंजूरी प्रदान कर दी गई। नई आबकारी नीति में किए गए प्रावधानों के बाद आगामी एक अप्रैल से देशी शराब के दामों में बढ़ोतरी हो जाएगी। देशी शराब (36 फीसद धारिता वाली) की ड्यूटी 165 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 173 रुपये कर दी गई है, जिससे उसके दाम में 5 रुपये का इजाफा हो सकता है। वहीं चार अन्य धारिता वाली शराब के दामों में कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं अंग्रेजी शराब की फुटकर दुकानों के राजस्व में 7.5 फीसद का इजाफा किया गया है।

प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए आबकारी विभाग का राजस्व लक्ष्य 71,278 करोड़ रुपये निर्धारित किया है। देशी शराब के दामों में इजाफा होने से करीब 1500 करोड़ रुपये का अधिक राजस्व मिलेगा। शहरों में देशी शराब की खपत कम होने के दृष्टिगत कोटा घटाया जाएगा, जबकि ग्रामीण इलाकों की दुकानों का बढ़ाया जाएगा। कंपोजिट दुकानों, मॉडल शॉप, प्रीमियम मॉडल शॉप, देशी मदिरा एवं भांग की फुटकर दुकानों का व्यवस्थापन वीनीकरण के जरिए होगा।

ई-लॉटरी पोर्टल पर मोबाइल नंबर, पैन करेक्शन इत्यादि हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्रों की प्रोसेसिंग फीस 3 हजार रुपये होगी। फुटकर दुकानें सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे खोलने का नियम यथावत रखा गया है। भांग दुकानों की लाइसेंस फीस में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। भारत निर्मित विदेशी मदिरा पर विशेष अतिरिक्त प्रतिफल शुल्क में न्यूनतम वृद्धि की गई है, जबकि वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय (आरटीडी) के एमआरपी को तर्कसंगत करते हुए वाइन पर प्रतिफल शुल्क कम किया गया है। इस पर 0.1 फीसद सांकेतिक ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसानों और फलों का उत्पादन करने वालों को आर्थिक फायदा हो सके।

गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, आगरा, प्रयागराज, वाराणसी और लखनऊ में लो अल्कोहलिक स्ट्रेंथ बिवरेजेज, बीयर, वाइन एवं आरटीडी के बार लाइसेंस मिल सकेंगे। राजस्व जमा एवं अन्य लेन-देन पोर्टल के माध्यम से करना अनिवार्य होगा। थोक कारोबार में मोनोपोली रोकने के लिए नियमों में ढील दी गई है, जिसके बाद डिस्टिलरी या कोई भी कारोबार कर सकेगा। विभाग अब उठान के आधार पर ही लाइसेंस फीस लेगा।

निर्यात प्रोत्साहित करने के लिए कई सहूलियतें

आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि प्रदेश में निर्मित शराब व अन्य उत्पादों को विदेश में निर्यात करने के लिए आबकारी निर्यात नीति लाई गई है। यह नीति लाने वाला यूपी देश का प्रथम राज्य है। इससे एथनॉल व अन्य संबंधित उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि होगी। नीति में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित किया गया है। डिस्टिलरी, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात सेवाओं का विस्तार करके रोजगार सृजित किए जाएंगे, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। मदिरा निर्यात की मात्रा में वृद्धि से अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूपी की स्थिति मजबूत होगी। देश के विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में यूपी की भूमिका बढ़ेगी। निर्यात प्रोत्साहन के लिए बोतल भराई शुल्क, निर्यात पास फीस, फ्रेंचाइजी फीस और स्पेशल फीस की दरों को न्यूनतम कर दिया गया है। मदिरा के ब्रांड पंजीकरण और लेबल अनुमोदन के प्रावधानों को शिथिल किया गया है। फीस की दरों को भी न्यूनतम कर दिया गया है। देश के अंदर अन्य राज्यों को शीरा आधारित एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (ईएनए) के निर्यात पर फीस 0.50 रुपये प्रति बल्क लीटर तक कम कर दी गई है। निर्यात हेतु हेरिटेज मदिरा का निर्माण, टेस्टिंग टैवर्न और फुटकर बिक्री की अनुमति के प्रावधान किए गए हैं।

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, क्षेत्रीय विकास योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

शामली (शिखर समाचार) गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आज शामली के विधायक प्रसन्न चौधरी ने शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात मुख्यमंत्री गोरखपुर में हुई, जहां दोनों के बीच क्षेत्र के विकास कार्यों, जनहित से जुड़े मुद्दों और विभिन्न लंबित प्रस्तावों पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। विधायक ने शामली विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और आवश्यक परियोजनाओं को विस्तार से रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की।

मुलाकात के दौरान सड़क निर्माण, ग्रामीण संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और शिक्षा संस्थानों में संसाधन बढ़ाने जैसे विषय प्रमुख रूप से उठाए गए। प्रसन्न चौधरी ने क्षेत्र में बढ़ती आबादी के अनुरूप आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की जरूरत बताई और कई नई विकास योजनाओं के प्रस्ताव भी सौंपे। उन्होंने कहा कि शामली क्षेत्र कृषि प्रधान होने के कारण किसानों से जुड़ी सुविधाओं, सिंचाई व्यवस्था और मंडी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और किसी भी क्षेत्र की उचित मांग उपेक्षित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देने की बात कही कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों की समीक्षा कर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी प्रगति पर भी चर्चा हुई। विधायक ने बताया कि कई योजनाओं का लाभ लोगों तक

पहुंच रहा है, लेकिन कुछ स्थानों पर क्रियान्वयन की गति बढ़ाने की आवश्यकता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है ताकि पात्र लाभार्थियों को बिना देरी लाभ मिल सके। प्रसन्न चौधरी ने गोरखपुर में हुई इस शिष्टाचार भेंट को सकारात्मक और परिणामकारी बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की जरूरतों को प्राथमिकता के साथ सुना है और उन्हें विश्वास है कि शामली में विकास कार्यों को और गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा क्षेत्र से जुड़े कई प्रस्तावों पर शीघ्र प्रशासनिक स्तर पर आगे बढ़ने की उम्मीद है। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों और शासन स्तर के बीच इस प्रकार की सीधी संवाद प्रक्रिया से विकास कार्यों की रफ्तार तेज होती है और स्थानीय समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से संभव हो पाता है। गोरखपुर में हुई यह बैठक इसी कड़ी का एक अहम हिस्सा मानी जा रही है।

भरपेट खाने के बाद भी कुपोषित हो रहे लोग, 80 फीसदी रोगियों को सप्लीमेंट की जरूरत

कानपुर , एजेंसी। लोग पेट भर खाना खा रहे हैं, फिर भी उनके कुपोषण बना रहता है। शरीर में विटामिन, मिलरल्स, कैलिश्यम, फॉलिक एसिड की कमी हो रही है। हैलट की ओपीडी में आने वाले रोगियों की पैथोलॉजिकल जांचों की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया। औसत 80 फीसदी रोगियों को यह कमी निकल रही है। विटमिन, मिनरल्स आदि की कमी से न्यूरो, अस्थि रोग, मांसपेशियों और नसों के रोगों के लक्षण उभरने लगते हैं।

रोगी हैलट, मेडिसिन और न्यूरो की ओपीडी में आ रहे हैं। अधिकांश रोगियों का आयु वर्ग 18 से 50 साल के बीच का है। इन रोगियों की हिस्ट्री लेने पर पता चलता है कि उनमें जंक फूड की लत तो है ही, इसके अलावा घर के खाने में पौष्टिकता नहीं रहती। 50 फीसदी लोग खाने में सलाद को तवज्जो नहीं देते। इससे पौष्टिक तत्वों के साथ ही फाइबर की कमी हो जाती है जिससे आंतों में

दिक्कत आने लगती है। लोगों की फूड हैबिट बिगड़ी है।

80 फीसदी लोगों में विटामिन आदि की कमी निकलती है- मेडिसिन की ओपीडी में औसत 300, अस्थि रोग में औसत 200 और न्यूरो में औसत 150 रोगी प्रति ओपीडी आते हैं। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. विशाल कुमार गुप्ता का कहना है कि 80 फीसदी लोगों में विटामिन आदि की कमी निकलती है। विटामिन बी12 की कमी से हाथ-पैरों में झनझनाहट होने लगती है। बी कॉम्प्लेक्स से त्वचा में सूखापन, विटामिन ए की कमी से आंखों में कमजोरी और रतौंधी होने लगती है।

बेवजह दवाएं खाते रहते हैं लोग- वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. फहीम अंसारी ने बताया कि 75-80 फीसदी लोगों में विटामिन डी की कमी निकलती है। इससे कई तरह की बीमारियों के लक्षण उभरते हैं।

महाशिवरात्रि से पहले शामली में उमड़ा डाक कांवड़ियों का सैलाब, हर हर महादेव के जयघोष से गूंजा शहर

शामली (शिखर समाचार) महाशिवरात्रि पर्व से एक दिन पूर्व शनिवार को शहर की सड़कों पर डाक कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्त हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष के साथ अपने अपने शिवालयों की ओर बढ़ते दिखाई दिए। डीजे पर बजते भोले बाबा के भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और शहर शिवमय नजर आया। शनिवार को हजारों की संख्या में कांवड़िये विभिन्न वाहनों, मोटरसाइकिलों और विशेष रूप से सजाए गए कांवड़ वाहनों के साथ शहर से होकर गुजरे। मुख्य मार्गों और चौराहों पर दिनभर उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना रहा। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया तथा पेयजल और प्रसाद की व्यवस्था भी की। कांवड़ यात्रा के कारण कई मार्गों पर यातायात का दबाव भी बढ़ा, लेकिन श्रद्धालुओं के जोश में कोई कमी नहीं दिखी। महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है, जो फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को भगवान शिव की आराधना के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक

मान्यता के अनुसार इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था तथा शिवलिंग के रूप में भगवान शिव के प्राकट्य का भी विशेष महत्व माना जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालु रात्रि जागरण, पूजा अर्चना और ॐ नमः शिवाय के जाप के माध्यम से साधना करते हैं। रविवार को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाएगा, जिसे लेकर शिवभक्तों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। गंगाजल लेकर लौटने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगातार लगा रहा। कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से विशेष प्रबंध किए गए हैं। प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। शहर के प्रमुख शिव मंदिरों सिद्धपीठ भाकूवाला शिव मंदिर, सिद्धपीठ सदाशिव मंदिर, सिद्धपीठ गुलजारी वाला शिव मंदिर, गढ़मुक्तेश्वर महादेव शिव मंदिर, हनुमान धाम स्थित शिव मंदिर, गांधी चौक स्थित कुटी वाला मंदिर तथा बुढाना रोड स्थित बलभद्र मंदिर में विशेष साफ सफाई कर रंग बिरंगी रोशनी से सजावट की गई है। जलाभिषेक को लेकर मंदिर समितियों ने भी अलग अलग व्यवस्थाएं की हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने बताया कि महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक को देखते हुए जिलेभर के शिव मंदिरों के बाहर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और यातायात को चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जाएगा, जिससे कांवड़ यात्रा और महाशिवरात्रि पर्व शांतिपूर्वक और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके।

शामली में शराब नष्ट करते समय बड़ा हादसा, दो पुलिसकर्मी व दो चौकीदार झुलसे, एक की हालत गंभीर

शामली (शिखर समाचार) शामली जनपद के झिंझाना थाने में जब्त शराब को नष्ट करते समय बड़ा हादसा हो गया। कोर्ट के आदेश पर चल रही निस्तारण कार्रवाई के दौरान अचानक आग भड़कने और धमाके होने से दो पुलिसकर्मी और दो चौकीदार समेत चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है और उसे उच्च केंद्र के लिए रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार थाने में करीब 350 पेटी अवैध शराब को नष्ट किया जा रहा था। निस्तारण के दौरान कर्मचारियों ने एक प्लास्टिक के कट्टे में आग लगाकर उसे शराब के ढेर में डाल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग लगते ही तेज गैस बनी और अचानक जोरदार धमाका हो गया। धमाके के बाद आग तेजी से फैल गई और आसपास मौजूद कर्मचारी उसकी चपेट में आ गए। इस घटना में हेड कांस्टेबल जॉनी, कांस्टेबल ललित कुमार तथा चौकीदार नवाब और सुनील झुलस गए। मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। तीन घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के समय थाना समाधान दिवस चल रहा था, जिसमें कैराना क्षेत्राधिकारी और ऊन उपजिलाधिकारी भी थाने पर मौजूद थे। हादसे के बाद अफरातफरी का माहौल बन गया। बताया गया है कि देर तक मौके पर रुक-रुक कर आग जलती रही और छोटे धमाके भी सुनाई देते रहे, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। फिलहाल पुलिस व प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है। प्रारंभिक तौर पर निस्तारण प्रक्रिया में बरती गई लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है। अग्निशमन दल को भी एहतियात के तौर पर बुलाया गया और शेष शराब को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की तैयारी की जा रही है।

जेवर में एचसीएल, फॉक्सकॉन का संयुक्त अर्धचालक संयंत्र स्थापित होगा, प्रदेश को मिलेगा उच्च तकनीकी उद्योग का बड़ा आधार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के जेवर क्षेत्र में देश का पहला डिस्प्ले ड्राइवर अर्धचालक संयोजन और परीक्षण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। यह अत्याधुनिक इकाई एचसीएल और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही है। यह परियोजना भारत सरकार के भारत अर्धचालक मिशन तथा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से जमीन पर उतारी जा रही है। इसे देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक और रणनीतिक पहल माना जा रहा है।

प्रस्तावित संयंत्र उन्नत अर्धचालक पैकिंग, जांच और जोड़ाई कार्य पर केंद्रित होगा। इसके शुरू होने से भारत की वैश्विक अर्धचालक मूल्य श्रृंखला में भागीदारी मजबूत होगी और देश उच्च तकनीकी विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा। यह पहल मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप है तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माण क्षेत्र को नई गति देगी। इससे देश में चिप आधारित उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होने की संभावना है।

यह देश की पहली डीडीआईसी अर्धचालक संयोजन एवं परीक्षण सुविधा होगी, जो बड़े पैमाने पर निर्यात क्षमता के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर की उत्पादन इकाई के रूप में कार्य करेगी। यहां डिस्प्ले ड्राइवर चिप से जुड़े अर्धचालक उत्पादों की पैकिंग, जांच और अंतिम रूप से तैयार करने का कार्य किया जाएगा। इस प्रकार भारत तैयार अर्धचालक

उत्पादों के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा।

आर्थिक दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अनुमान है कि पूर्ण क्षमता पर संचालन के बाद यह इकाई हर वर्ष भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 45 हजार करोड़ रुपये का योगदान दे सकती है। इससे उत्तर प्रदेश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा और प्रदेश निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा। रोजगार के क्षेत्र में भी इस परियोजना से बड़े अवसर पैदा होंगे। संयंत्र के माध्यम से लगभग तीन हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। स्थानीय युवाओं को उच्च तकनीकी प्रशिक्षण देने, कौशल विकास कार्यक्रम चलाने और उद्योग आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की योजना भी शामिल है, ताकि क्षेत्रीय मानव संसाधन को सीधे इस उभरते उद्योग से जोड़ा जा सके।

परियोजना के अंतर्गत अर्धचालक अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने के लिए उत्कृष्टता केंद्र, अनुसंधान केंद्र तथा संगणकीय अनुकरण प्रयोगशालाएं स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। यह कार्य स्थानीय शैक्षणिक और तकनीकी शिक्षण संस्थानों के सहयोग से किया जाएगा। इससे छात्रों और शोधकताओं को व्यवहारिक अनुसंधान के अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय स्तर पर नवाचार को प्रोत्साहन प्राप्त होगा।

राज्य स्तर पर यह पहल उच्च प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक परिवेश तैयार करने में सहायक बनेगी। अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सहायक पुर्जा उद्योगों के लिए जेवर और आसपास का क्षेत्र एक नए औद्योगिक गलियारे के रूप में विकसित हो सकता है। इससे लघु और मध्यम उद्योगों को भी नए व्यापारिक अवसर मिलेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार यह परियोजना भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी और देश की वैश्विक अर्धचालक आपूर्ति श्रृंखला में हिस्सेदारी बढ़ाएगी। उच्च मूल्य विनिर्माण और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देकर यह पहल विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश को अर्धचालक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में इसे पहला बड़ा और ठोस प्रयास बताया जा रहा है।

एसएसके पब्लिक स्कूल मुरादनगर में कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र छात्राओं के विदाई समारोह में झलकी यादें, सम्मान और शुभकामनाएँ

मुरादनगर (शिखर समाचार) 14 फरवरी को एसएसके पब्लिक स्कूल मुरादनगर में कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र छात्राओं के लिए विदाई समारोह का भव्य और भावनात्मक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन और संपूर्ण व्यवस्था कक्षा 9वीं व 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा की गई, जिन्होंने अपने वरिष्ठ साथियों को शुभकामनाओं के साथ सम्मानपूर्वक विदाई दी। समारोह में पूरे विद्यालय परिवार की उपस्थिति से वातावरण उत्साह, अपनत्व और भावुकता से भर गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विद्यालय में बिताए अपने वर्षों की खट्टी मीठी स्मृतियों को साझा किया। कई छात्रों ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि विद्यालय ने उन्हें केवल पाठ्य ज्ञान ही नहीं, बल्कि अनुशासन, संस्कार और जीवन मूल्यों की भी शिक्षा दी। छात्र-छात्राओं ने अपने अध्यापक और अध्यापिकाओं से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा भविष्य में विद्यालय का नाम रोशन करने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं, जिनमें गीत, नृत्य, लघु नाटिका और मनोरंजक लघु खेल शामिल रहे। प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया और दर्शकों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जूनियर विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक गुलशन कुमार भांबरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके विचार और अनुभव सुने। उन्होंने कहा कि जीवन में परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने, अपने अभिभावकों और विद्यालय का नाम ऊँचा करने तथा उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन कक्षा 11वीं के छात्र रिहान गौरी, चाँद कुरैशी और अध्यापिका पारुल त्यागी ने संयुक्त रूप से किया। पूरे समारोह का संचालन सुव्यवस्थित और प्रभावी रहा। अंत में सभी विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं और स्मृति चिह्नों के साथ विदाई का क्षण भावुक माहौल में संपन्न हुआ।

डिसबैलेंस होकर ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, बाइक सवार की दबकर मौत

जेवर (शिखर समाचार) कस्बा जहांगीरपुर क्षेत्र में शनिवार को एनएस पब्लिक स्कूल के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज गति से जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली अचानक असंतुलित होकर पलट गई और पास से गुजर रहे बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रैक्टर युवक के ऊपर चढ़ते हुए सड़क किनारे बनी खाई में जा गिरा, जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर हटवाकर शव को बाहर निकाला और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार दोपहर जहांगीरपुर कस्बे में एनएस पब्लिक स्कूल के निकट एक ट्रैक्टर ट्रॉली सामान लेकर जा रही थी। अचानक मोड़ के पास चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और ट्रैक्टर ट्रॉली असंतुलित होकर पलट गई। उसी समय चिंगरावली गांव की दिशा में जा रहा बाइक सवार युवक संदीप भाटी इसकी चपेट में आ गया। ट्रैक्टर सीधे बाइक सवार के ऊपर चढ़ गया और फिर सड़क किनारे गहरी खाई में पलट गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि युवक ट्रैक्टर

के नीचे दब गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना होते ही आसपास मौजूद राहगीरों और दुकानदारों ने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी। जहांगीरपुर चौकी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। बचाव कार्य के लिए जेसीबी मशीन मंगाई गई, जिसकी सहायता से पलटे ट्रैक्टर ट्रॉली को हटाया गया और दबे युवक को बाहर निकाला गया। पुलिस ने युवक को तुरंत एक निजी चिकित्सालय भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान संदीप भाटी निवासी बल्लभगढ़ के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण ट्रैक्टर ट्रॉली का संतुलन बिगड़ना बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि चालक की तलाश की जा रही है और वाहन को कब्जे में ले लिया गया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस का मृतक के परिजनों से सीधा संपर्क नहीं हो सका था। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध खनन व अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई, अतिरिक्त गश्ती बल और नए वाहन की व्यवस्था

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध खनन और अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए व्यापक स्तर पर निगरानी और कार्रवाई की नई व्यवस्था लागू कर दी है। प्राधिकरण के विभिन्न सेक्टरों में चल रही अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया गया है तथा अतिरिक्त भूतपूर्व सेवानिवृत सैनिकों और गैनमैन की तैनाती का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही गश्त व्यवस्था को और अधिक सक्रिय बनाने के लिए अतिरिक्त वाहन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर 18, 20, 22डी, 24, 24ए, 22ई, 21, 28, 29, 32 और 33 में अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई के लिए पहले से 85 भूतपूर्व सेवानिवृत सैनिक तैनात हैं, जो नियमित रूप से क्षेत्र में भ्रमण कर निगरानी कर रहे हैं। अब इस व्यवस्था का विस्तार करते हुए सेक्टर 05, 08, 08डी, 09 और 11 सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी अवैध खनन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 10 अतिरिक्त भूतपूर्व सेवानिवृत गैनमैन और सैनिकों को तैनात किया गया है। ये सभी कर्मी वाहन के माध्यम से लगातार क्षेत्र में गश्त करते हुए अवैध गतिविधियों पर नजर रखेंगे और तत्काल सूचना संबंधित विभागों को देंगे। गश्त के लिए पहले से उपलब्ध चार बोलेरो वाहनों के अतिरिक्त एक नया बोलेरो वाहन भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है, जिससे निगरानी का दायरा बढ़ाया जा सके

और दूरस्थ क्षेत्रों तक भी त्वरित पहुंच सुनिश्चित हो। प्राधिकरण का उद्देश्य है कि अवैध खनन और अवैध निर्माण की किसी भी गतिविधि को प्रारंभिक स्तर पर ही चिन्हित कर रोक दिया जाए।

प्राधिकरण के सुरक्षा बल को अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करने के साथ-साथ अवैध निर्माण पर भी अंकुश लगाने का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। नई व्यवस्था के तहत सुरक्षा बल संबंधित क्षेत्र की पुलिस, प्राधिकरण के परियोजना विभाग और भूलेख विभाग के विभागाध्यक्ष को प्रतिदिन अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। सुरक्षा कर्मियों द्वारा दी गई सूचनाओं के आधार पर संबंधित लेखपाल और तहसीलदार तत्काल संज्ञान लेते हुए नियमानुसार धारा 10 के अंतर्गत कार्रवाई करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण भी सुनिश्चित कराया जाएगा। इसके अलावा संबंधित क्षेत्र के लेखपाल और परियोजना अभियंता को भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि उनके क्षेत्र में यदि किसी प्रकार का अवैध निर्माण पाया जाता है तो उसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। इस व्यवस्था के माध्यम से विभागीय जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए अवैध निर्माण और खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की योजना बनाई गई है। सभी विभागों के अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित सूचना आदान-प्रदान के लिए एक साझा व्हाट्सऐप समूह भी बनाया जाएगा, जिसमें अवैध खनन और निर्माण से जुड़ी सूचनाएं तत्काल साझा की जाएंगी। इससे कार्रवाई की प्रक्रिया तेज होगी और समय सीमा के भीतर ध्वस्तीकरण तथा अन्य वैधानिक कदम उठाए जा सकेंगे। मुख्य कार्यपालक अधिकारी की इस नई पहल के क्रम में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश कुमार ने शनिवार सुबह सभी भूतपूर्व सेवानिवृत गैनमैन और सैनिकों की बैठक लेकर उन्हें नए निर्देशों, जिम्मेदारियों और कार्रवाई की प्रक्रिया से विस्तार से अवगत कराया तथा सख्ती और सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए।

चतुर्थ शिवालयों में स्थान रखने वाला सिद्ध पीठ मुक्तेश्वर नाथ मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) नगर के मध्य स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ मुक्तेश्वर नाथ मंदिर को शिवालयों में चतुर्थ स्थान प्राप्त होने की मान्यता प्रचलित है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यह शिवधाम अत्यंत चमत्कारी और मनोकामना पूर्ण करने वाला स्थल है। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लाकर इसी शिवालय में जलाभिषेक करने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। बिजनौर जनपद सहित दूर दराज के क्षेत्रों से भी हजारों शिवभक्त यहां पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं। मंदिर समिति की ओर से प्रत्येक वर्ष भक्तों के स्वागत और सुचारु जलाभिषेक के लिए व्यापक तैयारियां की जाती हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो।

कष्ट कला नगरी के नाम से प्रसिद्ध नगीना नगर के मानक चंद मोहल्ला, गंज बाजार स्थित यह प्राचीन बड़ा मंदिर क्षेत्र की धार्मिक पहचान माना जाता है। जनश्रुति के अनुसार देश के प्रमुख शिवालयों में इस मंदिर का नाम सम्मान से लिया जाता है। इसे उन सिद्ध पीठों में गिना जाता है जहां स्वयं भोलेनाथ के चरण पड़ने की मान्यता है। यही कारण है कि श्रद्धालु यहां पूजा अर्चना करना विशेष सौभाग्य मानते हैं। वर्तमान समय में भी यह मंदिर नगर और आसपास के जिलों के भक्तों की आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मंदिर से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार यहां मांगी गई मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु कांवड़ चढ़ाने का संकल्प लेते हैं। बड़ी संख्या में भक्त मनोकामना पूर्ण होने के बाद कांवड़ लाकर जलाभिषेक करते हैं। कई श्रद्धालुओं ने अपनी इच्छा पूरी होने पर शिव पिंडी पर चांदी का आवरण भी अर्पित किया है। स्थानीय परंपरा के अनुसार मंदिर में स्थापित शिवलिंग किसी व्यक्ति के घर में खुदाई के दौरान भूमि से प्रकट

हुआ था, इसलिए इसे स्वयंभू शिवलिंग भी कहा जाता है।

बताया जाता है कि प्रारंभ में जिस स्थान पर शिवलिंग प्रकट हुआ, उस परिवार ने किसी कारणवश मंदिर निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नहीं कराई। बाद में कुछ नागा साधुओं ने वहां आकर स्थान को धार्मिक रूप दिया और मंदिर का निर्माण कराया। इसके बाद वे साधु नगीना में ही निवास करने लगे। उनके समाधि स्थल आज भी नगर के विभिन्न हिस्सों में खंडहर रूप में बताए जाते हैं, जो इस परंपरा के ऐतिहासिक प्रमाण माने जाते हैं। समय के साथ मंदिर की प्रसिद्धि निरंतर बढ़ती गई और एक दौर ऐसा भी आया जब यहां एक लाख से अधिक कांवड़ियों ने गंगाजल चढ़ाया। उस समय पर्याप्त व्यवस्थाएं न होने से श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। भीड़, अव्यवस्था और सुरक्षा की चुनौतियों को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने व्यवस्था सुधार की दिशा में कदम बढ़ाए।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर समिति के साथ बफार्नी सेवा समिति का गठन किया गया। दोनों समितियों ने मिलकर महाशिवरात्रि और सावन जैसे अवसरों पर जलाभिषेक की व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। संयुक्त प्रयासों से दर्शन और जलाभिषेक की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया गया। अब विशेष अवसरों पर भक्तों की कतारें अलग-अलग पंक्तियों में लगवाई जाती हैं, जिससे भीड़ नियंत्रण और सुगम दर्शन सुनिश्चित हो सके। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर और आसपास का पूरा क्षेत्र भव्य सजावट से सुसज्जित किया जाता है। शिवालय के साथ मंदिर प्रांगण तथा गंज बाजार से मजलेटा बाजार तक मार्गों को आकर्षक रोशनी और सजावटी सामग्री से सजाया जाता है। इस मनोहारी दृश्य को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठते हैं। बड़ी संख्या में आने वाले कांवड़ियों और भक्तों की सुरक्षा के लिए प्रशासन और पुलिस की ओर से भी विशेष प्रबंध किए जाते हैं। चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था, मार्ग नियंत्रण और स्वयंसेवकों की तैनाती से आयोजन को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप दिया जाता है।

धार्मिक परंपरा, लोकविश्वास और जनसहभागिता के कारण मुक्तेश्वर नाथ मंदिर न केवल नगीना बल्कि पूरे क्षेत्र की आध्यात्मिक पहचान बन चुका है, जहां वर्ष भर श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है।

ग्रेटर नोएडा के गायक बृजेश मिश्रा ने विज्ञान भवन में राष्ट्रपति के समक्ष दी गायन प्रस्तुति

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा के एलडीगो ग्रीन मीडोज आवासीय परिसर के निवासी और सुप्रसिद्ध गायक ह्लगान कला रत्नह्व बृजेश मिश्रा ने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन के प्लेनरी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष अपनी सुमधुर गायन प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्मकुमारीज द्वारा कर्मयोग द्वारा सशक्त भारत विषय पर किया गया था, जिसमें देश-विदेश से अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान बृजेश मिश्रा ने राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इसके साथ ही उन्होंने बाबा के भजन प्रभु तेरे वतन का अनुभव और ह्लरूहे गुलाब कहकर तूने मुझे जो पुकारा गाकर पूरे सभागार को भावनात्मक वातावरण से भर

दिया। उनकी प्रस्तुति के दौरान सभागार तालियों की गूंज से भर उठा और उपस्थित अतिथि भावविभोर दिखाई दिए। समारोह में राष्ट्रपति के अतिरिक्त बिहार के राज्यपाल, ब्रह्मकुमारीज की वरिष्ठ राजयोगिनी आशा दीदी, बृजेश मिश्रा के माता-पिता तथा अंतरराष्ट्रीय कथक नृत्यांगना डॉ. शांभवी शुक्ला मिश्रा भी मौजूद रहीं। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। गायन प्रस्तुति के बाद उपस्थित अतिथियों ने बृजेश मिश्रा की कला और समर्पण की सराहना की। ग्रेटर नोएडा स्थित उनके आवासीय क्षेत्र एलडीगो ग्रीन मीडोज के पदाधिकारियों और परिचितों ने भी उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी और इसे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि राष्ट्रीय स्तर के मंच पर इस प्रकार की प्रस्तुति क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करती है।

नानकेश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि की तैयारियां पूरी, सुबह चार बजे से शुरू होगा जलाभिषेक

रबूपुरा (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव भाईपुर स्थित नानकेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पर्व के मद्देनजर मंदिर समिति और ग्रामवासियों ने मिलकर पूरे मंदिर परिसर को सजाने और व्यवस्थित करने का कार्य पूरा कर लिया है। शनिवार को मंदिर प्रांगण में विशेष साफ सफाई अभियान चलाया गया, जिसके तहत शिव मंदिर, हनुमान मंदिर, राम जानकी मंदिर, पार्वती मंदिर और दुर्गा मंदिर की धुलाई व सजावट की गई। पूरे परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। समिति अध्यक्ष राजेश प्रधान ने बताया कि महाशिवरात्रि को लेकर व्यवस्थाएं कई दिनों से चल रही थीं, जिन्हें अब अंतिम रूप दे दिया गया है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ठहरने और भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। मेले को सुव्यवस्थित रखने के लिए परिसर में बैरिकेडिंग कराई गई है और मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे। सुरक्षा की दृष्टि से मेला क्षेत्र में तीन अस्थायी पुलिस चौकियां भी स्थापित की गई हैं। मंदिर के महंत राजकुमार मिश्र ने जानकारी दी कि महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार सुबह चार बजे से जलाभिषेक शुरू हो जाएगा, जो दिनभर चलता रहेगा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दर्शन और पूजन के लिए अलग-अलग कतारों की व्यवस्था भी की गई है। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से शांति और अनुशासन बनाए रखते हुए दर्शन करने की अपील की है।

अवैध खनन पर कार्रवाई: चार खनन माफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर में खेती की जमीन पर अवैध तरीके से जबरन मिट्टी खनन करने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान की तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार नामजद खनन माफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में खनन गतिविधियों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

शिकायतकर्ता ज्ञानेंद्र सिंह, निवासी शाहपुर बम्हेटा गांव, जनपद गाजियाबाद, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मेहंदीपुर गांव में उनकी कृषि भूमि स्थित है। आरोप है कि गांव के ही कामिल खां, अब्बास खां, अख्तर खां और प्रदीप भाटी ने जेसीबी मशीन लगाकर उनकी जमीन से अवैध रूप से मिट्टी का खनन कर लिया। पीड़ित के अनुसार जमीन के सह-हिस्सेदार बॉबी ने जब प्रदीप भाटी को फोन कर खनन कार्य रोकने के लिए कहा तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद बॉबी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हुई, लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से फरार हो गए।

आरोप है कि पीड़ित पक्ष के वहां से लौटने के बाद आरोपियों ने दोबारा खनन कार्य शुरू कर दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि खनन माफिया उनकी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से यह गतिविधि कर रहे हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

मोदीनगर में युवक पर धारदार हथियार से हमला, गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती

मोदीनगर (शिखर समाचार) क्षेत्र के बेगमाबाद गांव में शनिवार शाम एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और परिजन युवक को तत्काल उपचार के लिए निजी चिकित्सालय ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बेगमाबाद गांव निवासी अनुभव कुमार अपने परिवार के साथ रहता है। बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और कहासुनी के बाद युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से युवक लहूलुहान होकर गिर पड़ा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो हमलावर वहां से फरार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को तुरंत निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार युवक को गहरे घाव आए हैं और उसका उपचार जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में शिकायत प्राप्त होते ही रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गई है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया गया है।

गाली देने से रोकने पर युवक पर ईंट से हमला, चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

जेवर (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर में गाली गलौज का विरोध करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। आरोप है कि गांव के ही चार लोगों ने विरोध करने पर उस पर ईंट फेंककर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मेहंदीपुर निवासी साबुद्दीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार को गांव के ही रॉबिन, मोहसिन, सबीर और खुर्शीद आपस में खड़े होकर गाली गलौज कर रहे थे। जब उसने गाली देने से मना किया और विरोध जताया, तो सभी आरोपी उस पर भड़क गए। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने ईंट पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इसी दौरान एक ईंट साबुद्दीन के सिर में लग गई, जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर जब परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी धमकाया और जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए। परिजनों ने घायल को उपचार के लिए स्थानीय चिकित्सक के पास पहुंचाया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

महाशिवरात्रि: आस्था, अनुशासन और आत्मजागरण का महापर्व

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व केवल तिथि नहीं होते, वे जीवन दर्शन का स्मरण कराते हैं। महाशिवरात्रि ऐसा ही एक महापर्व है जो पूजा पद्धति से आगे बढ़कर आत्मसंयम, साधना, प्रकृति संतुलन और अंतर्मन की शुद्धि का संदेश देता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान का दिन नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है। तेज रफ्तार, उपभोगवादी और तनावग्रस्त आधुनिक जीवन में महाशिवरात्रि का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यह हमें विराम, विचार और विवेक की ओर लौटने की प्रेरणा देता है।

महाशिवरात्रि की परंपरा में रात्रि जागरण, उपवास, जप और ध्यान प्रमुख हैं। इन सबका उद्देश्य केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि मन की चंचलता को नियंत्रित करना है। आज जब मनुष्य सूचना के अतिरेक, डिजिटल व्यस्तता और निरंतर प्रतिस्पर्धा से घिरा है, तब एक रात का सजग जागरण प्रतीक बन सकता है अपने भीतर झांकने का, अपनी कमजोरियों को पहचानने का और अपने जीवन की दिशा को पुनः निर्धारित करने का। यह पर्व बताता है कि बाहरी शोर से दूर होकर ही भीतर की आवाज सुनी जा सकती है।

समाजशास्त्रीय दृष्टि से देखें तो महाशिवरात्रि लोक और शास्त्र के सुंदर संगम का उत्सव है। गांव से लेकर महानगर तक, मंदिरों से लेकर घरों तक, हर स्तर पर लोग इसमें भाग लेते हैं। यह सामाजिक समरसता का भी पर्व है, क्योंकि इसमें जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र के भेद गौण हो जाते हैं। शिव का स्वरूप ही ऐसा है जो सीमाओं को तोड़ता है वे पर्वतों में भी हैं, श्मशान में भी; वे योगी भी हैं और गृहस्थ भी; वे संहारक भी हैं और कल्याणकारी भी। यही व्यापकता आज के समाज के लिए एक बड़ा संदेश है कि विरोधी तत्वों के बीच भी संतुलन संभव है।

वर्तमान समय में जब पर्यावरण संकट एक वैश्विक चुनौती बन चुका है, महाशिवरात्रि का प्रकृति से जुड़ा संदेश विशेष प्रासंगिक है। शिव को प्रकृति का अधिष्ठाता माना गया है पर्वत, नदियाँ, वनस्पति, पशु पक्षी सभी उनके प्रतीक संसार का हिस्सा हैं। इसका अर्थ है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना केवल पर्यावरणीय नीति का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। यदि इस पर्व के अवसर पर जल, वृक्ष और जीव-जंतुओं के संरक्षण का संकल्प समाज स्तर पर लिया जाए, तो यह उत्सव एक सकारात्मक जनआंदोलन का रूप भी ले सकता है। महाशिवरात्रि आत्मसंयम का भी पाठ पढ़ाती है। उपवास का वास्तविक अर्थ केवल भोजन त्याग नहीं, बल्कि इंद्रियों पर नियंत्रण है। आज की उपभोक्तावादी जीवनशैली में इच्छाएं अनंत हो गई हैं और संतोष दुर्लभ। परिणामस्वरूप तनाव, असंतुलन और असंतोष बढ़ रहा है। ऐसे में यह पर्व संयम को कमजोरी नहीं, बल्कि शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है। जो व्यक्ति स्वयं पर नियंत्रण रख सकता है, वही समाज और व्यवस्था में सकारात्मक योगदान दे सकता है। यह संदेश व्यक्तिगत जीवन से लेकर प्रशासन और राजनीति तक समान रूप से लागू होता है।

आध्यात्मिक दृष्टि से महाशिवरात्रि अज्ञान से ज्ञान की यात्रा का प्रतीक है। अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का भाव इसमें निहित है। लेकिन यह प्रकाश बाहर का नहीं, भीतर का है। आज शिक्षा के प्रसार के बावजूद नैतिकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संकट दिखाई देता है। ज्ञान केवल सूचना नहीं, बल्कि विवेक है सही और गलत में अंतर करने की क्षमता। यदि इस पर्व के अवसर पर शिक्षा संस्थानों, सामाजिक संगठनों और परिवारों में मूल्य आधारित संवाद हो, तो इसका प्रभाव दूरगामी हो सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि त्योहारों का स्वरूप समय के साथ बदलता है। बाजार, प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा कई बार मूल भावना पर हावी हो जाते हैं। महाशिवरात्रि भी इससे अछूती नहीं है। अत्यधिक दिखावा, अनावश्यक खर्च और भीड़ प्रबंधन की अव्यवस्था कई जगह देखने को मिलती है। जरूरत इस बात की है कि श्रद्धा और सरलता का संतुलन बना रहे। मंदिरों और आयोजनों में स्वच्छता, व्यवस्था और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जाए। त्योहार तभी सार्थक है जब वह समाज में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाए, न कि अव्यवस्था और असुविधा।

~ मौलिक चिंतन ~

संकट की घड़ी में सलाह देने वालों की तुलना में साथ देने वालों की संख्या नगण्य होती है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

रहमान के नेतृत्व वाले बांग्लादेश से खासी उम्मीदें

डॉ हिदायत अहमद खान

बांग्लादेश के आम चुनाव परिणामों ने दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नया अध्याय लिखने के लिए एक कोरी डायरी पेश कर दी है। इसमें नई सरकार के काम-काज के साथ ही उनके असर को बिंदुवार रेखांकित किया जा सकेगा। दरअसल तारिक रहमान की 17 वर्ष बाद स्वदेश वापसी और उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की निर्णायक जीत ने सत्ता संतुलन बदल दिया है। यह चुनाव जुलाई 2024 की हिंसक उथल-पुथल और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के लंबे शासन के अंत के बाद हुआ। स्वाभाविक है कि अब सबकी नजर नई सरकार की कथनी और करनी के साथ ही साथ विदेश नीति पर है। सवाल यही कि क्या ढाका नई दिल्ली के करीब आएगा या बीजिंग और इस्लामाबाद की ओर झुकेगा? वैसे भी भारत के लिए यह सवाल केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व का है। याद करें जब 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के दमन के खिलाफ मुक्ति संग्राम छिड़ा, तब भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई। भारतीय सेना के हस्तक्षेप, शरणार्थियों को आश्रय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन ने स्वतंत्र बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए भारत-बांग्लादेश संबंध केवल पड़ोसी देशों का रिश्ता नहीं, बल्कि साझा इतिहास, बलिदान और सांस्कृतिक निकटता से जुड़ा है। आखिर यह कौन नहीं जानता कि तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की दृढ़ कूटनीतिक और सैन्य रणनीति ने पाकिस्तान को 13 दिनों के युद्ध में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वक्त बदला और हालात भी बदले लेकिन भारत ने कभी भी बांग्लादेश के साथ दोयम दर्जे का बर्ताव कभी नहीं किया। हर समय कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाने का काम किया, आर्थिक मदद प्रदान करने से भी पीछे नहीं हटा। यही वजह रही कि जैसे ही बीएनपी की बंपर जीत सामने आई नई दिल्ली ने तेजी से पहल करते हुए बधाई संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रगतिशील बांग्लादेश की कामना की। यह संदेश औपचारिक जरूर था, लेकिन इसके निहितार्थ स्पष्ट थे, भारत पिछले डेढ़ वर्ष की अस्थिरता, चीन-पाकिस्तान की बढ़ती सक्रियता और अल्पसंख्यकों पर हमलों जैसी चिंताओं को पीछे छोड़ स्थिर संबंध चाहता है।

गौरतलब है कि बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आते हैं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं। निर्वासन के लंबे काल के बाद उनकी वापसी ने जनता में उत्साह पैदा किया है। चुनाव प्रचार के दौरान उनका मेरे पास बांग्लादेश के लिए एक योजना है वाला संदेश नई शुरूआत का संकेत था। उन्होंने यह भी कहा है कि वे भारत के हितों का सम्मान करेंगे, यह बयान उनकी मां की बांग्लादेश पहले नीति से थोड़ा संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण दर्शाता है। बावजूद इसके बांग्लादेश को लेकर भारत की चिंताएं तीन आयामों में केंद्रित हैं। पहला, कहीं पाकिस्तान-चीन-बांग्लादेश का कोई त्रिकोणीय समीकरण न उभर आए। दूसरा, सीमा और आंतरिक सुरक्षा, विशेषकर अवैध घुसपैठ और पूर्वोत्तर भारत में अस्थिरता। तीसरा, आर्थिक हित। भारत को बांग्लादेश के साथ व्यापार में उल्लेखनीय लाभ है; वह वहां के वस्त्र उद्योग को बड़े पैमाने पर कच्चा कपास निर्यात करता है। स्थिर संबंध दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी होंगे। शेख हसीना के काल में संबंध अपेक्षाकृत स्थिर रहे। सीमा समझौते, यातायात संपर्क और सुरक्षा सहयोग में प्रगति हुई। हालांकि अवामी लीग इस बार चुनावी मैदान से बाहर रही और हसीना पर कानूनी संकट भी मंडरा रहा है, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। भारत को बदलती राजनीतिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल बिठाना ही होगा। एक सकारात्मक संकेत यह है कि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी सरकार का हिस्सा नहीं बन रही। यदि ऐसा होता तो भारत की सुरक्षा चिंताएं और गहरी हो सकती थीं। चीन की बढ़ती आर्थिक मौजूदगी, विशेषकर बंदरगाह और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। श्रीलंका और पाकिस्तान में चीनी निवेश के रणनीतिक आयाम पहले से स्पष्ट हैं। बांग्लादेश में भी ऐसी संभावनाएं भारत को सजग रहने को बाध्य करती हैं। फिलहाल भारत रुको और देखो की नीति अपनाए हुए है। उसे भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय व्यावहारिक कूटनीति अपनानी होगी। ढाका की नई सरकार भी समझती है कि भारत से दूरी बनाना आसान विकल्प नहीं। भौगोलिक, आर्थिक और सांस्कृतिक निकटता दोनों देशों को सहयोग की दिशा में ही ले जाती है। आखिरकार, 1971 की साझी विरासत आज भी दोनों देशों के रिश्तों की आधारशिला है। यदि तारिक रहमान उस ऐतिहासिक सच्चाई को ध्यान में रखते हुए संतुलित विदेश नीति अपनाएंगे तो बांग्लादेश और भारत मिलकर दक्षिण एशिया में स्थिरता और समृद्धि का नया अध्याय लिख सकते हैं। उम्मीदें खासी हैं और अब परीक्षा नई सरकार की है।

दाढ़ी पर नहीं, सोच पर बहस जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

फैशन, पहचान और भ्रमः आज के युवाओं के सामने असली चुनौती...

हर दौर की अपनी पहचान होती है। यह पहचान केवल कपड़ों, हेयर-स्टाइल या चेहरे पर उगे बालों से नहीं बनती, बल्कि उस सोच से बनती है जो व्यक्ति और समाज–दोनों को दिशा देती है। आज के समय में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे कैसे दिखते हैं यह कम, और क्या सोचते हैं तथा किसका अनुकरण करते हैं–यह अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बाहरी आकर्षण, सोशल मीडिया की चमक और तात्कालिक लोकप्रियता ने पहचान की परिभाषा को सतही बना दिया है।

बीते कुछ वर्षों में दाढ़ी को लेकर एक तीखी बहस उभरी है। कुछ लोग इसे आधुनिक फैशन का प्रतीक मानते हैं, तो कुछ इसे सांस्कृतिक भ्रम और अंधानुकरण का उदाहरण। यह बहस तब और जटिल हो जाती है जब इसे धर्म, राजनीति या साज़िश से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हम भावनाओं से ऊपर उठकर, शोर से दूर रहकर, विवेकपूर्ण और तथ्यपरक दृष्टि से इस विषय को देखें। क्योंकि जब मुद्दे विचार के बजाय पहचान की लड़ाई बन जाते हैं, तब समाधान नहीं, विभाजन पैदा होता है।

इतिहास गवाह है कि दाढ़ी और क्लीन शेव–दोनों ही भारतीय समाज का हिस्सा रहे हैं। वैदिक काल के ऋषि-मुनि जटाधारी थे, तो राजदरबारों में सुसज्जित, साफ-सुथरे व्यक्तित्व भी दिखाई देते थे। मध्यकाल हो या आधुनिक काल–हर युग में दोनों प्रकार के रूप साथ-साथ मौजूद रहे। स्वतंत्रता संग्राम के समय महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, पंडित नेहरू–सभी का रूप अलग था, पर उद्देश्य एक। स्पष्ट है कि दाढ़ी कोई नई या बाहरी चीज नहीं है, और न ही क्लीन शेव कोई विदेशी अवधारणा। दोनों ही समय, परिस्थिति और व्यक्तिगत पसंद के अनुसार बदलते रहे हैं।

आज दाढ़ी का चलन केवल भारत तक सीमित नहीं है। यह एक वैश्विक फैशन का हिस्सा बन चुका है। हॉलीवुड, यूरोपीय फैशन, खेल जगत, संगीत उद्योग और डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स–हर जगह दाढ़ी अलग-अलग शैलियों में दिखाई देती है। सोशल मीडिया ने इन रुझानों को और तेज कर दिया है। एक तस्वीर, एक वीडियो या एक रील के जरिये ट्रेंड पल भर में दुनिया भर में फैल जाते हैं। ऐसे में यह मान लेना कि कोई एक उद्योग, समूह या विचारधारा ही किसी फैशन को 'फैला' रही है, वास्तविकता का सरलीकरण होगा।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अंधानुकरण एक गंभीर समस्या बन चुका है। जब युवा किसी भी ट्रेंड को बिना सोचे-समझे केवल इसलिए अपनाते हैं क्योंकि वह लोकप्रिय है या 'कूल' माना जा रहा है, तब उनका व्यक्तित्व उधार का हो जाता है। फैशन तब समस्या बनता है जब वह सोच पर हावी हो जाए और पहचान को केवल बाहरी प्रतीकों तक सीमित कर दे। सवाल दाढ़ी रखने या न रखने का नहीं है; सवाल यह है कि क्या हम अपने चुनाव के कारण जानते हैं, या सिर्फ़ भीड़ के साथ चल रहे हैं?

इस संदर्भ में सिनेमा और डिजिटल मीडिया की भूमिका पर चर्चा जरूरी है। मनोरंजन उद्योग न केवल कहानियाँ सुनाता है, बल्कि जीवन-शैली के मानक भी गढ़ता है। बार-बार एक ही तरह के 'लुक', 'स्टाइल' और 'हीरोइज्म' को आदर्श बनाकर प्रस्तुत करने से युवाओं के सामने विकल्प सीमित हो जाते हैं। इससे विविधता कम होती है और एकरूपता बढ़ती है। जिम्मेदार मीडिया वही है जो समाज की बहुलता को दिखाए–जहाँ सादगी भी आकर्षक हो, और अलग-अलग व्यक्तित्व भी स्वीकार्य हों। लेकिन दर्शक के रूप में हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम दिखावे और मूल्य में अंतर करना सीखें।

ईश्वर, संस्कृति और सौंदर्य की चर्चा में भी संतुलन आवश्यक है। हमारी परंपराएँ अत्यंत विविध रही हैं। कहीं जटाधारी तपस्वी हैं, तो कहीं सुसज्जित देव-प्रतिमाएँ; कहीं वैराग्य है, तो कहीं श्रृंगार। सौंदर्य का अर्थ केवल बाहरी रूप नहीं, बल्कि आचरण, करुणा, संयम और विवेक है। यदि हम सौंदर्य को केवल चेहरे, दाढ़ी या फैशन तक सीमित कर दें, तो हम अपनी ही सांस्कृतिक गहराई को कम कर देते हैं।

आज के युवाओं के सामने असली खतरा किसी एक फैशन से नहीं, बल्कि आत्मबोध की कमी से है। जब युवा अपने इतिहास, मूल्यों और सांस्कृतिक बहुलता को समझते हैं, तब वे किसी भी ट्रेंड को अपनाएँ–या न अपनाएँ–वह उनका सजग और स्वतंत्र निर्णय होता है। लेकिन जब पहचान केवल बाहरी प्रतीकों पर टिक जाती है, तब भ्रम पैदा होता है और व्यक्ति आसानी से प्रभावित हो जाता है।

समाधान डर, आरोप या साज़िश की भाषा में नहीं है। समाधान शिक्षा, संवाद और आत्मविश्वास में है। युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि फैशन क्षणिक होता है, लेकिन चरित्र स्थायी। आज जो ट्रेंड है, कल बदल जाएगा; पर जो मूल्य आप अपनाते हैं, वही जीवन भर साथ रहते हैं। इसलिए चयन सोच-समझकर होना चाहिए–न दबाव में, न डर में, और न ही अंधानुकरण में।

समाज को विभाजन की भाषा से भी सावधान रहना चाहिए। जब हम किसी चलन को डर या साज़िश के चश्मे से देखते हैं, तो संवाद बंद हो जाता है और ध्रुवीकरण बढ़ता है। इसके विपरीत, जब हम प्रश्न पूछते हैं–'क्यों?', 'कैसे?' और 'किस हद तक?'–तब समझ विकसित होती है। स्वस्थ समाज वही है जो असहमति को जगह देता है, लेकिन सम्मान और तथ्य के साथ।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को आलोचनात्मक सोच सिखाएँ–ताकि वे हर ट्रेंड को आँख बंद करके न अपनाएँ। उन्हें अपने शरीर, समय और पहचान पर अधिकार का बोध हो। फैशन अपनाना गलत नहीं; गलत है फैशन के पीछे खुद को खो देना। व्यक्तित्व की असली सुंदरता बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और विवेक में होती है।

अंततः, यह बहस दाढ़ी की नहीं, दिशा की है। हम अपनी पहचान किस पर बना रहे हैं–दिखावे पर या विचार पर? यदि हम युवाओं को शिक्षा, अवसर और आत्मसम्मान देंगे, तो वे किसी भी फैशन में सुरक्षित रहेंगे–क्योंकि उनकी जड़ें मजबूत होंगी। समाज का भविष्य बाहरी रूपों से नहीं, सोच की मजबूती से तय होता है। और वही सोच हमें यह सिखाती है कि ट्रेंड आते-जाते रहते हैं, लेकिन मूल्य वही होते हैं जो समय की कसौटी पर टिकते हैं।

आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

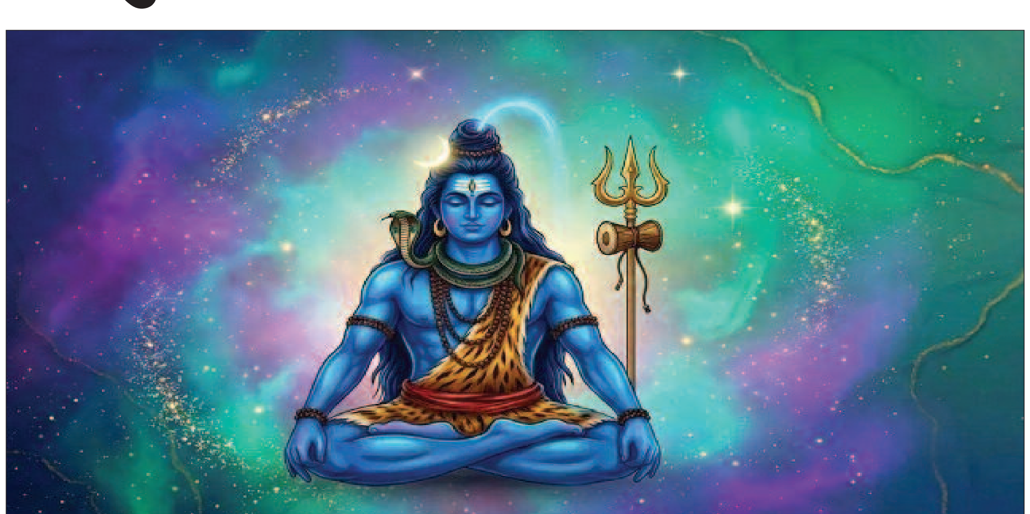

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 15 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊजाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को ह्यकालों का कालह्न और ह्यदेवों का देवह्न अर्थात ह्यमहादेवह्न कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है।

शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ है, ह्यह्यजिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से ह्यसगुण ईश्वरह्न और ह्यनिर्गुण ब्रह्मह्न कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं ह्नह्न

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे ह्यनीलकंठह्न के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव ह्यचन्द्रशेखरह्न भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।
~~~~~~~~~

10 स्किन फ्रेंडली टिप्स फॉर ऑफिस

1. अपनी डेस्क पर पानी की बोतल हमेशा रखें ताकि आपको याद रहे कि आपको रेगुलर पानी पीते रहना है। ऑफिस में काम करने वाले अधिकतर लोग डिहाइड्रेशन की समस्या जूझते हैं क्योंकि वे अपने काम में इतना रम जाते हैं कि उन्हें अपने शरीर की मांग का पता नहीं चल पाता। यही फर्क स्किन पर भी दिखता है।

2. आपका दिमाग सुचारू रूप से काम करता रहे, इसके लिए आप कॉफी का साथ नहीं छोड़ते। आपकी डेस्क पर कॉफी का कप हमेशा रहता है तो आपके लिए घबराने वाली बात है। कॉफी से बेहतर है कि आप चाय पिएं लेकिन यह भी सही मात्रा में। दरअसल चाय में स्किन फ्रेंडली एंटिऑक्सिडेंट्स होते हैं।

3. ब्यूटी एक्सपर्ट विघा टिकारी के अनुसार, अपने चेहरे को लंच टाइम पर पानी से धो डालिए। आधे घंटे बिना मेकअप के रहिए, स्किन को सांस लेने दीजिए। संभव हो तो फेस वॉश साथ रखिए, इससे अपने चेहरे का मेकअप हटा डालिए। याद रखिए कि मेकअप त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देता है और ब्लैकहेड्स/एक्ने को बढ़ाता है।

4. यदि आपके बैठने की जगह खिड़की के पास है और वहां ब्लाइंड्स लगे हैं तो ध्यान रखिए कि आपने सनस्क्रीन चेहरे पर लगाया हो। भले ही आपके चेहरे पर सूरज की रोशनी सीधी न पड़ रही हो पर इससे भी स्किन टैन तो होती ही है।

5. एयरकंडीशन आपकी स्किन के मॉयश्चर को चुराता है। यदि एसी सीधे आपकी आर है तो उसे टर्न कर दीजिए। अपने ड्रॉअर में मॉयश्चराइजर रखिए, इसे हर दो-तीन घंटे पर अपनी खुली स्किन पर अप्लाई कीजिए।

6. यदि आप लंबे समय तक सीट बैठे हैं तो अपने पैर को खुली हवा में सांस तो लेने दीजिए। जूते/सैंडिल उतार दीजिए। यदि आपके पैर लंबे समय तक बंद रहते हैं तो फंगल फूट इंफेक्शन होने की आशंका रहती है।

7. ज्यादा देर तक कंप्यूटर स्क्रीन की आर देखते मत रहिए। स्क्रीन से आने वाली अल्ट्रावॉयलेट किरणें स्किन को टैन करती हैं और आंखों के नीचे डार्क सिर्कल बनाती हैं। बेहतर होगा कि कंप्यूटर पर एंटीग्लेयर कोटिग हो। सनस्क्रीन का प्रयोग करना चाहिए और बीच-बीच में अपनी आंखे स्क्रीन पर से हटाते रहिए।

8. यदि आप कोई दवा ले रहे हैं तो उसे छोड़िए मत। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए कि लंबे समय तक काम करने के चक्कर में आप अपनी दवा लेना भूल जाएं।

9. लंच ब्रेक या टी ब्रेक के समय सिगरेट पीने वालों के ग्रुप से दूर रहिए। ऐसा नहीं कि आप तो सिगरेट नहीं पीते लेकिन इन लोगों के साथ हंसी-ठट्ठा करने के लिए इनके साथ शामिल हो जाते हैं।

10. लंच में बिना ड्रेसिग वाली सलाद खाएं। हरी पत्तोदार सलाद और टमाटर इसमें जरूर शामिल हो। इनमें खूब मिनरल और विटामिन होते हैं जो स्किन के लिए अच्छा है, कहती हैं डाइटीशियन इति भल्ला। अपने बैग में एक फ्रूट जरूर कैरी करें और इसे खाएं भी।

सजावट सलाद की

हमारे भोजन में सलाद का महत्त्वपूर्ण स्थान हैं। क्योंकि सलाद पौष्टिकता से भरपूर होता हैं। सलाद में मूली, गाजर, ककड़ी, विविध प्रकार के फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, बींस, धीनया, पूदीना, पार्सले, दालों व चने का उपयोग किया जा सकता हैं।

- सलाद का नियमित सेवन करने से कब्ज जैसी बीमारी से छुटकारा मिल जाता हैं।
- सलाद खाने से आंखों की ज्योति बरकरार रहती हैं। और चेहरे पर चमक आती हैं।
- सलाद पचने में आसान होता हैं। तथा कैलोरी की मात्रा कम होने से इस का भरपूर सेवन किया जा सकता हैं।
- सलाद की ड्रेसिंग के लिए ज्यादातर तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन यदि आप तेल का प्रयोग न करना चाहें तो स्किम्ड मिल्क के दही की सौस या विविध फलों के गूदों से बनी सौस का प्रयोग कर के सलाद को रूचिकर बना सकते हैं।
- सलाद को सजाने के लिए सिरका, नींबू का रस, मस्टर्ड चटनी, नमक व कालीमिर्च का प्रयोग करते हैं। भुने सफेद तिल,भुनी मूंगफली व भुनी चने का प्रयोग कर के सलाद की गुणवत्ता को कई गुना बढ़ाया जा सकता हैं।

कोथम्बीर वड़ी

सामग्री: 1 कप बेसन, 1/2 कप बारीककटी हुई हरी धनिया, 2 टेबलस्पून तेल, 4-6 लहसुन बारीक कटा हुआ, 3-4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1/4 कप भूनी व दरदरी कूटी हुई मूंगफली, 1 टीस्पून शक्कर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल।

विधि: तेल गर्म करके लहसुन व हरी मिर्च डालें। पानी, नमक व शक्कर डालकर उबालें, फिर बेसन डालकर चलाएं। मूंगफली व कटी हुई हरी धनिया डालकर मिला लें। जब मिश्रण गाढ़ा होने लगे तब चिकनाई लगी थाली में डालकर फैला लें और ठंडा होने दें। मनचाहे आकार में काट लें और गरम तेल में फ्राई करें।

फैशनेबल हैरम पैंट्स

जमाना अब एक्सपेरिमेंटल का है, तभी तो युवा अपने कपड़ों में भी एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं, इसी की देन है हैरम पैंट जो कि युवतियों की अब खास पसंद बन गई है। युवतियां गैर परंपरागत ड्रेस को अधिक तवज्जे दे रही हैं जिसमें उनका लुक बिल्कुल ही अपरंपरागत लगता है।

हैरम पैंट्स फ्लेयर पैंट्स है तो कि बॉट्म से बिल्कुल संकरी होती है। यह फैशनेबल तो है ही, साथ ही आरामदायक भी है। कुछ देशों में बैले नृत्य हैरम पैंट्स पहन कर ही किया जाता है क्योंकि इस डांस में कमर और हिप्स के मूवमेंट्स होते हैं जो कि इस पैंट में साफ झलकते हैं। भारतीय युवतियों के बीच सूट-सलवार काफी प्रचलित है और उनके लिए हैरम पैंट्स काफी उपयोगी साबित होगी। फैशन डिजाइनर कविता भरतिया कहती हैं, आजकल टाइट कपड़े फैशन में नहीं है बल्कि बैलून ड्रेस यानी फूली हुई ड्रेस फैशन में है, इसमें ड्रेस बाजू और बॉट्म से गुब्बारेनुमा फूली हुई होती है। जो काफी स्टाइलिश दिखती है और इसी की तर्ज पर हैरम पैंट्स भी फैशन में है। पुराने समय में सैनिक इस तरह की पैंट्स पहनते थे जोकि बॉट्म से फूली हुई होती थी। हैरम पैंट्स कोई लेटेस्ट फैशन नहीं है बल्कि यह 70 और 80 के दशक का फैशन है। उसका परिष्कृत रूप है। पहले जो हैरम पैंट्स पहनी जाती थी वे लंबी कुर्ती के साथ पहनी जाती थी। मगर अब लड़कियां हैरम पैंट्स टीशर्ट, बैकलेस टॉप और हैंगिग टॉप के साथ पहन रही हैं जोकि हैरम पैंट्स का मॉडर्न लुक है। हैरम पैंट्स में फिगर बहुत ही आकर्षक लगती है, अगर आप अपनी कमर को हाईलाइट करना चाहती है तो पैंट्स पर बैल्ट भी लगा सकती है।

जिन लड़कियों के चौड़े हिप्स होते हैं, उनके लिए यह ड्रेस बहुत ही उपयुक्त है, क्योंकि इस ड्रेस में चौड़े हिप्स छिप जाते हैं और फिगर बहुत ही आकर्षक लगती है। आप सरोजनी नगर मार्केट और जनपथ मार्केट में हैरम पैंट्स खरीद सकते हैं, जिनकी कीमत 250 रूपये से शुरू है। अगर आप पार्टी या डिस्कोथेक में जा रहे हैं तो थाई कट्स हैरम पैंट्स पहन सकते हैं, जिस पर सिल्कवर व गोल्डन थ्रेड से वर्क किया है। इसके अलावा क्रिस्टल व स्टोन वर्क भी है और यह कई फ्रैबिक में उपलब्ध है जिसमें सॉटन, कॉटन, जॉर्जट हैं। अगर आप कमर को हाईलाइट करना चाहते हैं तो चौड़ी बैल्ट लगायें। हैरम पैंट्स बॉट्म से एकदम संकरी होती है इसलिए इस पर पर कोल्हापुरी चप्पल या जूतियां पहनें।

टाई को नहीं कह सकते गुडबाय

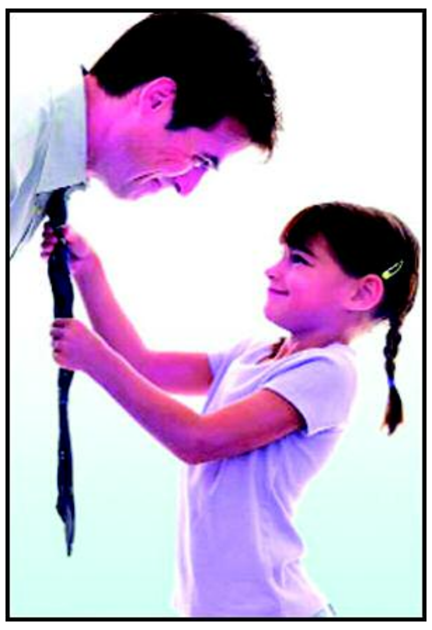

टाई की क्वालिटी आपकी पसंद और सेंस को बताती है। यूं तो मार्केट में कई मैटीरियल की टाई उपलब्ध है लेकिन सिल्क और वूल-ब्लेंडेड टाई हर तरह की शर्ट और सूट के साथ मैच करती है। टाई को खरीदते समय हमेशा उसे छूकर महसूस करें, वह सॉफ्ट और स्मूद होनी चाहिए। बेहतरीन और बढ़िया क्वालिटी की टाई दो पीसेज में नहीं बल्कि तीन पीसेज में सिली होती है। यही नहीं, टाई का पतला छोर चौड़े छोर के पीछे के बिल्कुल बीच में आता है। उस टाई को मत खरीदिए, जिसमें हाथों पर लपेटने से सिलवटें पड़ जाएं।

रंग और पैटर्न

टाई की खरीदारी में उसका रंग अहम स्थान रखता है। ब्लैक और व्हाइट कलर की शर्ट के साथ हर रंग की टाई चल जाती है। यदि ऐसा नहीं है तो फिर कंट्रास्ट सही रहता है लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि शर्ट के पैटर्न से टाई का पैटर्न मैच करना चाहिए, न कि विपरीत हो। यदि शर्ट का पैटर्न और कलर सॉफ्ट है तो बोल्ड कलर की टाई भी अच्छी लगती है लेकिन यदि शर्ट ब्राइट कलर की है तो टाई सोबर होनी चाहिए। चाहें तो शर्ट या सूट के पैटर्न या कलर से मैच करती टाई भी खरीदी जा सकती है। वैसे देखा जाए तो यलो, रेड, सिल्वर, ब्लू कलर की टाई ब्लैक कलर के सूट के साथ गजब ढाती है। ग्रे या ब्लू कलर के सूट के साथ उसी कलर की टाई जमती है। स्पेशल मीटिंग में दो रंग की सिंपल टाई अच्छी लगती है।

लंबाई और चौड़ाई

टाई की नॉर्मल चौड़ाई 3.25 इंच है और लंबाई 54 इंच। लेकिन लंबे लोगों पर 60 इंच की लंबाई वाली टाई जमती है। वैसे फैशन ट्रेंड बदलता भी रहता है। नॉट इस तरह से बांधी जानी चाहिए कि टाई बेल्ट के ऊपर ही खत्म हो जाए। आइडियली तो आधी इंच टाई बेल्ट पर लटकी होनी चाहिए। टाई की चौड़ाई व्यक्ति के शरीर पर निर्भर करती है। यदि व्यक्ति मोटा है तो चौड़ी टाई सही लगती है लेकिन यदि व्यक्ति पतला है तो टाई पतली ही होनी चाहिए।

नॉट

ऑफिस या बिजनेस मीटिंग में छोटी नॉट अच्छी लगती हैं। इसे बांधने में समय भी कम लगता है। यदि व्यक्ति लंबा है तो उसे लंबी टाई की जरूरत पड़ती है। लंबे-चौड़े व्यक्ति को विंडसर स्टाइल नॉट बांधनी चाहिए, जो अधिक ट्रेडिशनल है। यह बो की तरह गले पर बंधी नजर आती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3801

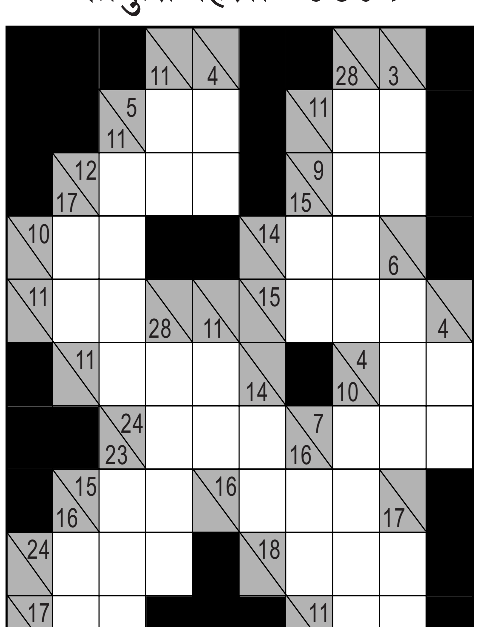

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 / 23: 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3800 का हल

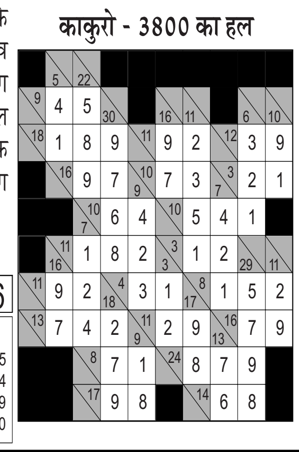

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3801

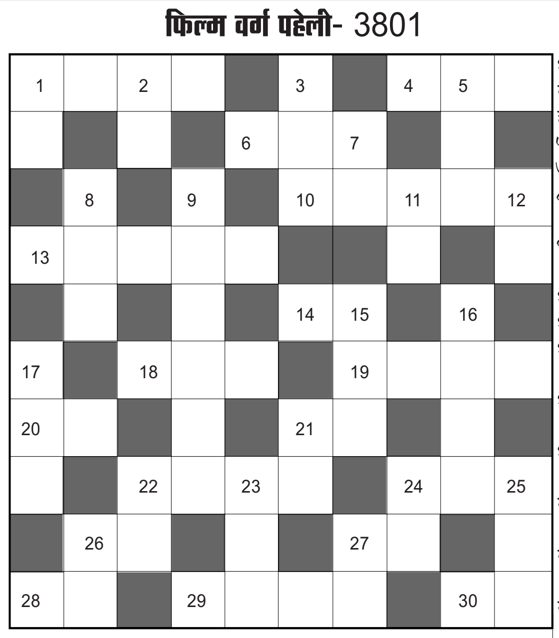

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3800

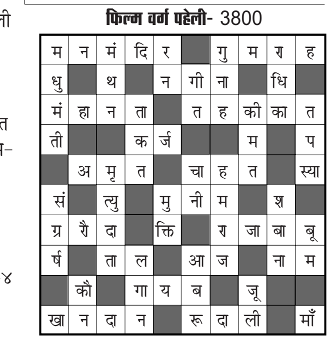

सूडोकु -3801

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3800 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 3801

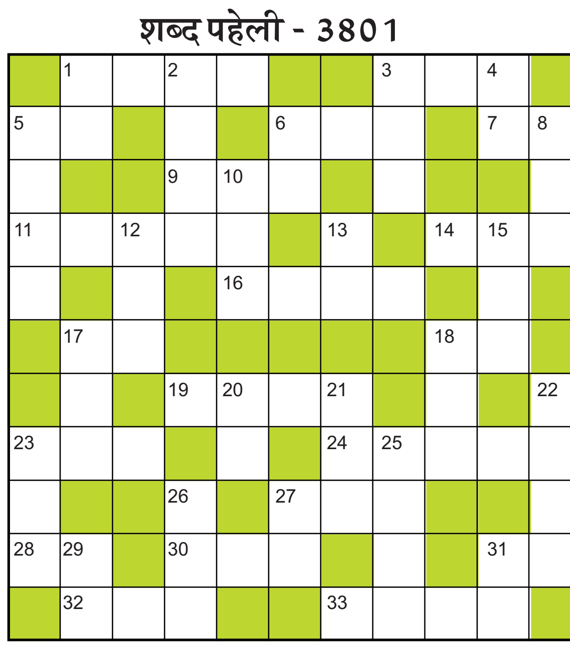

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3800 का हल

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव, शुरुआती तेजी के बाद गिरावट

- वैश्विक कमजोर संकेत और एआई से जुड़ी चिंताओं ने सप्ताह के आ खिर में बाजार की तेजी पर ब्रेक लगाया

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार तक समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया। सप्ताह की शुरुआत में सकारात्मक आर्थिक संकेत और भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौतों की उम्मीद से निवेशकों का मनोबल ऊंचा रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक वैश्विक कमजोर संकेतों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी संभावित व्यवधानों की चिंताओं के कारण बाजार ने गिरावट दर्ज की। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। विदेशी निधियों के प्रवाह और एशियाई बाजारों की मजबूती ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 415.97 अंक बढ़कर 83,996.37 पर पहुंचा, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.05 अंक बढ़कर 25,819.75 पर पहुंच गया।

दिन के अंत में सेंसेक्स 485.35 अंक की बढ़त के साथ 84,065.75 पर और निफ्टी 173.60 अंक की बढ़त के साथ 25,867.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी बाजार की गति बनी रही। एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुझान और अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार ढांचे पर आशावाद ने निवेशकों का उत्साह बनाए रखा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 247.01 अंक बढ़कर 84,312.76 पर और निफ्टी 80.25 अंक बढ़कर 25,947.55 पर पहुंच गया। बुधवार को बाजार में शुरुआती तेजी देखी गई, सेंसेक्स 213.42 अंक बढ़कर 84,487.34 पर और निफ्टी 74.25 अंक बढ़कर 26,009.40 पर पहुंच गया। हालांकि, उच्च स्तर पर मुनाफा लेने की प्रवृत्ति ने दोनों सूचकांकों में अस्थिरता ला दी। दिन के अंत में सेंसेक्स 40.28 अंक गिरकर 84,233.64 पर और निफ्टी 18.70 अंक बढ़कर 25,953.85 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में तेज गिरावट देखी गई। कमजोर वैश्विक संकेतों और एआई से जुड़े व्यवधानों की बढ़ती चिंताओं के कारण निवेशकों की भावना नकारात्मक रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 883.4 अंक गिरकर 82,791.52 पर और निफ्टी 262.60 अंक गिरकर 25,544.60 पर पहुंच गया। साप्ताहिक तौर पर देखा जाए तो सप्ताह की शुरुआत में बाजार में मजबूती थी, लेकिन वैश्विक और तकनीकी चिंताओं ने सप्ताह के अंत में बाजार की तेजी को रोक दिया।

अडानी की झोली में आई 2 रुपये के शेयर वाली कंपनी, एनसीएलटी को हरी झंडी

मुंबई ।

कभी देश की दिग्गज इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में गिनी जाने वाली पुंज लॉयड के अधिग्रहण को लेकर बड़ी खबर आई है। दरअसल, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी को लिक्विडेशन के दौरान गोइंग कंसर्न के रूप में बेचने को मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी ने साफ किया है कि कंपनी को मौजूदा हालत में ही लिया जाएगा। पुरानी देनदारियां, कानूनी विवाद और दावे अपने-अपने कानूनी प्रावधानों के तहत निपटाए जाएंगे। दरअसल हाल ही में दिल्ली के नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की प्रिंसिपल बेंच ने आदेश पारित करते हुए कहा कि पुंज लॉयड का अधिग्रहण अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

यह पूरा मामला आईसीआईसीआई बैंक द्वारा दायर की गई दिवालिया याचिका से जुड़ा है। पहले कंपनी के खिलाफ कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस शुरू हुआ था लेकिन कोई समाधान योजना सफल नहीं हो सकी। इसके बाद लिक्विडेशन का आदेश दिया गया। यह आदेश जून 2022 में आया था। लिक्विडेशन के दौरान कई ई-ऑक्शन हुए। इसके बाद अडानी समूह की कंपनी अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर की बोली को मंजूरी मिली।

अंबानी को वेनेजुएला के कच्चे तेल की सीधी खरीद का मिला लाइसेंस

- कंपनी रियायती दर पर भारी कच्चे तेल का आयात कर सकेगी

मुंबई ।

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को वेनेजुएला से कच्चा तेल सीधे खरीदने का अमेरिकी लाइसेंस मिल गया है। इस अनुमति से कंपनी रियायती दर पर भारी कच्चे तेल का आयात कर सकेगी। वेनेजुएला का तेल गुजरात के जामनगर रिफाइनरी के लिए उपयुक्त माना जाता है, जो रिफाइनिंग मार्जिन को बेहतर कर सकता है। जनवरी के अंत में अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह अनुमति दी थी। इससे पहले अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला से तेल केवल बीचौलियों के माध्यम से उपलब्ध था। जामनगर रिफाइनिंग परिसर दुनिया का सबसे बड़ा है। रिलायंस पहले भी वेनेजुएला से तेल खरीदार रही है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण 2019-20 में आयात रुका था, लेकिन 2024 में मिली अस्थायी राहत के दौरान कंपनी ने वेनेजुएला से तेल खरीदा। इस साल कारोबारियों के माध्यम से विटॉल कंपनी से 20 लाख बैरल तेल खरीदा गया। सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने भी इस छूट का लाभ उठाया और कुल 20 लाख बैरल कच्चा तेल वेनेजुएला से खरीदा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस से तेल आयात घटाने और अमेरिका सहित अन्य स्त्रोतों से तेल आयात बढ़ाने पर सहमति जताई है। वेनेजुएला का ओरिनोको बेल्ट क्षेत्र भारी और बहुत-भारी ग्रेड के तेल के लिए प्रसिद्ध है, और यह रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। इस कदम से भारत की रणनीति में कच्चे तेल के स्त्रोतों में विविधता और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी।

रेलवे ने ई-टिकटिंग में फर्जी बुकिंग और साइबर अपराधों पर लगाई रोक

- दिसंबर तक के पिछले छह महीनों में 60.43 अरब फर्जी बुकिंग प्रयास रोके गए

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने 2025 में ई-टिकटिंग प्रणाली को सुरक्षित बनाने के लिए 3.03 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी बंद कर दी हैं। दिसंबर तक के पिछले छह महीनों में 60.43 अरब फर्जी बुकिंग प्रयास रोके गए। इससे असली यात्रियों को पहले आधे घंटे में टिकट आसानी से मिलना शुरू हुआ। पहले दलाल आधे घंटे में सारी बुकिंग कर लेते थे, जिससे आम यात्रियों को समस्या होती थी। रेलवे ने बुकिंग प्रणाली में आधार लिंकिंग और ओटीपी को अनिवार्य किया है। बुकिंग शुरू करने से पहले आधार नंबर डालना होता है और लिंक्ड मोबाइल पर ओटीपी आता है। केवल सही ओटीपी डालने पर बुकिंग प्रोसेस आगे बढ़ता है। इससे एक व्यक्ति के 10-20 फर्जी अकाउंट बनाना लगभग असंभव हो गया। जुलाई 2025 से यह सिस्टम कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण लगा चुका है। ई-टिकटिंग वेबसाइट पर कई स्तरों पर कैपटेक लगाया गया है, जिसे कंप्यूटर प्रोग्राम क्रैक नहीं कर सकते। अकामाई एंटी-बॉट टूल फर्जी ट्रैफिक तुरंत पकड़ता है। वेबसाइट तेज लोड के लिए सीडीएन का इस्तेमाल है। साथ ही नेटवर्क फायरवॉल, आईपीएस और डब्ल्यूएफ 24 गुणित 7 सतर्क हैं। आईएसपी स्तर पर 30 जीबीपीएस डीडीओएस मिटिगेशन मौजूद है। रेलटेल डार्क वेब स्कैनिंग करता है। चाणक्यपुरी डेटा सेंटर सीसीटीवी और आईएसओ 27001 सर्टिफाइड है। सीईआरटी-इन 24म7 निगरानी रखता है और नियमित ऑडिट करता है। शक के आधार पर 12,819 ईमेल डोमेन ब्लॉक किए गए और 3.99 लाख फर्जी बुकिंग पकड़ी गईं।

भारतीय आईटी सेक्टर को फरवरी में भारी झटका, निवेशक चिंतित

- आईटी कंपनियों की मार्केट कैप में लगभग 4.5 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के भरोसेमंद माने जाने वाले आईटी सेक्टर के लिए फरवरी कोई अच्छा महीना नहीं रहा। मात्र 13 कारोबारी दिनों में आईटी कंपनियों की मार्केट कैप में लगभग 50 अरब डालर (4.5 लाख करोड़) की गिरावट दर्ज हुई। शुक्रवार को समाप्त हुए सप्ताह में निफ्टी आईटी इंडेक्स 8.2 फीसदी टूट गया, जो अप्रैल 2025 के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। इस दौरान टीसीएस, इंफो सिस और एचसीएल टेक के शेयरों में क्रमशः 2.1 फीसदी, 1.2 फीसदी और 1.4 फीसदी की गिरावट आई। पिछले महीने एंथ्रो पिक ने नया एआई टूल लॉन्च किया, जिसने वैश्विक टेक जगत में हलचल मचा दी।

निवेशकों का डर है कि जेनरेटिव एआई भारत की 283 अरब डॉलर की आईटी सर्विस इंडस्ट्री के पारंपरिक बिजनेस मॉडल को प्रभावित कर सकता है। कोडिंग और टेस्टिंग जैसी बुनियादी सेवाओं के ऑटोमेशन से कंपनियों की आमदनी पर असर पड़ने की संभावना है। जेपी मोरगन ने चेतावनी दी कि ग्लोबल क्लाइंट्स अब आईटी बजट का पुनर्वितरण कर सकते हैं और पारंपरिक सॉफ्टवेयर सेवाओं से हटकर एआई-आधारित समाधानों की ओर ध्यान देंगे। बाजार में शुक्रवार को हल्की रिकवरी हुई, जिसे बो यिंग द` डिप से जोड़ा गया। कुछ निवेशकों ने गिरावट के बाद शेयरों को आकर्षक मूल्य पर खरीदा। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार ने एआई से उत्पन्न खतरों पर जरूरत से ज्यादा और जल्दी प्रतिक्रिया दी।

डाबर इंडिया दक्षिण भारत में पहली विनिर्माण इकाई लगाएगा

चेन्नई । दैनिक उपयोग के उत्पाद बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया विल्लुपुरम जिले के टिंडीवनम में अपनी पहली दक्षिण भारत स्थित विनिर्माण इकाई स्थो पित करेगी, इसके झलिए कंपनी ने हाल ही में यहां भूमिपूजन किया। इस परियोजना की लागत 400 करोड़ रुपये है और यह संयंत्र टूथपेस्ट के अलावा व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों जैसे डाबर गुलाबारी, वाटिका हेयर ऑयल और अनमोल हेयर ऑयल का निर्माण करेगा। कंपनी का कहना है कि यह संयंत्र प्रत्यक्ष रूप से 250 से अधिक लोगों को रोजगार देगा और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों के लिए अवसर सृजित करेगा। संयंत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग होगा, यह पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर संचालित होगा और मुख्य रूप से महिला कामगारों के साथ एक समावेशी कार्यस्थल होगा। भूमिपूजन समारोह में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने डिजिटल रूप से भाग लिया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री टीआरबी राजा, उद्योग मंत्रालय के प्रधान सचिव अरुण रॉय और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में भी गिरावट

- सोने का भंडार 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया

नई दिल्ली । भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार 6 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले यह 723.774 अरब डॉलर पर था, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर था। विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण एक सामान्य करेक्शन मानी जा रही है। सबसे बड़ी चर्चा गोल्ड रिजर्व में हुई गिरावट को लेकर है। पिछले सप्ताह जहां सोने के भंडार में 14.595 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी, वहीं इस सप्ताह यह 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक सोने की कीमतों में बदलाव और आरबीआई की रणनीतिक खरीद-बिक्री इसका मुख्य कारण हैं। यह 2 जनवरी के बाद पहली बार इतनी बड़ी गिरावट है। वहीं फॉरेन करेंसी असेट्स (एफसीए) में इस सप्ताह 7.661 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई, जो इसे 570.053 अरब डॉलर पर ले गई। एफसीए में यूरो, पाउंड और येन जैसी मुद्राओं के मूल्य परिवर्तन का असर देखा गया। पिछले चार हफ्तों में कुल 36.97 अरब डॉलर की बढ़ोतरी भी रही, जिसे व्यापारिक सौदों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जोड़कर देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की स्थिति और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में भी मामूली कमी दर्ज की गई है। एसडीआर 132 मिलियन डॉलर और आईएमएफ स्थिति 32 मिलियन डॉलर घट गई।

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए 2,000 करोड़ रुपये का कोष

नई दिल्ली । केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने जैव द्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद- अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (बाइरैक-आरडीआई) कोष की शुरुआत की। इस कोष के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक) क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पांच साल की अवधि में 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस कोष का उद्देश्य प्रयोगशाला अनुसंधान और औद्योगिक विनिर्माण के बीच के अंतर को पाटना है। इसके तहत टीआरएल-4 से टीआरएल-9 तक की प्रौद्योगिकियों को इक्विटी, परिवर्तनीय उपकरणों और दीर्घकालिक ऋण के माध्यम से सहायता दी जाएगी। पात्र स्टार्टअप, एसएमई और उद्योग भागीदार आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से प्रस्ताव जमा कर सकते हैं। पहले चरण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2026 है।

इंडिगो को 1.27 करोड़ के जुर्माने का नोटिस

नई दिल्ली । इंडिगो पर जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित 1.27 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। एयरलाइन ने यह जानकारी दी। इंडिगो ने कहा है कि वह इस आदेश को चुनौती देगी। बीएसई को दी गई जानकारी में, एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने कहा कि उसे जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित नोटिस मिला है। साथ ही, मुंबई के बांद्रा स्थित संयुक्त राज्य कर आयुक्त कार्यालय (अपील) ने ब्याज और जुर्माने के साथ राशि वसूलने का आदेश भी भेजा है। कंपनी का मानना है कि अधिकारियों द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण है और उसका पक्ष मजबूत है। कुल 1.27 करोड़ रुपये का जुर्माना जुलाई 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए है।

सेबी ने पांच कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी दी

- सभी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, ड्यूरोफ्लेक्स, विरुपाक्ष ऑर्गेनिक्स, हेक्सागॉन न्यूट्रिशन और ओम पावर ट्रांसमिशन को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है। ये कंपनियां 2026 में अपने शेयर आम जनता के लिए जारी करेंगी और सभी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन का प्रस्तावित आईपीओ 2.25 करोड़ शेयर के नए निर्गम और 54 लाख शेयर की बिक्री पेशकश पर आधारित है। वहीं, गद्दे बनाने वाली कंपनी ड्यूरोफ्लेक्स का आईपीओ 183.6 करोड़ रुपये के नए शेयर निर्गम और प्रवर्तकों तथा मौजूदा निवेशकों द्वारा 2.25 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश का मिश्रण है। दवा कंपनी विरुपाक्ष ऑर्गेनिक्स का आईपीओ पूरी तरह से नया निर्गम है और यह 740 करोड़ रुपये के शेयरों के जारी करने पर केंद्रित है। इसके विपरीत, हेक्सागॉन न्यूट्रिशन का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश है, जिसमें प्रवर्तकों द्वारा 3.08 करोड़ से अधिक शेयर बेचे जाएंगे। ओम पावर ट्रांसमिशन ने भी आईपीओ के लिए आवेदन किया है। हालांकि, इसकी संरचना का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं हुआ है। इन कंपनियों ने सितंबर और अक्टूबर 2025 के बीच आईपीओ दस्तावेज़ सेबी के पास दाखिल किए थे। सेबी ने इन्हें मंजूरी दे दी।

सोमवार से शेयर बाजार में बड़ी कंपनियां होंगी लिस्ट, दो नए आईपीओ भी खुलेंगे

मुंबई।

सोमवार से शेयर बाजार में आईपीओ का अच्छा माहौल होने वाला है। कुछ बड़ी कंपनियां लिस्ट होने वाली हैं और दो नई आईपीओ खुलने वाले हैं। ये आईपीओ एआई, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और सप्लाई चेन जैसे सेक्टर में हैं, जो निवेशकों को कमाई का मौका दे सकती हैं। बाजार में इस हफ्ते ज्यादा आईपीओ तो नहीं आ रहे हैं, लेकिन लिस्टिंग और नए इश्यू से हलचल रहेगी। बता दें 16 फरवरी को दो बड़ी कंपनियां एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होंगी। पहली है फैक्टल एनालिटिक्स, जो डेटा और एआई सॉल्यूशंस में लीडर है। इसका आईपीओ 2833.90 करोड़ रुपए का था और ये फैक्टल, एआई और फैक्टल अल्फा ब्रांड्स के तहत काम करती है। सब्सक्रिप्शन 2.66 गुना हुआ, मतलब अच्छी मांग रही।

वहीं दूसरी कंपनी है आय फाइनेंस, जो मिडिल लेयर एनबीएफसी है और माइक्रो तथा स्मॉल बिजनेस को लोन देती है। इसका आईपीओ 1010 करोड़ का था और सब्सक्रिप्शन 97 फीसदी रहा। दोनों में निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी दिखी। इसके अलावा 19 फरवरी को मारुशिका टेक्नोलॉजी एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होने जा रही है। नई आईपीओ की शुरुआत भी हो रही है। फैक्टल इंडस्ट्रीज का आईपीओ 16 से 18 फरवरी तक खुलेगा। ये बीएसई एसएमई पर लिस्ट होगी। इश्यू साइज 49 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू है1 प्राइस बैंड 205 से 216 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 600 शेयर है, मतलब रिटेल निवेशक के लिए कम से कम 1200 शेयर। कंपनी गारमेंट्स डिजाइन, सोर्सिंग और मैन्युफैक्चरिंग करती है। ई-कॉमर्स कंपनियों जैसे

अजियो और मिंत्रा के लिए वेयरहाउसिंग और सप्लाई चेन हैंडल करती है। आईपीओ का पैसा वर्किंग कैपिटल, जनरल पर्पज और खर्चों में लगेगा। बुक रनिंग लीड मैनेजर फिनैक्स कैपिटल एडवाइजर्स है और रजिस्ट्रार केफिन टेक्नोलॉजीज।

इसके बाद गौडियम आईवीएफ का आईपीओ 20 से 24 फरवरी तक खुलेगा। ये एनएसई और बीएसई पर होगा। कंपनी 2015 से चल रही है और हब-एंड-स्पोक मॉडल से कई राज्यों में आईवीएफ सेंटर्स चलाती है। प्राइस बैंड, लॉट साइज और पूरी डिटेल्स जल्द आने वाली हैं। ये हेल्थकेयर सेक्टर में महिलाओं की हेल्थ पर फोकस करती है। आय फाइनेंस फाइनेंशियल सेक्टर को मजबूती देगी। एसएमई आईपीओ जैसे फैक्टल इंडस्ट्रीज और मारुशिका से छोटे निवेशकों को मौका मिलेगा। गौडियम आईवीएफ हेल्थकेयर में नई संभावनाएं लाएगी। निवेश से पहले अच्छे से रिसर्च करें, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव रहता है। सब्सक्रिप्शन और जीएमपी देखकर ही पैसे लगाएं।

क्रिप्टो मार्केट का सबसे बड़ा कॉइन बिटकॉइन में बड़ी गिरावट

आधी हुई वैल्यू, अभी 55 फीसदी और गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली।

बिटकॉइन की कीमतों में इस हफ्ते भी गिरावट तेज रही, लेकिन शनिवार को इसमें 4 फीसदी की तेजी रही और इसकी कीमत लगभग 68,864 डॉलर पर आ चुकी है। हालांकि एक्सपर्टस को इस तेजी पर कुछ खास भरोसा नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि इस बड़ी गिरावट के बीच यह एक छोटी सी उछाल है और गिरावट अभी भी हावी है।

बिटकॉइन अभी भी अपने रिकॉर्ड स्तर से करीब आधा गिर चुका है। क्रिप्टोकरेंसी अक्टूबर में अपने उच्चतम स्तर से लगभग 44 प्रतिशत गिर चुकी है, जो पिछले कई महीनों में हुए करेक्शन के कारण हुआ है। शुक्रवार को बिटकॉइन लगभग .69,180 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले साल के अंत में आई तेजी के दौरान देखे गए स्तरों से काफी नीचे है।

अभी और गिर सकता है बिटकॉइन

मिड टर्म को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, नेड डेविस रिसर्च (एनडीआर) के रणनीतिकारों ने चेतावनी दी है कि भारी बिकवाली के बाद भी आगे और गिरावट आ सकती है। इस महीने की शुरुआत में ग्राहकों को जारी एक नोट में, एनडीआर ने कहा कि अगर मौजूदा मंदी एक पूरे बिटकॉइन विंटर में बदल जाती है, तो कीमतें मौजूदा स्तरों से काफी नीचे तक गिर सकती हैं।

55 फीसदी तक टूट सकता है बिटकॉइन

नेड डेविस रिसर्च के मुख्य रणनीतिकार पैट त्सचोसिक और विश्लेषक फिलिप मौल्स के अनुसार, गंभीर मंदी की स्थिति में बिटकॉइन की कीमत गिरकर 31,000 डॉलर तक जा सकती है। इस तरह की गिरावट का मतलब मौजूदा कीमतों से लगभग 55 प्रतिशत की और गिरावट होगी, जिससे हाल के उच्चतम स्तर के करीब निवेश करने वाले निवेशकों को और अधिक ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

75 फीसदी तक टूट चुका है बिटकॉन

एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिटकॉइन की ऐतिहासिक गिरावट विश्लेषण पर आधारित है।

उन्होंने बताया कि पिछली बड़ी बिकवाली के दौरान, बिटकॉइन में आमतौर पर लगभग 70 प्रतिशत से 75 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, जब गिरावट लंबे समय तक मंदी के दौर में बदल गई। अगर इतिहास खुद को दोहराता है, तो मौजूदा गिरावट अभी भी जारी रह सकती है।

बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, नेड डेविस रिसर्च ने यह भी बताया कि 2011 से लेकर अब तक बिटकॉइन की मंदी के दौर में औसतन लगभग 84 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये गिरावटें न केवल गहरी थीं, बल्कि लंबी भी रहीं।

कई राज्यों के रेरा प्राधिकरण वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित नहीं कर रहे: एफपीसीई

नई दिल्ली ।

घर खरीदारों के संगठन 'फोरम फॉर पीपल्स कलेक्टिव एफर्ट्स' (एफपीसीई) ने चेतावनी दी कि कई राज्यों के रेरा प्राधिकरण अपने वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने के वैधानिक दायित्व को पूरा नहीं कर रहे हैं। संगठन ने रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 78 के उल्लंघन की ओर ध्यान आकर्षित किया। एफपीसीई के अनुसार देशभर में 75 प्रतिशत से अधिक रेरा प्राधिकरणों ने या तो कभी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित नहीं की, या उनका प्रकाशन बंद कर दिया, या रिपोर्ट अपडेट नहीं की गई। कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और गोवा ने कोई` रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की। वहीं महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना ने शुरुआत में` रिपोर्ट दी लेकिन अब` रिपोर्ट देना बंद कर दी है। संगठन ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से अनुरोध किया है कि सभी रेरा प्राधिकरणों को निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट प्रकाशित करने के नए निर्देश जारी किए जाएं। इसके साथ ही धारा 82 और 83 के तहत दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की गई है।

प्रमोद भगत ने रचा नया इतिहास, मनामा में जीता करियर का छठा विश्व खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने मनामा में आयोजित प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में एक बार फिर कमाल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। 37 वर्षीय भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान को 21-12, 21-18 से हराकर लगातार चौथा और कुल छठा विश्व खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए हैं। एसएल3 वर्ग में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। प्रमोद भगत पांच वर्ष की उम्र में पोलियो से प्रभावित हुए थे, लेकिन उन्होंने इस कमजोरी को अपनी ताकत में बदलकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में पहले ही स्वर्ण जीत चुके भगत का यह नया खिताब उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

यह जीत इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि प्रमोद हाल ही में डोपिंग रोधी नियमों के 'वेयरअबाउट्स' उल्लंघन के कारण 18 महीने के निलंबन से लौटे हैं। इस निलंबन की वजह से वह 2024 पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा नहीं ले पाए थे, लेकिन वापसी के बाद उन्होंने साबित कर दिया कि कठिन परिस्थितियाँ भी उनके जज्बे को कमजोर नहीं कर सकतीं। फाइनल मुकाबले में प्रमोद ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले गेम में 21-12 की आसान जीत के बाद दूसरे गेम में इमरान ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन प्रमोद ने महत्वपूर्ण अंकों पर बेहतरीन नियंत्रण दिखाकर 21-18 से मैच अपने नाम कर लिया। उनकी यह उपलब्धि भारतीय पैरा बैडमिंटन के लिए गर्व का क्षण है और आने वाले खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा भी।

भारत-पाक महामुकाबला आज: विवादों के यू-टर्न के बाद अब मैदान पर असली जंग, जीत से कम कुछ नहीं मंजूर

कोलंबो (एजेंसी)। क्रिकेट और सियासत के घालमेल से पैदा हुए गतिरोध के अस्थायी समाधान के बाद आखिरकार टी20 विश्व कप 2026 का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला आज होने जा रहा है, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। पाकिस्तान ने पहले मैच के बहिष्कार का फैसला लिया था, लेकिन बाद में अचानक यू-टर्न लेकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम में मुकाबला खेलने पर सहमति दे दी। इस निर्णय के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कई दौर की बातचीत रही, क्योंकि दक्षिण एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें इस मुकाबले पर टिकी हैं। प्रसारक, प्रायोजक और दुनिया भर के दर्शक इस मैच को टूर्नामेंट की सबसे बड़ी धड़कन मानते हैं।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द कर दिया गया। बांग्लादेश के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने की घोषणा कर दी थी। हालांकि खिलाड़ियों ने इसे ÷सिर्फ एक मैच÷ बताकर हाइप कम करने की कोशिश की, मगर भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता ऐसी है कि हार किसी भी टीम को मंजूर नहीं क्योंकि उसके बाद प्रशंसकों की प्रतिक्रिया भी उतनी ही तीखी होती है।

भारतीय टीम की चिंता सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की उपलब्धता है, जो पेट संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती रहे और नामीबिया मैच में नहीं खेले। उनके नहीं खेलने पर संजू सैमसन को उतारने या फिर ईशान किशन के साथ वॉशिंगटन सुंदर को ओपनिंग में भेजने का विकल्प है, जो न केवल फिट हो चुके हैं, बल्कि प्रेमदासा की धीमी पिच पर उपयोगी स्पिनर भी साबित हो सकते हैं। इसके अलावा पिच को देखते हुए कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है खासकर बाबर आज़म के खिलाफ उनके सफल रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए। ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है।

विश्व कप से पहले मजबूत दिख रही भारतीय बल्लेबाजी शुरुआती दो मैचों में कुछ अस्थिर दिखी है। अमेरिका के खिलाफ 77 पर छह विकेट गिरना और नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में पांच विकेट गंवाना टीम की कमजोरी उजागर करता है, हालांकि दोनों मैच भारत ने बड़े अंतर से जीते। सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या मुश्किल हालात में टीम को निकालते रहे हैं, लेकिन बड़े मैच में सामूहिक प्रदर्शन ही जीत की कुंजी है। पाकिस्तान को कोलंबो की पिचों की बेहतर जानकारी है, क्योंकि उसके मैच यहीं खेले जा रहे हैं। स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज भारत के बल्लेबाजों की सख्त परीक्षा लेंगे। वहीं बल्लेबाजी में साहिबजादा फरहान, सईम अयूब और फहीम अशरफ पर जिम्मेदारी होगी। हालांकि पाकिस्तान अब तक ऐसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से नहीं भिड़ा, जैसा भारत के पास है जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे सभी मैच-विनर हैं। आखिर में यह मुकाबला केवल कौशल का नहीं, बल्कि दबाव को संभालने की क्षमता का होगा। जो टीम बाहरी और भीतर दोनों तरह के तनाव को काबू में रखेगी, वही आज की असली जंग जीतेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा,वरूण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

पाकिस्तान के दो स्पिनर टीम इंडिया के लिए बन सकते हैं चुनौती : अजंता मेंडिस

कोलंबो । भारत-पाक मुकाबले से ठीक पहले श्रीलंका के पूर्व स्टार स्पिनर अजंता मेंडिस ने भारतीय टीम को सावधान रहने की सलाह दी है। मैदान के बाहर लंबे विवाद, राजनीतिक बयानबाज़ी और पाकिस्तान सरकार के बायकॉट से यूटर्न के बाद अब 15 फरवरी को कोलंबो में दोनों टीमें अंततः आमने-सामने होंगी। फैंस एक बार फिर भारत-पाक महामुकाबले के रोमांच को महसूस करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में खेले गए एशिया कप में टीम इंडिया ने पाकिस्तान पर लगातार तीन जीत दर्ज कर खिताब जीता था। फाइनल समेत तीनों मुकाबलों में भारत ने दमदार प्रदर्शन किया था। इस बार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को मात देने उतरेगी। हाई-वोल्टेज मैच के लिए टीम इंडिया शुक्रवार को कोलंबो पहुंच चुकी है।

इसी बीच मेंडिस ने संकेत दिया है कि पाकिस्तानी स्पिनर्स भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। पिच की प्रकृति और कोलंबो की परिस्थितियों को देखते हुए पाकिस्तान के दो स्पिनर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। मेंडिस का मानना है कि यह मुकाबला स्पिनरों पर काफी निर्भर रहने वाला है और भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआत से ही सतर्क रहना होगा। हालांकि, इस बड़े मैच पर मौसम का खतरा भी मंडरा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुकाबले के दौरान बारिश की संभावना है, जो खेल को प्रभावित कर सकती है। बावजूद इसके, फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि मौसम साफ रहे और उन्हें भारत-पाक की एक और यादगार भिड़ंत देखने को मिले।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अर्शदीप की जगह कुलदीप को उतारें : गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को है कि रविवार को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले में कुछ बदलावों के साथ उतरना चाहिये। गावस्कर के अनुसार टीम को इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करना चाहिये। गावस्कर के अनुसार कोलंबो में स्पिनरों को सहायता मिलती है और ऐसे में कुलदीप प्रभावी होंगे। वहीं अर्शदीप लय में नहीं दिखते। नामीबिया के खिताफ मैच में भी उन्होंने काफी रन दिये थे। गावस्कर ने कहा, श्रीलंका की पिचें स्पिनरों के लिए सहायक हैं इसलिए टीम को तीन स्पिनरों के साथ उतरना चाहिये।

ऐसे में कुलदीप के अलावा अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती बेहतर रहेंगे। गावस्कर ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच को ध्यान में रखते हुए ही अपनी गेंदबाजी में बदलाव कर सभी को आजमाया। उन्होंने कहा, हार्दिक पंड्या ने पहला ओवर किया जिससे भी तय है कि अर्शदीप को पाकिस्तान को खिलाफ शायद ही अवसर मिले। वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी शामिल किया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा, वरुण की सबसे अच्छी बात यह है कि जब भी उसे गेंदबाजी करने के लिए कहा जाता है वह विकेट लेता है। वहीं स्पिनर अक्षर पटेल ने तीन ओवर में दो विकेट लिए जिससे पता चलता है कि वह भी लय में हैं। गावस्कर ने अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण जगह पारी की शुरुआत कर रहे संजू सैमसन को लेकर भी चिंता जतायी है। गावस्कर ने कहा कि सैमसन की तकनीक में कमी है। वह क्रीज से दूर जाकर खेलने में परेशानी का अनुभव कर रहे हैं। नामीबिया के खिलाफ मैच में वह सजज नजर नहीं आये।

टी20 वर्ल्ड कप: लॉर्कन टकर के तूफान में उडा ओमान, आयरलैंड ने दी 96 रनों से मात

कोलंबो(एजेंसी)। कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप ग्रुप-बी मुकाबले में आयरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओमान को 96 रन से हरा दिया। आयरलैंड के कप्तान लॉर्कन टकर ने 51 गेंदों में शानदार 94 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को जीत दिलवाई। ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय उसके लिए बेहद महंगा साबित हुआ। आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यह न सिर्फ आयरलैंड का टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर है, बल्कि मौजूदा सीजन का भी सर्वोच्च टोटल बन गया। टीम ने श्रीलंका द्वारा इसी सीजन में ओमान के खिलाफ बनाए गए 225 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर दर्ज कर लिया।

आयरलैंड की पारी में ताबड़तोड़ चौकों-छक्कों की बरसात देखने को मिली। टीम ने कुल 21 चौके और 13 छक्के जड़े। कप्तान लोर्कन टकर ने शानदार नेतृत्व करते हुए 51 गेंदों पर नाबाद 94 रनों की धुआंधार पारी खेली। शतक से चूकने के बावजूद उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के जड़कर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया। उनके साथ गैरेथ डेलानी ने 30 गेंदों पर 56 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल थे। ओमान की ओर से 38 वर्षीय स्पिनर शकील अहमद ने तीन विकेट झटके और शुरुआती झटके दिए, जबकि आमिर कलीम ने भी एक सफलता हासिल की।

235 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज ज्यादा योगदान नहीं दे सके। आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो-दो सफलताएं मिलीं। इस बड़ी जीत के बावजूद आयरलैंड अंकतालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर बने हुए हैं।

दोनों मैच जीतने के बावजूद खुश नहीं हैं कप्तान मार्करम, कहा- सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं हुआ

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप-डी की शुरुआत में ही साउथ अफ्रीका ने अपने दोनों मैच जीतकर चार अंक बटोर लिए हैं और न्यूजीलैंड के बाद दूसरे स्थान पर काबिज है। लेकिन टीम के कप्तान एडन मार्करम का कहना है कि टीम अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हालांकि परिणाम सकारात्मक रहे हैं, टीम का फोकस अपनी पूरी क्षमता पर खेलना और लगातार सुधार करना है। मार्करम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अगले मुकाबले से पहले कहा कि कीवी कोच रोब वाल्टर उनकी टीम की ताकत और कमजोरियों से पूरी तरह परिचित हैं। वाल्टर पहले कई दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के साथ काम कर चुके हैं, इसलिए उन्हें पता है कि टीम किस स्थिति में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है और कहां कमजोर पड़ सकती है। मारक्रम ने माना कि यह एक चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा, लेकिन टीम मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार है। कप्तान ने गेंदबाजी की स्थिति पर भी चिंता जताई। पिछले दो मैचों में उनके गेंदबाजों ने 22 अतिरिक्त रन दिए, जो टी20 प्रारूप में काफी महत्वपूर्ण हो सकते हैं। मार्करम का कहना है कि टीम इन फालतू रनों को कम करने पर विशेष ध्यान दे रही है और हर गेंदबाज को अपनी ताकत और शैली के अनुसार खेलना होगा। उन्होंने अहमदाबाद में रात की रोशनी में टीम संयोजन पर भी संकेत दिया कि स्पिन और तेज गेंदबाजी का संतुलन बनाए रखा जाएगा, ताकि पिच और परिस्थितियों का अधिकतम फायदा उठाया जा सके। सुपर-8 में जगह बनाने के लिए साउथ अफ्रीका का अगला मुकाबला टेबल टॉपर न्यूजीलैंड से है। न्यूजीलैंड ने अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर उत्साह बढ़ाया है। कीवी टीम ने पहले मैच में अफगानिस्तान को मात दी थी और दूसरे मैच में यूएई को 10 विकेट से हराया। ऐसे में यह मुकाबला केवल अंक तालिका के लिए ही नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती और प्रदर्शन की वास्तविक परीक्षा भी साबित होगा। मार्करम ने जोर देकर कहा कि टीम का ध्यान केवल परिणाम पर नहीं, बल्कि लगातार सुधार पर है। यदि साउथ अफ्रीका न्यूजीलैंड को मात देने में सफल होता है, तो लगातार तीसरी जीत के साथ उसकी सुपर-8 में जगह पक्की हो जाएगी। लेकिन मैच चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि कीवी टीम भी जीत के इरादे से उतरेगी। टी20 प्रारूप की अनिश्चितताओं को देखते हुए यह मुकाबला दर्शकों और फैंस के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है। साउथ अफ्रीका की टीम फिलहाल मानसिक और तकनीकी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी, और मारक्रम के अनुसार, उनका लक्ष्य केवल जीत हासिल करना नहीं, बल्कि प्रत्येक गेंद पर अपनी पूरी क्षमता दिखाना है।

मोईन अली की बड़ी भविष्यवाणी : भारत-पाकिस्तान मैच में बुमराह और कुलदीप होंगे गेम चेंजर

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप को समर्पित 'मिस्टर क्रिकेट यूएई' पॉडकास्ट के दूसरे एपिसोड में इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर कई अहम भविष्यवाणियां कीं। मोईन ने साफ कहा कि भारत के लिए इस हाई-वोल्टेज मैच में सबसे बड़े मैच-विनर जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव होंगे। उन्होंने कोलंबो स्थित आर. प्रेमदाया स्टेडियम की पिच को स्पिनरों के लिए मददगार बताया, हालांकि उम्मीद जताई कि बड़े मुकाबले को देखते हुए एक संतुलित विकेट तैयार किया जा सकता है। मोईन अली ने कहा कि बल्लेबाजी में सूर्यकुमार यादव पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। उनके अनुसार, सूर्यकुमार के पास मैच का रुख कुछ ही ओवरों में बदल देने की क्षमता है। वहीं गेंदबाजी में बुमराह और कुलदीप दोनों किसी भी परिस्थिति में मैच जीताने वाले खिलाड़ी हैं। पाकिस्तान टीम संयोजन पर भी मोईन ने खुलकर राय रखते हुए कहा कि टीम को हर हाल में फखर जमान को शामिल करना चाहिए, चाहे इसके लिए बाबर आजम को बाहर ही क्यों न बैठना पड़े। गेंदबाजी में उन्होंने शाहीन अफरीदी और अबरार अहमद को भारत के लिए महत्वपूर्ण खतरा बताया, खासकर अबरार की विविधता भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा ले सकती है। मोईन अली ने अपने चार संभावित सेमीफाइनलिस्ट भी बताए भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और पाकिस्तान। इतना ही नहीं, उन्होंने फाइनल की संभावित भिड़ंत भारत बनाम पाकिस्तान के रूप में देखी। हालांकि मैच के नतीजे पर उन्होंने एक दिलचस्प बयान दिया- 卐आमतौर पर भारत पाकिस्तान को हरा देता है, लेकिन इस बार मेरा दिल कहता है कि पाकिस्तान जीत सकता है।'

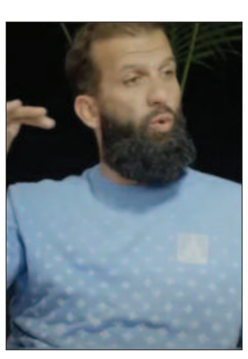

पाक कप्तान ने बताया उस्मान तारिक को ट्रंप कार्ड

- भारत-पाकिस्तान भिड़ंत से पहले के एक्शन पर विवाद जारी

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का सबसे रोमांचक और हाई वोल्टेज मुकाबला रविवार को कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया मैच के लिए कोलंबो पहुंच चुकी है, वहीं पड़ोसी मुल्क की टीम भी अपनी तैयारियों में पूरी ताकत झोंक रही है। इस महामुकाबले से पहले पाकिस्तान द्वारा मैच को बॉयकॉट करने की चेतावनी और फिर खेलने के फैसले के बाद काफी विवाद खड़ा हुआ था, लेकिन अब नया मुद्दा स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन को लेकर उठ रहा है, जो थमने का नाम नहीं ले रहा।

भारत-पाक मैच से ठीक पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने स्पिनर का मजबूती से बचाव किया। उन्होंने कहा कि टीम को उस्मान तारिक के एक्शन पर उठ रही चर्चाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वह पहले ही दो बार जांच में पूरी तरह क्लियर हो चुके हैं। सलमान अली आगा ने उन्हें टीम का ट्रंप कार्ड बताते हुए कहा कि वह अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

कप्तान ने साफ शब्दों में कहा, 'उस्मान तारिक हमारे लिए ट्रंप कार्ड हैं। उनके बॉलिंग एक्शन पर हो रही चर्चाओं की हमें कोई परवाह नहीं है। उनका एक्शन दो बार क्लीन चिट पा चुका है, इसलिए इस मुद्दे पर सवाल उठाना समझ से परे है।' कप्तान के इस बयान से साफ है कि पाकिस्तान टीम अपने स्पिनर पर काफी भरोसा जताती है और वे भारत के खिलाफ इस अहम मैच में उन पर बड़ी जिम्मेदारी डालने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर, दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस ब्लॉकबस्टर मुकाबले पर टिकी हुई हैं। कोलंबो का प्रेमदासा स्टेडियम रविवार को एक बार फिर दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमों की ऐतिहासिक भिड़ंत का गवाह बनेगा। दोनों टीमों के बीच मैदान पर उतरते ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचना तय है।

आईपीएल के नये सत्र मे पराग की कप्तानी में उतरेगी रॉयल्स

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम युवा ऑलराउंडर रियान पराग की कप्तानी में उतरेगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में वह इसबार कप्तानी के प्रबल दावेदार थे। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेंगे। सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोस जताया है। राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे। वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे।

पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे। । उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

एम चिन्नास्वामी में अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़ और शांता रंगास्वामी के नाम पर स्टैंड बने

नई दिल्ली । एम चिन्नास्वामी स्टेडियम ने भारतीय क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित किया है। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के गढ़ माने जाने वाले इस स्टेडियम में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज खिलाड़ियों अनिल कुबले और राहुल द्रविड के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन किया। इस सम्मान के जरिए भारतीय और कर्नाटक क्रिकेट में उनके द्वारा किए गए असाधारण योगदान को याद किया गया। अनिल कुंबले, जो टेस्ट और वनडे दोनों में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और जून 2016 से जून 2017 तक भारत के मुख्य कोच भी रह चुके हैं, ने कहा, 'यह सिर्फ नाम का सम्मान नहीं है, बल्कि कर्नाटक क्रिकेट में हम सभी के योगदान को पहचानने का अवसर है। हमारे प्रयास आज के कर्नाटक क्रिकेट को आकार देने में अहम रहे हैं।' वहीं राहुल द्रविड़, टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे बड़े रन बनाने वाले बल्लेबाज और 2024 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीताने वाले कोच, इस मौके पर कुंबले के साथ मौजूद रहे। कुंबले ने यह भी खुशी जताई कि पूर्व महिला कप्तान शांता रंगास्वामी के नाम पर भी स्टैंड बनाए गए हैं। शांता रंगास्वामी भारतीय महिला क्रिकेट की पहली टेस्ट शतक लगाने वाली खिलाड़ी हैं और 1976 से 1991 तक 16 टेस्ट और 19 वनडे में 1,037 रन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। उन्होंने एक शतक और सात अर्धशतक भी बनाए। पिछले अक्टूबर में उन्हें भारतीय क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का अध्यक्ष चुना गया था।

अतीत में अपने व्यवहार की वजह से नुकसान उठाना पड़ा : ईशान किशन

- बदला रवैया बना फैंस और टीम के लिए बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने केवल 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें जेजे स्मिट के एक ही ओवर में चार छक्के शामिल थे। भारत ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत का पावरप्ले में सर्वोच्च स्कोर साबित हुआ। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में किशन की यह पारी और भी अहम रही।

मुकाबले के बाद किशन ने अपने बदलावों और परिपक्वता पर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में उनके व्यवहार की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब उन्होंने अपने रवैये और खेल पर पूरा ध्यान देना शुरू कर दिया है। केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद उन्होंने अपने आचरण में बदलाव किया और अब अधिकांश समय बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर फोकस करते हैं। किशन ने बताया कि वह केवल कुछ घंटे हल्के मूड में रहते हैं, बाकी समय पूरी निष्ठा से अपने खेल पर काम करते हैं।

किशन ने यह भी बताया कि अब वह जल्दबाजी से बचने की कोशिश कर रहे हैं और एक-दो रन लेने पर उतना ही ध्यान देते हैं जितना बड़े शॉट खेलने पर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बार खिलाड़ी उत्साह में गलत शॉट खेल बैठते हैं, लेकिन किशन खुद को शांत रखने और गेंद पर नजर जमाए रखने की रणनीति अपनाते हैं। इस पारी ने न सिर्फ किशन की टीम में अहम भूमिका को मजबूत किया, बल्कि भारतीय शीर्ष क्रम के लिए भी बड़ी राहत दी। उनकी बल्लेबाजी में आई परिपक्वता और विकेटकीपिंग में निरंतरता उन्हें टीम का भरोसेमंद सदस्य बनाती है। आगामी मुकाबलों में किशन की यह फॉर्म भारत के अभियान की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है और टीम को ग्रुप स्टेज में मजबूत स्थिति दिला सकती है।

बच्चों को होमवर्क की अहमियत समझाना जरूरी

बच्चों से होमवर्क कराना अभिभावकों के लिए कठिन टास्क होता है। सही मायने में यह किसी चुनौती से कम नहीं। बच्चे स्कूल में भले पढ़ लें, लेकिन घर पर होमवर्क कराना मां के लिए बेहद कठिन होता है। उनके पास होमवर्क न करने के तमाम बहाने होते हैं। ऐसे में कौन-सा तरीका अपनाया जाए, जिससे होमवर्क से बच्चों की दोस्ती हो जाए, यह जानना जरूरी है।

प्रेरित करें

आमतौर पर बच्चों से काम पूरे करने के बदले अभिभावक उनकी फरमाइश पूरी करने का वादा करते हैं, लेकिन बाद में टाल देते हैं। ऐसे में बच्चे का आप पर भरोसा कम होने लगता है। उसे प्रोत्साहित करें। हमेशा अपनी सुविधा और समय का ही ख्याल न रखें, बच्चे के मूड पर भी ध्यान दें। बच्चे के साथ अपना समय बितायें।

होमवर्क की अहमियत समझाएं

बच्चों को होमवर्क की अहमियत समझाना जरूरी है। कई अभिभावक बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं। ऐसा न करें, बच्चे को उसकी जिम्मेदारी समझाएं। धीरे-धीरे उनमें होमवर्क समय पर करने की आदत पड़ेगी। कोर्स से हट कर भी किताबें उनके लिए लाएं, जो रोचक हों। खेल-खेल में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रतिदिन अभ्यास जरुरी

बच्चों की पढ़ाई का समय तय करें और उस समय उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। चाहे उसे स्कूल से होमवर्क मिले या न मिले, लेकिन उसके रूटीन को टूटने न दें। लिखने का प्रैक्टिस भी बहुत जरूरी है। साथ बैठे, उन्हें काम देकर रसोईघर या फोन पर बातें न करने लगें।

पढ़ाई को रोचक बनाना बहुत जरूरी है

बच्चों को समय देना बहुत जरूरी है। पढ़ाई को रोचक बनाने का प्रयास करें। जैसे अगर आप उसे बटरफ्लाई की लाइफ साइकिल के बारे में पढ़ा रही हैं, तो केवल बुक पर निर्भर न रहें, बल्कि यूट्यूब पर इससे जुड़े विडियो भी दिखाएं, रोचक जानकारियां जुटाएं, चार्ट बनाकर उनकी जानकारी बढ़ाएं।

रूटीन बनाएं, दबाव न डालें

अभिभावक बच्चों के होमवर्क के लिए परेशान हो जाते हैं, उनपर दबाव बनाते हैं। इससे बच्चों के मन में डर पैदा हो सकता है, और वे पढाई से दूर भागने लगते हैं। पढ़ने का समय तय करें और उस समय खुद को फ्री रखें।

इंजेक्शन लगने के बाद बच्चा ज्यादा रोता है तो क्या करें? डॉक्टर ने बताया आसान तरीका

जन्म के साथ ही शिशु का शरीर नए वातावरण में एडजस्ट करना शुरू करता है। इस स्टेज पर बच्चे का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए जन्म के तुरंत बाद ही बच्चे को जरूरी वैक्सीन दी जाती हैं। वैक्सीनेशन से बच्चे बीमारियों से बचते हैं, लेकिन कई बार इसके बाद साइड इफेक्ट्स देखने को मिल सकते हैं। जैसे कि जांघ या हाथ पर लगाई गई इंजेक्शन वाली जगह पर सूजन, रेडनेस या दर्द, हल्का बुखार या शरीर पर रैशेज। इन कारणों से बच्चा ज्यादा रोता और चिड़चिड़ा हो जाता है, जिससे माता-पिता के लिए उसे संभालना मुश्किल हो जाता है।

वैक्सीनेशन के बाद बच्चा ज्यादा रो रहा है? करें ये आसान उपाय

इंजेक्शन वाली जगह पर सेंकाई करें

वैक्सीनेशन के बाद अगर बच्चे को सूजन, लालिमा या दर्द महसूस हो रहा है, तो हल्की ठंडी सेंकाई करना फायदेमंद हो सकता है। यह त्वचा को शांत करने और दर्द कम करने में मदद करता है। ध्यान रखें कि सेंकाई के लिए बर्फ का इस्तेमाल न करें और गर्म सेंकाई भी न करें, केवल हल्का ठंडा कपड़ा ही पर्याप्त होता है।

बुखार होने पर सावधानी

वैक्सीनेशन के बाद बच्चे को हल्का या कभी-कभी ज्यादा बुखार आ सकता है। ऐसे में सबसे पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। डॉक्टर के निर्देशानुसार आप बच्चे को पेरासिटामोल दे सकते हैं, जिससे बुखार और असुविधा में राहत मिलती है। यह ध्यान रखें कि दवा की खुराक बच्चे के वजन और उम्र के अनुसार ही दें।

बच्चे को कंफर्टेबल रखें

वैक्सीनेशन के बाद बच्चे अधिक चिड़चिड़े और बेचैन हो सकते हैं। ऐसे में सबसे जरूरी है कि आप उन्हें आरामदायक स्थिति में रखें। बच्चे को सीने से लगाना, धीरे-धीरे सहलाना या उन्हें सुरक्षित महसूस कराने वाले तरीकों से रखना उन्हें शांत करने और आराम दिलाने में मदद करता है। यह न केवल बच्चे के लिए आरामदायक होता है, बल्कि माता-पिता के लिए भी स्थिति संभालना आसान बना देता है।

हाइड्रेटेड रखें

वैक्सीनेशन के बाद बच्चे को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है। इससे उनका शरीर तरल पदार्थ की कमी से बचता है और बुखार या असुविधा कम महसूस होती है। इसके लिए आप बच्चे को बार-बार ब्रेस्टफीडिंग करवा सकते हैं, या यदि बच्चा बॉटल से दूध पीता है तो उसे समय-समय पर दूध दें। हाइड्रेटेड रहने से बच्चा अधिक शांत और आरामदायक महसूस करता है।

डॉक्टर को तुरंत दिखाएं।

यदि वैक्सीनेशन के बाद बच्चे में बहुत ज्यादा बुखार, पूरे शरीर में रैशेज, सांस लेने में तकलीफ या झटके दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। वैक्सीनेशन के बाद हल्का रोना या बेचैनी सामान्य है। लेकिन माता-पिता को धैर्य और सही देखभाल से बच्चे को आराम देने की जरूरत है। सही समय पर सावधानी और डॉक्टर की सलाह से बच्चे का अनुभव सुरक्षित और आरामदायक बनाया जा सकता है।

बच्चों को खिलौने देने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल,वॉकर,छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं,जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीथर - बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। जिससे बच्चे को उल्टी, पेटदर्द, दस्त जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वाकर - बच्चा जल्दी चलना सीख लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। एक शोध में यह बात सामने आई है कि इससे बच्चे को खुद का बैलेंस बनाने में परेशानी होने लगती है। वह डर-डर कर जमीन पर अपने पांव रखता है।

दूध की बोतल

छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही सही आहार है। कुछ कामकाजी औरतें बच्चे बोतल से दूध पिलाती हैं। इससे बच्चे के पेट में हवा भर जाती है,जिससे उसे पेट गैस की परेशानी हो सकती है। अगर बोतल में दूध पिला रहे हैं तो साफ-सफाई का भी बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। दूध पिलाने से पहले बोतल को जरूर उबाल लें।

‘बच्चों के लिए घर पर बनाएं हेल्दी सेरेलेक पाउडर, न्यूट्रिशनिस्ट ने शेयर की आसान रेसिपी

आजकल मार्केट में मिलने वाले बेबी फूड में कई तरह के प्रिजर्वेटिव्स, शुगर और साल्ट होते हैं, जो आपके बच्चे की सेहत के लिए अच्छे नहीं हैं। ऐसे में घर पर ही सेरेलेक तैयार करना सबसे सुरक्षित और हेल्दी ऑप्शन है। इंस्टाग्राम व्लॉगर खुशबू राना (जिनके 143च फॉलोअर्स हैं) ने बच्चों के लिए घर पर सेरेलेक बनाने की आसान और हेल्दी रेसिपी शेयर की है।

बेबी फूड क्यों है जरूरी

जन्म से 6 महीने तक बच्चे को मां का दूध सबसे जरूरी है। 6 महीने के बाद बच्चे को धीरे-धीरे ठोस खाना देना शुरू करें।बच्चों का डाइजेस्टिव सिस्टम कमजोर होता है, इसलिए उन्हें आसानी से पचने वाला खाना देना चाहिए।

घर पर सेरेलेक बनाने की सामग्री

50 ग्राम मखाने

7-8 चम्मच पोहा

7-8 चम्मच सादा ओट्स

40 बादाम

40 काजू

थोड़ा देसी घी

यह सभी इंग्रीडिएंट्स बच्चों की ग्रोथ और न्यूट्रिएंट्स की जरूरतों को पूरा करते हैं।

बनाने का तरीका

मखाने भूनना एक बड़े चम्मच देसी घी में मखाने को कुरकुरा होने तक भूनें। क्रंचीनेस चेक करने के लिए हाथ से मसलकर देख लें। पोहे और ओट्स भूनना अलग पैन में पोहे और ओट्स को हल्का भून लें। काजू और बादाम भूनना भुने हुए पोहे और ओट्स में काजू और बादाम डालकर 3-4 मिनट भूनें।

मिक्सिंग और ग्राइंडिंग

सभी इंग्रीडिएंट्स को मिलाकर ठंडा होने दें। मिक्सर ग्राइंडर में पिसकर बारीक पाउडर बना लें। ध्यान रखें कि काजू और बादाम अच्छे से पिस जाएं।

स्टोरेज

तैयार पाउडर को एयरटाइट कंटेनर में रखें। एक बार में ज्यादा मात्रा न बनाएं, क्योंकि हवा लगने से यह जल्दी खराब हो सकता है।

सेरेलेक खिलाने का तरीका

खुशबू अपने बेटे को यही घर का बना सेरेलेक खिलाती हैं। स्वाद बदलने के लिए इसमें कभी-कभी केला या खजूर भी मिलाया जा सकता है। आप बच्चे की पसंद और जरूरत के अनुसार इसमें अन्य हेल्दी इंग्रीडिएंट्स भी डाल सकते हैं।

ध्यान देने योग्य बातें

यह पाउडर बनाते समय सुनिश्चित करें कि सभी इंग्रीडिएंट्स आपके बच्चे के लिए सुरक्षित हैं। पहले सभी इंग्रीडिएंट्स को अलग-अलग खिलाकर एलर्जी टेस्ट कर लें। यदि किसी चीज़ से एलर्जी नहीं होती है, तभी उसे सेरेलेक में शामिल करें। यह होममेड सेरेलेक बच्चों की ग्रोथ, पाचन और पोषण के लिए एकदम हेल्दी और सुरक्षित विकल्प है।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका

बच्चे की याददाश्त बचपन से ही तेज कैसे रखी जाए। यह बात सभी अभिभाव सोचते हैं। इसके लिए अधिकतर लोग बेहतर खानपान पर जोर देते हैं पर इतना ही काफी नहीं है। याददाश्त बढ़ाने के लिए आपको बच्चे के साथ कुछ छोटी-छोटी दिमागी कसरतें भी करनी होंगी।

मान लीजिये अगर आप कहीं घूमने गये हैं और वहां किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए तो लौटकर उससे जुड़े सवाल करें। घर लौटने के बाद आप बच्चे से रेस्टोरेंट से जुड़ी कुछ बातें पूछिए। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप जो सवाल बच्चों से पूछें उनके जवाब आपको भी याद हों। जैसे रेस्टोरेंट में आप किस और बैठे थे वहां किस रंग की फोटो लगी थी या उससे जुड़े कोई खास सवाल। ध्यान रहे ये जवाब आप को भी आने चाहिये।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका है। इसमें बच्चे के सामने कई सारे खिलौने रखे होते हैं और उन्हें उन खिलौनों को दाईं या बाईं ओर रखने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए बच्चे को कुछ गेंदें दीजिए और उन्हें दाईं ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहिए। दूसरे दिन भी उसे गेंद को वहीं रखने के लिए कहिए, पर तीसरे दिन गेंदों को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चे का हाथ पहले दाईं ओर ही बढ़ेगा। पर, लगातार इस तरह के एक्सरसाइज से उसकी मानसिक सतर्कता और याददाश्त मजबूत होगी।’जैसा कि आप जानती ही हैं कि अंग्रेजी में दो तरह के अक्षर होते हैं, स्वर और व्यंजन। अब पढ़ाई के बाद आपको बच्चे के साथ इन्हीं वॉवेल से जुड़ा खेल खेलना है। कागज पर एक बॉक्स बनाएं और उसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखें। बच्चे से उन शब्दों को काटने के लिए कहें, जिसमें वॉवेल न हों। इस तरह से बच्चे की अंग्रेजी तो अच्छी होगी ही, उसकी दिमागी एक्सरसाइज भी होगी।

घर के कामों में लगाएं

किचेन में काम करते हुए बच्चे को भी काम में शामिल कीजिए। उन्हें कुकिंग से जुड़े छोटे-छोटे काम करने के लिए बोलें ताकि वो जान जाएं कि कौन-सी चीज कहां रखी है? अब अगले दिन उन्हें फिर से वही चीजें आपको रसोई से लाकर देने के लिए कहें। इससे होगा यह कि आपको पता चलेगा कि चीजें कहां रखी हैं, बच्चे को यह याद भी है या नहीं। जैसे आप बच्चे से प्याज लाने के लिए बोलिए। अगले दिन जब वो फिर यही काम करेगा तो दिमाग पर जोर डालेगा कि मां ने प्याज कहां रखे थे।

नंबर गेम का कमाल

डिजिट स्पैन मतलब वो एक्सरसाइज जो बच्चे की याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके लिए बच्चे के सामने कुछ अंक बोलिए और उन्हें याद करने के लिए कहिए। अगले दिन बच्चे को आपको वो सारे अंक बताने होंगे। इसके लिए फोन नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप कोई ऐसा नंबर बच्चे के सामने बोलिए जो उसे याद कराना ही हो। अब अगले कुछ दिनों तक बच्चे से वह नंबर नियमित रूप से पूछती रहें। खेल-खेल में उसकी याददाश्त बढ़ेगी।’ इस एक्सरसाइज में बच्चा बेडरूम में ही कहीं भी अपना पसंदीदा खिलौना रख कर आएगा और दूसरे दिन उसे वहां से लेकर भी आएगा। वो भूल ना पाए, इसके लिए आपको संकेत देते रहने होंगे। बच्चे से कहिए कि वो बेडरूम की किसी खास ड्राअर में अपना खिलौना रखे। कुछ देर बाद या दूसरे दिन उससे वही खिलौना लाने के लिए बोलें। इस तरह से वो जब भी अपना सामान कहीं रखेगा तो जगह याद रखेगा। दोबारा उसे वो जगह सोचनी नहीं पड़ेगी।’

'हसरतें सीजन 3' से चाहत पांडे रखा ओटीटी की दुनिया में कदम

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज 'हसरतें सीजन 3' में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है।

यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, ''स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।'' चाहत ने आगे कहा, ''स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है।''
'हसरतें सीजन 3' में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है। दर्शक न केवल उनकी भावनाओं से जुड़ेंगे, बल्कि उनकी कहानी के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के महत्व को भी महसूस करेंगे।

क्या बॉलीवुड में डेब्यू के ख्वाब देख रहीं हैं भोजपुरी क्वीन अक्षरा?

अपने अभिनय, डांस और सिंगिंग को लेकर दर्शकों की तारीफ बटोरने वाली अक्षरा सिंह ने अब यूट्यूब पर कुकिंग व्लॉग शुरू कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने इसका एलान किया था। 'चटर पटर' नाम के इस चैनल पर अक्षरा अपने माता-पिता के साथ कोई डिश बनाती हैं। साथ-साथ भरपूर मस्ती होती है। व्लॉग का पहला एपिसोड काफी पसंद किया गया था। अब इसका दूसरा एपिसोड रिलीज कर दिया गया है। अक्षरा बोलीं- 'आपका प्यार ही फैमिली फन को वायरल बनाता है' अक्षरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें व्लॉग के दूसरे एपिसोड के रिलीज होने की जानकारी देते हुए लिखा है, 'पहले एपिसोड को आप सभी ने इतना प्यार दिया, दिल खुश हो गया। अब 'चटर-पटर' का दूसरा एपिसोड लाइव हो गया है। मम्मी, पापा और मेरी फुल मस्ती के साथ। देखिए, एंजॉय करिए और बताइए कैसा लगा? आपका प्यार ही इस फैमिली फन को वायरल बनाता है। व्लॉग की शुरुआत अक्षरा सिंह से होती है। वे सोकर उठती हैं। अपनी मां को बताती हैं कि उन्हें एक सपना आया। सपने में बुआ आई और अपने हाथ का टेस्टी हलवा बनाती दिखीं। यह सुनते ही अक्षरा की मां नीलिमा सिंह जलन महसूस करते हुए कहती हैं कि तुम्हारी बुआ को क्या हलवा बनाना आता है, वो तो मैं अच्छा बनाकर दिखाती हूं। इसके बाद अक्षरा अपनी मां के साथ मिलकर हलवा बनाती हैं। इसी दौरान वे कहती हैं, 'काश बॉलीवुड डेब्यू मांग लिया होता'। वे ख्यालों में गुम होती हैं कि उनकी मां उन्हें टोक देती हैं।

'चांद तलक' सॉन्ग हुआ रिलीज

अक्षरा सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अपने गाने 'चांद तलक' को लेकर चर्चा में हैं। यह गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। इसमें अक्षरा के साथ एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत नजर आए हैं।

शाल्मली खोलगड़े का नया ट्रैक 'इम्प्रेशन' रिलीज

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में समय के साथ प्यार, रिश्तों और महिलाओं की भूमिका को देखने का नजरिया लगातार बदल रहा है। पहले के गानों में महिलाओं को अक्सर इंतजार करती, त्याग करती और भावनाओं में डूबी हुई दिखाया जाता था, वहीं आज के कलाकार नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ सामने आ रहे हैं। इसी बदले हुए दौर की एक मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने 'इम्प्रेशन' में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक 'इम्प्रेशन' को लेकर कहा, ''मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है।'' म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, '''इम्प्रेशन' मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा।

अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' को लेकर उत्साहित हैं साई धनशिका, फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'योगी दा' में सभी स्टंट खुद किए हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं। एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, 'मैंने पहली बार 'पेरानमाई' में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। 'योगी दा' में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं।' उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, 'आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन 'योगी दा' दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है।' साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की। उन्होंने कहा कि 'योगी दा' का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। 'मैंने 'कबाली' में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम 'योगी' था। इसी से 'योगी दा' की शुरुआत हुई। हमने 'कबाली' के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। 'कबाली' के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया। 'कबाली' के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है।' एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, 'मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता। मैं मानती हूं कि ज्यादा बोलने से बेहतर है कि काम बात करे, जो मेहनत फिल्मों में दिखती है।' 'योगी दा' एक एक्शन एंटरटेनर है, जिसे गौतम कृष्णा ने लिखा और डायरेक्ट किया है।

क्या जिया शंकर ने एल्विश यादव से कर ली सगाई?

एल्विश यादव और जिया शंकर सगाई की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में हैं। आज एल्विश यादव ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। इसमें एक लड़के ने एक लड़की का हाथ पकड़ा है। लड़की ने हाथ में रिंग पहनी है। इसके कैप्शन में लिखा है 'प्यार को दूसरा मौका दिया और मुझे मेरा प्यार मिल गया।' इस स्टोरी को जिया शंकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीशेयर किया है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों की सगाई हो चुकी है और दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। हालांकि ना तो जिया शंकर ने और ना ही एल्विश यादव ने इस तस्वीर को लेकर कुछ कहा है। जहां फैंस दोनों के रिश्ते को लेकर कयास लगा रहे हैं वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों जल्द ही नए शो 'इंगेज्ड: रोका या धोखा' सीजन 2 में नजर आ सकते हैं। इस वक्त इस तरह की तस्वीर शेयर करना इस शो का प्रमोशन हो सकता है।

इन शोज में आई नजर

जिया शंकर मशहूर टीवी शो 'मेरी हानिकारक बीवी' में डॉक्टर इरा पांडे का किरदार निभाने के लिए जानी जाती हैं। साल 2015 में वह शो 'गुमराह: एंड ऑफ इनोसेंस' में नजर आईं। इसके बाद वह 'लाल इश्क', 'काटेलाल एंड संस' जैसे शोज में नजर आईं। आखिरी बार उन्हें 'बिग बॉस ओटीटी 2' में देखा गया था।

'ओ रोमियो' के किरदार ने मुझे इमोशनली चैलेंज किया

तृप्ति डिमरी ने कम समय में ऐसे किरदार चुने हैं, जो आसान नहीं थे। 'ओ रोमियो' में उनका किरदार बाहर से शांत, लेकिन भीतर से बेहद टूटा हुआ है। इसे लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

तृप्ति कहती हैं 'ओ रोमियो' की शुरुआत मेरे लिए एक फोन कॉल से हुई। विशाल सर का नाम सुनते ही एक्साइटेड हो गई थी, क्योंकि उनके साथ काम करने का सपना रहा है। जब कहानी सुनी तो अपने किरदार अपशा से बहुत कनेक्ट हुई। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका सफर आप खत्म नहीं करना चाहते 'ओ रोमियो' मेरे लिए बिल्कुल वैसी ही रही।'

किरदार वहीं अच्छा जो चैलेंज करें, असली ग्रोथ तभी होगी

बकौल तृप्ति... 'मेरा मानना है कि जो किरदार आपको चैलेंज नहीं करता, उसमें मजा नहीं। एक एक्टर के तौर पर असली ग्रोथ वहीं से शुरू होती है। अफ्शा मेरे लिए आसान किरदार नहीं रहा। यह बहुत इंटर्नल कैरेक्टर है। उसके भीतर दर्द, गुस्सा और उदासी है, लेकिन वह सब बहर बहुत कम दिखाई देता है। इस बैलेंस को पकड़ना सबसे बड़ी चुनौती थी। अतुल मोंगिया और विशाल सर के साथ लंबे सेशन्स हुए।

शाहिद के साथ काम करके सीखा कैसे को-एक्टर को सिक्योर फील कराते हैं...

शाहिद के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर तृप्ति कहती हैं. वह बेहद डिसिप्लिन्ड और परफेक्शनिस्ट हैं। अगर उन्हें लगता है कि सीन और बेहतर हो सकता है, तो वह तब तक करते रहते हैं। सबसे अच्छी बात है कि वह अपने को एक्टर को बहुत सिक्योर फील कराते हैं। उनके साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा। हम पहली बार रीडिंग के दौरान मिले थे। उस वक्त सबका फोकस सिर्फ स्क्रिप्ट और किरदार पर था। किसी को जज करने का सवाल ही नहीं था।' तृप्ति ने आगे 'एनिमल' पर भी कहा कि जब दर्शक किसी किरदार को इतने समय तक याद रखते हैं और दोबारा देखना चाहते हैं, तो यह बहुत बड़ी बात होती है।'

हिट-फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि एक फिल्म से मैंने बतौर एक्टर क्या-क्या सीखा...

तृप्ति ने कहा... 'मेरे लिए हिट या फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि मैंने एक एक्टर के तौर पर क्या सीखा। हर फिल्म आपको कुछ न कुछ सिखाती है। वही सीख आगे आपके काम आती है। बाकी मैं थोड़ी रोमांटिक भी हूं और थोड़ी रियलिस्ट भी। मुझे लगता है कि मोहब्बत में भावनाओं के साथ समझदारी भी जरूरी है। परदे पर मेरे और शाहिद के बीच दर्शकों को वह जरूर दिखेगा।' वहीं शाहिद का कहना है कि...'मेरे लिए सफलता असफलता दोनों अस्थायी हैं। अगर आप सिर्फ सफलता के पीछे भागते हैं, तो जल्दी टूट भी सकते हैं। जरूरी यह है कि आप अपने काम से जुड़े रहें और ईमानदारी रखें। वही आपको लंबे समय तक टिकाए रखेगा। बाकी प्यार जिंदगी की सबसे खूबसूरत चीज है। यह समझ, धैर्य और संवेदनशीलता भी है।'

मास और क्लास दोनों ऑडियंस को छूएगी 'ओ रोमियो'

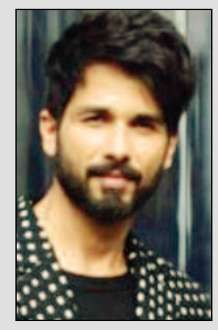

शाहिद कहते हैं... ' विशाल भारद्वाज के साथ रिश्ता पुराना है, लेकिन मैं हर स्क्रिप्ट को बिल्कुल न्यूट्रल होकर सुनता हूं। यहां मुझे कहानी और किरदार में वह इमोशनल गहराई दिखी, जो एक एक्टर को आगे बढ़ाती है। यह फिल्म मास और क्लास, दोनों को ध्यान में रखकर कही गई है, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइट करती है।'

भीषण सड़क हादसा : कोबरा बटालियन के 4 जवानों की मौत, एक गंभीर घायल

धमतरी (एजेंसी)। जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खपरी बायपास के पास हुए भीषण सड़क हादसे में 201 कोबरा बटालियन के चार जवानों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जगदलपुर से जवानों को लेकर आ रही डिजायर कार खपरी बायपास के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और जवान वाहन के भीतर फंस गए। गैस कटर की मदद से काफी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला गया। घटना में दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर घायलों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घायल जवान का उपचार जारी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

इंडिगो फ्लाइट में मिली बम की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली है। टॉयलेट में संदिग्ध पर्चा मिलने पर यात्रियों को तुरंत उतारा गया और विमान को आइसोलेशन बे में ले जाकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। यह फ्लाइट सुबह 9:15 बजे उड़ान भरने वाली थी। बोर्डिंग के दौरान क्रू मेंबर्स को विमान के टॉयलेट में एक पर्चा मिला, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी थी। इसके बाद तुरंत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर लागू किया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया और एयरक्राफ्ट को आइसोलेशन बे में ले जाकर जांच शुरू कर दी गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर के मुताबिक, बम की सूचना पर्चे के जरिए मिली। यात्रियों को तुरंत विमान से उतारा गया। विमान को आइसोलेशन बे में शिफ्ट किया गया। सुरक्षा एजेंसियां पूरी जांच में जुटी हैं।

एयरपोर्ट से 1.64 करोड़ का गांजा बरामद

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत कस्टम विभाग को सफलता मिली है। कस्टम अमृतसर की टीम ने स्पॉट प्रोफाइलिंग और बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान एक यात्री के सामान से 1 किलो 640 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.64 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह यात्री बैंकॉक से फ्लाइट नंबर एसएल-214 के माध्यम से श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर पहुंचा था। कस्टम अधिकारियों को उसके व्यवहार पर शक हुआ, जिसके बाद सामान की गहन जांच की गई। जांच में बैग के अंदर छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। कस्टम अधिकारियों ने तुरंत आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि नशे की तस्करी के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी कीमत पर ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

कार में मिली लड़के और लड़की की लाश, इलाके में मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के करीब नोएडा के सेक्टर-39 क्षेत्र में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक खड़ी कार के अंदर युवक और युवती के शव बरामद हुए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। कार के भीतर का दृश्य बेहद विचलित करने वाला था। दोनों के शरीर पर गोली लगने के निशान मिले हैं और वाहन के अंदर खून फैला हुआ था, जिससे प्रथम दृष्टया मामला गोलीबारी का प्रतीत हो रहा है। जांच के दौरान पुलिस को कार से एक पिस्तौल भी बरामद हुई है। हथियार को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि गोली किसने चलाई और कितनी गोलियां दागी गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण और समय की पुष्टि हो सकेगी। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृत युवक और युवती की पहचान दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके के निवासियों के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक ने पहले युवती को गोली मारी और बाद में खुद को गोली मार ली। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह केवल प्रारंभिक अनुमान है और जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। मामले की गंभीरता को देखकर हुए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और पारिवारिक पृष्ठभूमि की भी जांच की जा रही है। इस घटना ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया है और इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की गहन जांच के बाद ही इस रहस्यमयी घटना की सच्चाई सामने आ सकेगी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ड्रग तस्कर की 1.5 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने एक ड्रग तस्कर की संपत्ति कुर्क कर ली है। पुलिस के मुताबिक कुलगाम जिले में अटैच की गई प्रॉपर्टी की कुल कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए है। पुलिस ने बताया कि मणिगाम गांव में छह दुकानें, पांच गोदाम, एक टिन शेड और एक चबूतरा अटैच किया है। यह संपत्ति मोहम्मद अशरफ खांडे की है, जो निपोरा, कुलगाम का रहने वाला है और काजीगुंड में आता है। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि यह संपत्ति ड्रग तस्करी से कमाई गई धनराशि से बनाई गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अशरफ खांडे के खिलाफ संबंधित पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई। यह अटैचमेंट कुलगाम पुलिस की ड्रग तस्करों के वित्तीय नेटवर्क को खत्म करने और यह स्पष्ट संदेश देने की लगातार और रणनीतिक कोशिशों का हिस्सा है कि अपराध का अंजाम क्या होता है। एसएसपी कुलगाम ने बताया कि कुलगाम पुलिस ने ड्रग ट्रैफिकिंग और नारकोटिक्स से जुड़ी गतिविधियों के खिलाफ ज़ीरो-टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी व्यक्ति जो ड्रग पेडलिंग, फाइनेंसिंग, अपराधियों को पनाह देने या नारकोटिक्स ट्रेड के लिए सपोर्ट नेटवर्क बनाने में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें प्रॉपर्टी अटैच करना, वित्तीय जांच करना और कानून के कड़े नियमों के तहत मुकदमा चलाना भी शामिल है। एसएसपी ने कहा कि ड्रग तस्करों की गैर-कानूनी धनराशि की पहचान की जाएगी, उन्हें जब्त किया जाएगा और खत्म किया जाएगा।

कई राज्यों में चुनाव से पहले आक्रामक दिख रहे राहुल गांधी... संसद से सड़क तक मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र 2026 के पहले चरण में कांग्रेस नेता राहुल गांधी विपक्ष के सबसे बड़े चेहरे के रूप में उभरे। उन्होंने सदन में करीब 50 मिनट तक प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए सरकार की नीतियों पर बिना रुके हमला बोला। राहुल की इस नई और आक्रामक शैली ने न केवल कांग्रेस सांसदों में जोश हाई है, बल्कि विपक्षी गुट (इंडिया ब्लॉक) को भी एकजुट करने का काम कर दिया है।

उनके आक्रामक रुख और मोदी सरकार को असहज करने की क्षमता से कांग्रेस सांसद खुश दिख रहे है। वे अपने नेता के पीछे एकजुट दिखे, निलंबन झेला, धरने दिए, नारे लगाए और विपक्षी दलों से तालमेल बढ़ाया, ताकि पार्टी नेतृत्व के लिए 'फोर्स मल्टीप्लायर' की भूमिका निभा सकें।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर राहुल गांधी संसद के बाहर भी इसी फॉर्म में रहे, तब कांग्रेस पार्टी की स्थिति बेहतर हो सकती है, लेकिन दुर्भाग्य से अतीत में ऐसा नहीं हुआ।

राहुल गांधी ने संसद में प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर इंडो-यूएस समझौते पर घुटने टेक दिए हैं। राहुल गांधी ने विरोध स्वरूप सांसदों को सुझाव दिया कि प्रदर्शन के दौरान गौतम अडानी, ट्रंप और नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाए जाएं, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि केंद्र सरकार की कॉर्पोरेट के साथ सांठगांठ है।

वहीं शुक्रवार को राहुल गांधी ने किसान नेताओं के साथ अहम बैठक की। हालांकि इसमें से कई कांग्रेस के किसान विंग से जुड़े थे, लेकिन इसका संदेश साफ था-राहुल खुद को किसान समर्थक और सरकार को किसान विरोधी के रूप में दिखाना चाहते है। उनका लक्ष्य कृषि संकट को एक बड़े चुनावी मुद्दे में बदलना है। कांग्रेस ने एप्स्टीन फाइल्स विवाद को भी राजनीतिक हथियार बनाने की तैयारी कर ली है।

इसके अलावा, पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की किताब के संदर्भों को उठाकर राहुल गांधी राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर पीएम की 56 इंच की छाती वाली छवि को चुनौती दे रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राहुल गांधी की असली परीक्षा संसद के भाषणों में नहीं, बल्कि जमीन पर है। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी बाधा उनके संगठनात्मक ढांचे की कमजोरी है। वोटर अधिकार यात्रा और मनरेगा के विरोध में किए गए प्रदर्शन अब तक व्यापक जन-आंदोलन का रूप नहीं ले पाए हैं।

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल में होने वाले चुनावों को देखकर राहुल गांधी अपने तीखे तेवर ढीले करने के मूड में नहीं हैं। उनका स्लोगन जो उचित समझो वही करो सीधे तौर पर सरकार की निर्णय लेने की क्षमता पर कटाक्ष है, जिसे वे चुनावी रैलियों में प्रमुखता से इस्तेमाल कर सकते है। बजट सत्र के पहले चरण में राहुल गांधी की बॉडी लैंग्वेज और आक्रामक शैली से संकेत मिलता है कि वे राजनीतिक रूप से उत्साहित हैं और मोदी सरकार पर दबाव बनाए रखने के इरादे में हैं।

पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की जयंती पर देश के दिग्गजों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विदेश मंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित सुषमा स्वराज की जयंती के अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं ने उन्हें याद करते हुए अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को नमन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुषमा स्वराज को याद करते हुए कहा कि संगठन से लेकर सरकार तक, जनकल्याण को अपने जीवन का मुख्य ध्येय बनाने वाली सुषमा जी राष्ट्रहित के विषयों पर अपनी निर्भीकता के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने कहा कि देश, संस्कृति, भाषा, विदेश नीति और विशेष रूप से नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य आने वाले कई दशकों तक देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी उन्हें विनम्र अभिवादन करते हुए एक कुशल प्रशासक के रूप में याद किया। वहीं, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें ओजस्वी वाणी की धनी और संवेदनशीलता व सेवा की सजीव प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श सदैव जनसेवकों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सुषमा स्वराज को एक अद्भुत वक्ता और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने उल्लेख किया कि विदेश मंत्री के रूप में उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया और संकट में फंसे भारतीयों के प्रति हमेशा आत्मीयता और तत्परता का परिचय दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सुषमा स्वराज का जीवन भारतीय राजनीति में शुचिता, सामर्थ्य और संवेदना की एक ऐसी त्रिवेणी थी, जिसने सत्ता को सेवा के उच्चतम प्रतिमानों पर स्थापित किया। उनकी विद्वत्ता और शालीनता की अमिट छाप भारतीय राजनीति के क्षितिज पर हमेशा बनी रहेगी। सुषमा स्वराज न केवल एक ओजस्वी वक्ता थीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भरी एक ऐसी नेत्री थीं, जिन्होंने कूटनीति को आम जनमानस की मदद का जरिया बनाया।

प्रधानमंत्री मोदी की असम यात्रा: सीएम सरमा बोले- विकास और कनेक्टिविटी की नई शुरुआत

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपनी असम यात्रा के दौरान राज्य को विकास की कई बड़ी सौगातें देंगे। प्रधानमंत्री के आगमन पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से खुशी जाहिर करते हुए कहा कि असम उन ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जो कनेक्टिविटी, टेक्नोलॉजी और विकास की गति को और तेज करेंगे।

प्रधानमंत्री के व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत डिब्रूगढ़ के मोरान बाईपास से होगी, जहां वे नवनिर्मित आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का जायजा लेंगे। पूर्वोत्तर भारत में अपनी तरह की यह पहली सुविधा भारतीय वायुसेना के समन्वय से तैयार की गई है। इस रनवे को विशेष रूप से आपातकालीन स्थिति में सैन्य और नागरिक विमानों के संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। यह न केवल रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित बचाव और राहत कार्यों में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह रनवे 40 टन तक के लड़ाकू विमानों और भारी परिवहन विमानों का भार सहने में सक्षम है। यात्रा के अगले चरण में प्रधानमंत्री गुवाहाटी पहुंचेंगे, जहां वे ब्रह्मपुत्र नदी पर निर्मित कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन करेंगे। लगभग 3,030 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल क्षेत्र में यातायात और व्यापार को सुगम बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री गुवाहाटी के लचित घाट पर आयोजित एक भव्य समारोह में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे।

इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य असम में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा को असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक नई औद्योगिक और तकनीकी क्रांति की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के इन कदमों से न केवल पर्यटन को लाभ मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

अखिलेश का योगी पर हमला, शंकराचार्य के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल शाब्दिक हिंसा और पाप

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल शाब्दिक हिंसा और पाप है। अखिलेश यादव ने पोस्ट में लिखा कि किसी भी व्यक्ति की वाणी की गरिमा बनाए रखना चाहिए, और शंकराचार्य पर अभद्र टिप्पणी करना गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि चापलूसी करने वालों को भी पाप लगेगा।

अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी के बयान का आलोचनात्मक विश्लेषण करते हुए कहा कि जो लोग महाकुंभ में हुई मौतों के वास्तविक आंकड़े नहीं बताते, मुआवजा में भ्रष्टाचार करते हैं और मुकदमे हटा लेते हैं, उनके पास किसी अन्य के धर्म या पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है, और यह अहंकार समाज में मान-सम्मान खोने का कारण बनता है। सपा नेता ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा नफरत की राजनीति की है और धर्म के मामलों में भी लोगों का अपमान किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि विवादित फिल्म को बिना नाम बदले ही कर मुक्त किया जा सकता है। अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि अगले चुनाव में जनता अपने अपमान का जवाब वोट के जरिए देगी।

दरअसल मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में कहा था कि हर कोई शंकराचार्य की उपाधि का उपयोग नहीं कर सकता और सभी कार्यक्रमों में धार्मिक मर्यादा और कानून का पालन अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को अपने नाम के आगे शंकराचार्य नहीं लिखने का अधिकार है और माहौल खराब नहीं किया जा सकता। इस विवाद ने उत्तर प्रदेश में धार्मिक और राजनीतिक संवेदनाओं को छू लिया है। अखिलेश यादव के अनुसार, शंकराचार्य पर दिया गया अभद्र बयान सदन में हमेशा के लिए दर्ज हो गया है और इस निंदनीय माना जाना चाहिए।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान जिला प्रशासन और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बीच हुए विवाद के लगभग एक महीने बाद, मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर कोई शंकराचार्य उपाधि का इस्तेमाल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सभी आयोजनों में धार्मिक मर्यादा और कानून का पालन होना चाहिए। योगी ने कहा, हर कोई अपने नाम के आगे शंकराचार्य नहीं लिख सकता। हर कोई किसी पीठ का आचार्य होने का दावा नहीं कर सकता और माहौल खराब नहीं कर सकता। सभी को कुछ हद में रहना पड़ता है।

16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय... कहीं तेज गर्मी, कही बर्फबारी के आसार

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हैं। इससे अगले दो दिन में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ में दिन का तापमान 30 डिग्री के पार हो चुका है। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 15 से ज्यादा शहरों में दिन का टेम्परेचर 30 डिग्री पार पहुंच चुका है। रात में भी पारा 10 डिग्री से ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री के पार हो चुका है। बांदा में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री और प्रयागराज में 30.4 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं छत्तीसगढ़ में औसतन तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड का असर साफ दिख रहा है। प्रदेश के सात शहरों का न्यूनतम तापमान -10 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी में सबसे कम पारा -26 डिग्री, गंगोत्री में -21 डिग्री और बद्रीनाथ में -19 डिग्री दर्ज किया गया। झारखंड में पिछले 24 घंटों में चार जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। इसमें डाल्टेनगंज, खूंटी, लोहरदगा और गुमला शामिल है। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में अभी हल्की बर्फबारी का दौर चल रहा है। कश्मीर को जम्मू से जोड़ने वाली मुगल रोड पर कई फीट बर्फ जमी है, इसके कारण यह अभी भी बंद है। 15 फरवरी को हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर घना कोहरा। अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ बारिश की आशंका। 16 फरवरी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बारिश-बर्फबारी की संभावना जाहिर की गई।

एआई के वैश्विक परिदृष्य में भारत एक अहम भूमिका निभाने को तैयार

-इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 दिल्ली में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक परिदृश्य में भारत एक अहम भूमिका निभाने की तैयारी में है। नई दिल्ली में 19 और 20 फरवरी को आयोजित होने जा रहा इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय मंच होगा, जहां सरकारों, बड़ी टेक कंपनियों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और निवेशकों की भागीदारी रहेगी। सम्मेलन का उद्देश्य एआई के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर ठोस और व्यावहारिक चर्चा करना है।

यह समिट 'पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस' के सिद्धांत पर आधारित है। इसके तहत एआई के विकास को मानव गरिमा और समावेशन से जोड़ते हुए पर्यावरणीय संतुलन तथा साझा वैश्विक प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। सम्मेलन में एथिकल एआई, नीतिगत ढांचा, निवेश के अवसर, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस एआई एक्शन सम्मिट के दौरान भारत में इस समिट के आयोजन की घोषणा की थी। माना जा रहा है कि यह ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला बड़ा एआई शिखर सम्मेलन होगा, जो विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंच पर मजबूती देगा।

भारत में इसके आयोजन के पीछे देश की तेजी से बढ़ती डिजिटल क्षमता और एआई क्षेत्र में उभरती ताकत प्रमुख कारण हैं। डिजिटल इंडिया और इंडिया एआई मिशन जैसी पहलों ने एआई अनुसंधान, स्टार्टअप इकोसिस्टम और डिजिटल अवसंरचना को मजबूत किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एआई शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और शासन जैसे क्षेत्रों में व्यापक बदलाव ला सकता है। हालांकि, रोजगार में बदलाव, एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह और ऊर्जा खपत जैसी चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे में यह समिट अवसरों और जोखिमों के बीच संतुलन बनाते हुए मापनीय और ठोस परिणामों पर केंद्रित रहेगा। भारत इस आयोजन के माध्यम से स्वयं को एक जिम्मेदार, समावेशी और वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में

शिवराज का राहुल गांधी पर आरोप, कब तक किसानों को गुमराह करने का काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने में जुटे हैं और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता किसानों, मछुआरों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिकारों की रक्षा करता है।

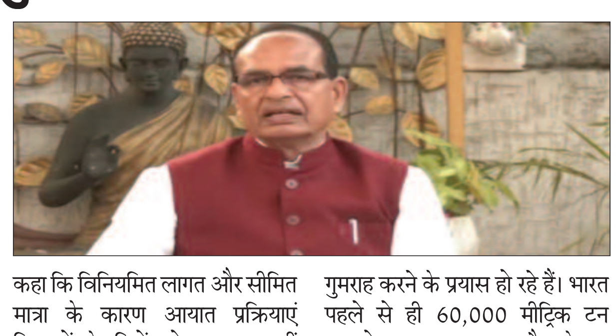

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते में देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारे लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स, किसानों, कारीगरों और मछुआरों के अधिकारों की रक्षा की गई है।

कृषि मंत्री ने दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का बचाव कर कहा कि विनियमित लागत और सीमित मात्रा के कारण आयात प्रक्रियाएं किसानों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सेब की बात कर रहे हैं। हम 55 लाख मीट्रिक टन सेब आयात करते हैं, और किस आधार पर? न्यूनतम आयात मूल्य 80 रुपये प्रति किलो है, और 25 रुपये प्रति किलो अतिरिक्त शुल्क लगता है, यानी लैंडिंग लागत 105 रुपये है। तब इससे किसानों को कैसे नुकसान हो रहा है?

वहीं कृषि मंत्री शिवराज ने कहा कि अखरोट के मामले में भी लगातार गुमराह करने के प्रयास हो रहे हैं। भारत पहले से ही 60,000 मीट्रिक टन अखरोट आयात करता है। केवल 13,000 मीट्रिक टन का सीमित कोटा ही आवंटित किया है।

उन्होंने राहुल गांधी पर तीखा प्रहार कर यह दावा कि कांग्रेस सरकार के दौरान आयात के दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए गए थे, गलत है। कांग्रेस शासनकाल में भी 20 अरब डॉलर मूल्य की कृषि उपज आयात की जाती थी। डेयरी उत्पाद भी आयात किए जाते थे। देश को जिस चीज की जरूरत होती है, वह आयात की जाती है।

देश में गड्ढों में गिरकर 5 साल में हुई 9 हजार 438 लोगों की मौत... इस मामले यूपी टॉप पर

-मध्यप्रदेश का दूसरा नंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गड्ढों में गिरकर लोग दम तोड़ते रहे और देश भर में सरकारें तमाशबीन बनकर सब देखती रहीं। बीते 5 साल के आंकड़े देखकर कुछ ऐसा लगता है। पांच सालों में देश के 9 हजार 438 लोगों की जान गडढ़ों में गिरने से चली गई।

इन 5 सालों में लापरवाही के मामले उत्तर प्रदेश (यूपी) टॉप पर है। आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि उत्तर प्रदेश में गड्ढों के कारण मरने वालों की संख्या पूरे देश के कुल आंकड़े में आधे से अधिक है। यूपी में इन 5 सालों के अंदर 5 हजार 127 लोगों की मौत हुई है। सरकारी आंकड़े में हैरान करने वाला फैक्ट भी सामने आया है, जिसके मुताबिक बिहार, गोवा, चंडीगढ़ और आंध्र प्रदेश में इन 5 सालों में गड्ढे से गिरने के कारण एक भी शख्स की जान नहीं गई है।

मृतकों की संख्या में 53 फीसदी उछाल

सड़क परिवहन और राजमार्ग मन्त्रालय की ओर से लोकसभा में बताया गया है कि 2020 की तुलना में साल 2024 में गड्ढों में गिरकर मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साल 2020 में जहां 1,555 लोगों की मौत गड्ढों में गिरकर हुई थी। वहीं साल 2024 में यह संख्या बढ़कर 2,385 हो गई। आंकड़ों के हिसाब से इस तरह के मामलों में 53 फीसदी का उछाल रिकॉर्ड किया गया। इस सूची में यूपी शीर्ष पर है और दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश का नाम है। मध्यप्रदेश के अंदर इन 5 सालों में 969 लोगों की मौत हुई। इसके बाद 612 नंबरों के साथ तमिलनाडु तीसरे नंबर। वहीं 425 के साथ ओडिशा चौथे नंबर पर रहा। पंजाब में गड्ढों में गिरकर 414 तो असम में 395 लोगों की मौत हुई।

देश की राजधानी दिल्ली में गड्ढे में गिरकर युवक की मौत के कारण पूरे देश में चर्चा का विषय बनी। लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि पिछले 5 सालों में दिल्ली के अंदर इस तरह से मौत के 50 मामले ही दर्ज हुए हैं। आंकड़ों के हिसाब से उत्तर पूर्वी राज्यों ने सूची में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। मणिपुर, नगालैंड और त्रिपुरा में गड्ढों में गिरकर हुई मौत का एक भी केस दर्ज नहीं किया गया है। आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भी गड्ढों में गिरकर एक भी मौत का केस नहीं आया है। हालांकि, एक भी मौत न होने के मामले में बिहार का नाम चौंकाने वाला है, जहां बेहद लंबा रोड नेटवर्क है। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने जो आंकड़े पेश किए हैं, उसके मुताबिक साल 2027 की तुलना में गड्ढों में गिरकर हुई मौतों के मामले में कमी आई है। तब एक साल के अंदर 3,597 लोगों की मौत हुई थी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)